हिंदी दैनिक
कोयलांचल संवाद
www.ksnewsupdates.com
धनबाद, शनिवार 23 अगस्त, 2025, वर्ष : 34 अंक : 148, मूल्य : 3 रूपए
धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित
YouTube Subscribe
Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

सूर्या हांसदा एनकाउंटर की होगी जांच, एनसीएसटी की टीम 24 अगस्त को पहुंचेगी गोड्डा

रांची : सूर्या हांसदा एनकाउंटर प्रकरण की जांच के लिए आगामी 24 अगस्त को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की (एनसीएसटी) की नौ सदस्यीय टीम का दौरा ललमटिया के डकैता स्थित सूर्या हांसदा के पैतृक गांव में होगा। टीम का नेतृत्व आयोग की सदस्य डॉ आशा लकड़ा और निरुपम चकमा करेंगी। टीम में आयोग के सदस्य सचिव वाईपी यादव, सलाहकार एचआर मीना, सुभाष रशिक सोरेन, राहुल यादव, अनुसंधानकर्ता राहुल कुमार सहित सदस्य के निजी सचिव कुशेश्वर साहू, प्रति रंजन चकमा आदि शामिल है। नई दिल्ली से आयोग की टीम देवघर हवाई अड्डा पर उतरेगी। वहां से गोड्डा सर्किट हाउस में विश्राम के बाद आयोग की टीम ललमटिया क्षेत्र के डकैता गांव जाकर दिवंगत आदिवासी नेता सूर्या हांसदा की पुलिस मुठभेड़ में हुई मौत के मामले की जांच करेगी। वहीं, उसी दिन शाम को सर्किट हाउस में आयोग की टीम डीसी अंजली यादव और एसपी मुकेश कुमार के साथ बैठक कर सूर्या हांसदा एनकाउंटर प्रकरण पर जिला प्रशासन का पक्ष लेगी। एनसीएसटी के डिप्टी डायरेक्टर आरके दुबे ने गुरुवार को इसकी जानकारी देते हुए आयोग के प्रस्तावित दौरे का मिनट्स जारी किया।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक में फैसला, सदन के अंदर व बाहर होगा एसआईआर का विरोध

रांची(ईएमएस)।कांग्रेस विधायक दल की बैठक शुक्रवार को सर्किट हाउस में हुई। बैठक के बाद विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि 26 अगस्त को सदन के अंदर और सदन के बाहर एसआईआर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।इसको लेकर सदन के नेता से बात हो चुकी है। ये वोट की हेराफेरी और चोरी है।ये संविधान के खिलाफ है।हमें जो एक मत का अधिकार संविधान ने दिया है उसकी रक्षा करना हमारा धर्म है।कांग्रेस हो या इंडिया गठबंधन ने संविधान की रक्षा के लिए कमर कस ली है।उम्मीद है कि सरकार एसआईआर के विरोध में प्रस्ताव लाएगी।भारत सरकार को संदेश देने का काम करेगी।प्रदीप यादव ने कहा कि भाजपा की ओर से जो भी सवाल आएंगे, उसका माकूल जवाब दिया जाएगा।बैठक में कांग्रेस के सभी विधायक मौजूद थे।

गुरूजी को भारत रत्न देने के सवाल पर मुख्यमंत्री बोले, यह राज्य की जनता का भाव है

रांची(ईएमएस)।सदन में शुक्रवार को पक्ष विपक्ष सभी ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भारत रत्न देने की मांग की। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि विधानसभा से प्रस्ताव पारित कर भारत सरकार को भेजा जाए। शुक्रवार को सदन की कार्यवाही समाप्त होने के बाद सीएम हेमंत सोरेन ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि सदन की भावना है।राज्य की जनता का भाव है, उसे सदन में सदस्यों ने रखा। इस पर सदन विचार करेगा।इससे पहले सदन में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, आजसू विधायक निर्मल महतो जदयू विधायक सरयू राय ने भी शिबू सोरेन को भारत रत्न देने की मांग की।

बस और बुलेट की टक्कर में दो की मौत

लातेहार(ईएमएस)।मनिका थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है। शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 39 पर देवबार मोड़ के पास एक तेज रफ्तार यात्री बस और मोटरसाइकिल (बुलेट) के बीच सीधी टक्कर हो गई, जिससे मोटरसाइकिल पर सवार दोनों लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद पुलिस ने मृतकों की पहचान करने की कोशिश की। एक मृतक की पहचान उसकी जेब से मिले ड्राइविंग लाइसेंस के आधार पर अब्दुल हसीम सरवर (40) के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश के नोएडा का रहने वाला था। वहीं, दूसरे मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल सवार लातेहार से मनिका की ओर जा रहे थे, तभी मोड़ के पास सामने से आ रही बस से उनकी सीधी टक्कर हो गई।पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया, जबकि दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया गया।

कारोबारी के घर से 32 लाख की संपत्ति चोरी विरोध में रोड जाम

गिरीडीह ।चोरों ने गिरिडीह जिले में गुरुवार की रात कारोबारी कैलाश मंडल के घर से 32 लाख की संपत्ति की चोरी कर ली। गल्ला व्यवसायी कैलाश मंडल सरिया थाना क्षेत्र के पेठियाटांड़ के रहने वाले हैं। कैलाश मंडल के अनुसार, चोरों ने उनके घर से 17 लाख रुपए नकद समेत करीब 32 लाख रुपए की संपत्ति की चोरी की है। कारोबारी ने घर बनाने और बिजनेस के लिए बैंक से रुपए निकालकर घर में रखे थे। सूचना मिलने पर सरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई।इस घटना से नाराज व्यवसायी संघ ने रोड जाम कर दिया।

नई उत्पाद नियमावली के तहत रांची में 150 खुदरा उत्पाद दुकानों की ई-लॉटरी के माध्यम से हुई सफल बंदोबस्ती

रांची ।उपायुक्त मंजुनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में को समाहरणालय सभागार में नई उत्पाद नियमावली के अंतर्गत राँची जिले की 150 खुदरा उत्पाद दुकानों की बंदोबस्ती प्रक्रिया ई-लॉटरी के माध्यम से सफलतापूर्वक संपन्न की गई। इस दौरान अपर समाहर्ता रामनारायण सिंह एवं सहायक उत्पाद आयुक्त अरुण कुमार मिश्रा एवं सम्बंधित सभी पदाधिकारी उपस्थित थे। इस प्रक्रिया में दुकानों को 87 ग्रुपों में विभक्त किया गया था।बंदोबस्ती प्रक्रिया की शुरुआत जिले की उन तीन खुदरा उत्पाद दुकानों से की गई, जिनके लिए सर्वाधिक आवेदन प्राप्त हुए थे। इन दुकानों की लॉटरी डेमो के माध्यम से की गई। इसके पश्चात सभी आवेदकों की उपस्थिति में शेष दुकानों की बंदोबस्ती ऑनलाइन ई-लॉटरी प्रणाली के माध्यम से पारदर्शी ढंग से संपन्न की गई। प्रत्येक दुकान के लिए प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेता घोषित किए गए।

सीएम हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की 35वीं बैठक संपन्न

51 कैदियों को रिहा किए जाने पर बनी सहमति

रांची : सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आज कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में आयोजित झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की 35वीं बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 51 कैदियों को रिहा किए जाने पर सहमति बनी। बैठक में रिहाई से संबंधित 37 नए मामलों के साथ-साथ 66 वैसे कैदियों के मामलों पर भी पुनर्विचार किया गया जिन्हें झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की पिछली बैठकों में अस्वीकृत किया गया था।
बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार, प्रधान सचिव गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग श्रीमती वंदना दादेल, डीजीपी श्री अनुराग गुप्ता, प्रधान सचिव-सह-विधि परामर्शी विधि (न्याय) श्री नीरज कुमार श्रीवास्तव, महानिरीक्षक कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं श्री सुदर्शन प्रसाद मंडल, न्यायिक आयुक्त श्री अनिल कुमार मिश्रा, प्रधान प्रोवेशन पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

51 कैदियों की रिहाई पर बनी सहमति

बैठक में मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की अनुशंसा के आलोक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे कुल 103 कैदियों को कारामुक्त किए जाने के प्रस्ताव पर अधिकारियों के साथ बिंदुवार गहन विचार-विमर्श किया। राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद द्वारा रिहाई हेतु अनुशंसित एक-एक कैदियों की फाइल पर गंभीरता से विचार किया गया। मुख्यमंत्री ने कैदियों के अपराध की प्रवृत्ति तथा न्यायालयों, संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों, जेल अधीक्षक एवं प्रोबेशन अधिकारियों द्वारा दिए गए मंतव्य की पूरी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने रिहाई हेतु अनुशंसित कैदियों की उम्र एवं पारिवारिक, सामाजिक तथा शैक्षणिक स्थिति की भी पूरी जानकारी ली। मुख्यमंत्री एवं अधिकारियों के बीच रिहाई हेतु प्रस्तावित सभी मामलों पर गहन विचारोपरान्त कुल 51 कैदियों को रिहा किए जाने के निर्णय पर मुख्यमंत्री ने अपनी सहमति दी।

रिहा हो रहे कैदियों को नया जीवन शुरू करने के लिए करें प्रेरित

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक में समीक्षा के उपरांत राज्य के विभिन्न कारागारों में 14 वर्ष या उससे अधिक समय से सजा काट रहे वैसे कैदी जिनकी उम्र ज्यादा हो गई है तथा जेल में उनका आचरण अच्छा है उन्हें रिहा किया जाता है, अतएव रिहा हो रहे कैदियों को एक बेहतर सामाजिक जीवन शुरू करने के लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि रिहाई से संबंधित अनुशंसित मामलों में कुछ मामले ऐसे भी हैं जिसमें कैदियों के बीमार होने तथा कुछ की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहने की बात कही गई है, इन सभी मामलों के लिए एक बेहतर कार्य योजना तैयार कर ऐसे कैदियों को शारीरिक एवं मानसिक चिकित्सा प्रदान किए जाएं, चिकित्सा के उपरांत डॉक्टरों द्वारा दिए गए रिपोर्ट के अनुसार वैसे कैदियों की रिहाई पर विचार किया जाना चाहिए ताकि वे अपना जीवन सुचारू रूप से व्यतीत कर सकें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिहा होने वाले कैदियों को हर हाल में सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं से जोड़ें।

वर्ष 2019 अबतक रिहा किए गए 470 कैदियों को मिल रहा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ

बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष अधिकारियों ने जानकारी दी कि राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक में सहमति के उपरांत वर्ष 2019 से अबतक राज्य के विभिन्न कारागारों से 619 कैदियों को रिहा किया जा चुका है, जिसमें 558 कैदियों का विभाग द्वारा भौतिक सत्यापन भी किया गया है। 61 बंदियों का भौतिक सत्यापन किया जाना बाकी है। यह भी बताया गया कि वर्ष 2019 से अबतक रिहा हुए 619 में से 470 कैदियों को सरकार द्वारा संचालित वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा ई०श्रम कार्ड इत्यादि योजनाओं के लाभ से जोड़ा गया है। रिहा हुए वैसे कैदी जिन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाया है, उन्हें संबंधित योजनाओं से जोड़ने का कार्य प्रक्रियाधीन है, जल्द ही सरकार द्वारा संचालित सामाजिक

जब तक हर गरीब को पक्का घर नहीं मिल जाता चैन से नहीं बैठेंगे : पीएम मोदी

13 हजार करोड़ की परियोजनाओं का दिया तोहफा और विपक्ष पर साधा निशाना

गया,(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार सुबह बिहार दौरे पर गयाजी स्थित मगध विश्वविद्यालय परिसर पहुंचे जहां उन्होंने विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बिहार को करीब 13 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। यहां पीएम मोदी ने कहा, कि यह परियोजनाएं स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा और बुनियादी ढांचे को नई गति देंगी।

अपने संबोधन को गरीबों और महिलाओं पर फोकस करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बिहार में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए नए अस्पताल और रिसर्च सेंटर का उद्घाटन किया गया है। अब राज्य में कैंसर के इलाज की आधुनिक सुविधा भी उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि गरीबों और महिलाओं के जीवन को आसान बनाना उनकी प्राथमिकता है। जब तक हर गरीब को पक्का घर नहीं मिल जाता, तब तक मोदी चैन से नहीं बैठेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कि हाल ही में लागू की गई विकसित भारत योजना के तहत पहली बार नौकरी करने वाले युवाओं को केंद्र सरकार की ओर से 15 हजार रुपये की मदद मिलेगी। साथ ही निजी कंपनियों को भी सरकार से आर्थिक सहयोग दिया जाएगा ताकि रोजगार के अधिक अवसर बनें। इस अवसर पर पीएम मोदी ने आतंकवाद को लेकर कहा, कि अब भारत पर आतंकी हमले बर्दाश्त नहीं होंगे। भारत ने रक्षा की नई लकीर खींच दी है। अब कोई आतंकी पाताल में भी छिप जाए, भारत की मिसाइलें उसे दफन करके रहेंगी। सभा की शुरुआत प्रधानमंत्री ने मगही भाषा में लोगों का अभिनंदन कर की, जिससे जनसमूह ने जोरदार तालियां बजाईं।

लालू-राजद और कांग्रेस पर हमला

पीएम मोदी ने अपने भाषण में राजद और कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि इन दलों ने बिहार को अंधेरे और आतंक के दौर में धकेला था। उन्होंने कहा, लालटेन राज में बिहार लाल आतंक से जकड़ा हुआ था। एनडीए सरकार ने तय समय पर परियोजनाएं पूरी कर यह साबित किया है कि अब बिहार विकास की राह पर है।
भागलपुर पीरपैंती में नए पावर प्लांट की घोषणा, राज्य को और बिजली मिलेगी। गया-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस और वैशाली-कोडरमा बौद्ध सर्किट ट्रेन को दिखाई हरी झंडी।

भारत भी बनाएगा अपना लो अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइट नेटवर्क

तेज इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराने की तैयारी

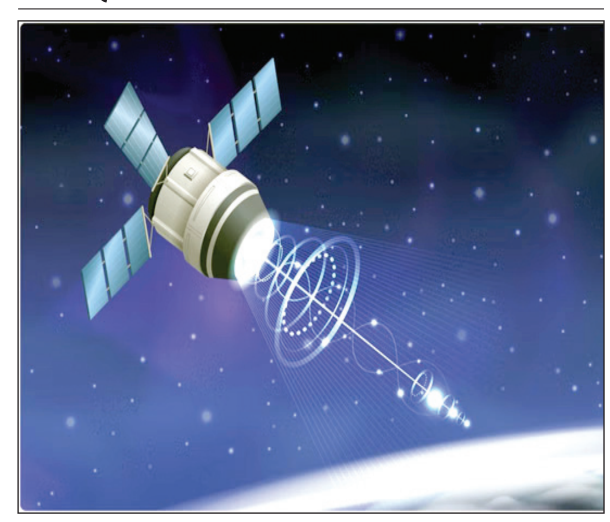

नई दिल्ली : भारत अब अपनी जमीन से आसमान तक डिजिटल ताकत को और मजबूत करने की तैयारी कर रहा है। सरकार और इसरो मिलकर एक नया कदम उठाने वाले हैं- लो-अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) सैटेलाइट्स का अपना नेटवर्क, ताकि देश में तेज और भरोसेमंद ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराई जा सके। यह योजना ऐसे समय में सामने आई है जब इस क्षेत्र में स्पेसएक्स और वनवेब जैसी विदेशी कंपनियां पहले से ही सक्रिय हैं।

वोटर अधिकार यात्रा में शामिल हुए स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी

रांची(ईएमएस)।कांग्रेस नेता राहुल गांधी और बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा में झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी शामिल हुए। यात्रा भागलपुर पहुंची तो मंत्री अंसारी अपने दलबल के साथ पहुंचे और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच अपनी ताकत का प्रदर्शन किया।यात्रा के दौरान उन्होंने कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल से भी मुलाकात की और लोकतंत्र व संविधान की रक्षा के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एकजुटता का संकल्प दोहराया।डॉ अंसारी ने कहा कि यह केवल यात्रा नहीं बल्कि लोकतंत्र की असली लड़ाई है। जब वोट पर डाका डाला जाए और लोकतंत्र पर हमला हो तो हर सच्चे जनप्रतिनिधि का कर्तव्य है कि जनता के साथ खड़ा हैं।

रांची में दौड़ेगी मेट्रो रेल, केंद्र ने मांगी सीएमपी रिपोर्ट

रांची। राजधानी के लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी है। अब रांची भी महानगरों की तरह मेट्रो रेल की सौगात पाने की ओर कदम बढ़ा चुका है। केंद्र सरकार ने झारखंड सरकार से कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान (सीएमपी) तैयार कर भेजने का निर्देश दिया है। इस रिपोर्ट के आधार पर यह तय होगा कि रांची में मेट्रो रेल कितनी जरूरी है और किन मार्गों पर इसका संचालन संभव होगा।

तीन शहरों का था प्रस्ताव, केवल रांची को मिली प्राथमिकता

झारखंड सरकार ने रांची, जमशेदपुर और धनबाद—इन तीन शहरों में मेट्रो रेल परियोजना का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा था। हालांकि, केंद्र ने गहन अध्ययन के बाद केवल रांची को प्राथमिकता दी है और यहां के लिए सीएमपी मांगी है। इससे राजधानी में मेट्रो परियोजना शुरू होने की उम्मीद और मजबूत हो गई है।
किसी भी शहर में मेट्रो रेल या रैपिड ट्रांजिट सिस्टम शुरू करने से पहले सीएमपी रिपोर्ट अनिवार्य होती है। इसमें कई अहम बिंदुओं का अध्ययन किया जाता है। राजधानी रांची में ट्रैफिक जाम लोगों के लिए बड़ी चुनौती बन चुका है।
रातू रोड, किशोरगंज चौक, अल्बर्ट एक्का चौक, नामकुम, लापुंग रोड और कई इलाकों में सुबह-शाम घंटों लंबा जाम लगता है।
शहर की आबादी तेजी से बढ़ रही है और निजी वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है।
विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते वैकल्पिक और टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था नहीं अपनाई गई, तो रांची में ट्रैफिक की समस्या विकराल रूप ले लेगी। ऐसे में मेट्रो रेल का परिचालन न केवल जाम से मुक्ति दिलाएगा, बल्कि वायु प्रदूषण में भी कमी लाएगा।
रांची में मेट्रो रेल परियोजना केवल एक सपना नहीं, बल्कि अब हकीकत की ओर बढ़ता कदम है। राजधानीवासी जल्द ही आधुनिक और तेज सार्वजनिक परिवहन का लाभ उठा सकते हैं।

झारखंड विधानसभा मानसून सत्र की कार्यवाही शुरू, वित्त मंत्री ने पेश किया अनुपूरक बजट

रांची : झारखंड विधानसभा का पूरक मानसून सत्र आज से शुरू हो चुका हैं. यह सत्र 28 अगस्त तक चलेगा और इसमें कुल 4 कार्य दिवस होंगे. सत्र के पहले दिन ही वित्तीय वर्ष 2025-26 का पहला अनुपूरक बजट सदन में रखा गया. वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने 4296 करोड़ 62 लाख का अनुपूरक बजट पेश किया.

26 अगस्त को अतिवृष्टि पर विशेष चर्चा का प्रस्ताव

संसदीय कार्य मंत्री ने सदन में 26 अगस्त को अतिवृष्टि पर विशेष चर्चा का प्रस्ताव रखा. सत्र में दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि दी जाएगी. हाल में में 3 अगस्त को दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन हो गया था, जिसके कारण मानसून सत्र स्थगित करना पड़ा था. पूरक मानसून सत्र में शिबू सोरेन और शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन को भी सदन याद करेगा.

विधानसभा का कार्यक्रम इस प्रकार तय किया गया है

22 अगस्त : अनुपूरक बजट पेश और शोक प्रकट, **25 अगस्त** : प्रश्नकाल और अनुपूरक बजट पर चर्चा, **26 अगस्त** : प्रश्नकाल और राजकीय विधेयक, **28 अगस्त** : प्रश्नकाल, राजकीय विधेयक और गैर सरकारी संकल्प.

स्पीकर ने कहा, दिशोम गुरु का जाना एक युग का अंत

रांची(ईएमएस)। विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने सदन में कहा कि चलते मॉनसून सत्र के दौरान हमारे बीच से दिशोम गुरु शिबू सोरेन, स्कूली शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक सहित कई जाने-माने लोग गुजर गए। दिशोम गुरु का जाना एक युग का अंत है। लेकिन जो राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना उन्होंने झारखंड को प्रदान की है, वह झारखंड के समतामूलक नवनिर्माण को सदा दिशा देता रहेगा। उनकी अनुपस्थिति में उनके विचार हमारा मार्गदर्शन करेंगे।

सुरक्षा के मद्देनज़र धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा लागू

22 अगस्त से 28 अगस्त तक झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र चलेगा। इस दौरान सुरक्षा कारणों से विधानसभा (नया भवन) के चारों ओर 1000 मीटर के दायरे में धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। पांच या उससे ज्यादा लोग एक जगह इकट्ठा नहीं हो सकेंगे (सरकारी काम और शवयात्रा को छोड़कर)। हथियार या बारूद लेकर घूमना मना है। लाठी-डंडा, तीर-धनुष जैसे हथियार भी नहीं ले जा सकेंगे। धरना, प्रदर्शन, जुलूस या रैली पूरी तरह से बैन रहेंगे। लाउडस्पीकर या माइक का इस्तेमाल भी नहीं होगा (सरकारी काम को छोड़कर)। यह निषेधाज्ञा 22 अगस्त सुबह 8 बजे से 28 अगस्त रात 10 बजे तक लागू रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

रिम्स कैंपस की कैंटीन सील, डॉक्टर की तबीयत बिगड़ने से मचा हड़कंप

रांची(ईएमएस)। रिम्स अस्पताल परिसर में पीजी डॉक्टर की हालत अचानक बिगड़ गई। बताया जा रहा है कि डॉक्टर ने कैंटीन से चाय पी थी, जिसके कुछ ही देर बाद उनकी तबीयत खराब हो गई। हालत गंभीर होने पर उन्हें ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में वेंटिलेटर पर शिफ्ट करना पड़ा।इस घटना के बाद अस्पताल प्रशासन हरकत में आया और तुरंत कैंपस की कैंटीन को सील कर दिया। इतना ही नहीं, पेइंग वार्ड और ऑर्थो विभाग की कैंटीन को भी सुरक्षा के मद्देनजर बंद करवा दिया गया है।फिलहाल फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की टीम जांच में जुटी है. रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय होगी।रिम्स प्रशासन ने साफ कर दिया है कि मरीजों और स्टाफ की सेहत के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा और कैंटीन संचालन पर सख्ती बरती जाएगी।यहां बता दें कि आर्थो कैंटीन से चाय पीने के बाद गायनी विभाग की पीजी फर्स्ट ईयर की डॉक्टर की तबीयत अचानक बिगड़ गई।उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित महिला डॉक्टर ने रिम्स से ही एमबीबीएस किया था और हाल ही में पीजी में दाखिला लिया था।गुरुवार की देर रात ड्यूटी के दौरान उन्होंने अपने कुछ साथियों के साथ कैंटीन से चाय मंगवाई। चाय पीते ही उन्हें अचानक रिएक्शन होने लगा और उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। छात्रा की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें सेंट्रल इमरजेंसी ले जाया गया। फिर वहां से उन्हें क्रिटिकल केयर आईसीयू में शिफ्ट किया गया।

हाईकोर्ट ने तालाबों की साफ-सफाई के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी

रांची(ईएमएस)।रांची के विभिन्न जलाशयों और तालाबों के अतिक्रमण से संबंधित मामले की सुनवाई हाईकोर्ट में हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने रांची नगर निगम को इस स्टेटस रिपोर्ट के माध्यम से यह जानकारी देने का निर्देश दिया है कि शहर के तालाबों में गंदगी न फैले और इसपर रोक लगाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं।इसके साथ ही अदालत ने निगम को शपथपत्र दायर कर यह बताने को कहा है कि अगर राज्य में प्लास्टिक बैन है तो उसका अनुपालन कैसे किया जा रहा है।हाईकोर्ट इस मामले में अब दो सप्ताह बाद सुनवाई करेगा। बता दें कि रांची के बड़ा तालाब और जिला के आसपास के जलस्त्रोतों को संरक्षित करने व इसमें हो रहे अतिक्रमण को हटाने की मांग को लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है। खुशबू कटारुका के द्वारा दाखिल जनहित याचिका में कहा गया है कि बड़ा तालाब, कांके डैम और धुर्वा डैम की सैकड़ों एकड़ जमीन अतिक्रमणकारियों के द्वारा हड़प ली गई है।वहां मल्टी स्टोरेज बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है। जिसका काफी बुरा असर जलाशयों पर पड़ रहा है।इतना ही नहीं रांची में तालाबों की स्थिति भी बदतर होती जा रही है।हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की बेंच में इस मामले की सुनवाई हुई।

बीआईटी मेसरा की छात्रा के साथ छेड़खानी की घटना पर हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान

रांची(ईएमएस)।झारखंड हाईकोर्ट ने बीआईटी मेसरा शिक्षण संस्थान में छेड़खानी के बाद युवती पर हमले के मामले को काफी गंभीरता से लिया है। शुक्रवार को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की बेंच ने बीआईटी मेसरा की छात्रा के साथ हुई। हिंसक घटना पर संज्ञान लेते हुए सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।हाईकोर्ट 28 अगस्त को इस मामले में सुनवाई करेगा।बता दें कि राजधानी रांची के बीआईटी (बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) मेसरा कैंपस में बुधवार की रात एमबीए की एक छात्रा से असामाजिक तत्वों ने छेड़छाड़ की।इस दौरान असामाजिक तत्वों ने छात्रा पर ब्लेड से हमला भी किया।इस मामले से आक्रोशित छात्रों ने कल कॉलेज कैम्पस में काफी देर धरना भी दिया था और छात्र-छात्राओं की सुरक्षा की मांग की थी।

शराब घोटाला : कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया व आईएएस अमित प्रकाश को मिली जमानत

रांची(ईएमएस)।शराब घोटाला से जुड़े केस में झारखंड एसीबी द्वारा गिरफ्तार किए गए छत्तीसगढ़ के चर्चित कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया और झारखंड के आईएएस अधिकारी अमित प्रकाश की जमानत याचिका पर शुक्रवार को एसीबी की विशेष कोर्ट ने फैसला सुना दिया है।कोर्ट ने सिद्धार्थ सिंघानिया को जमानत की सुविधा देते हुए उनकी याचिका स्वीकार कर ली है। 21 अगस्त की सुनवाई के दौरान एसीबी और बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।सिद्धार्थ को एसीबी की टीम ने छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार किया था।जिसके बाद से वह न्यायिक हिरासत में है।इस केस के कई अभियुक्तों को चार्जशीट दाखिल नहीं होने के कारण डिफॉल्ट बेल मिल चुकी है।सिद्धार्थ सिंघानिया की ओर से अधिवक्ता कुंदन कुमार वर्मा ने पक्ष रखा।

रांची में फिर चला निगम का बुलडोजर न्यूक्लियस मॉल के आसपास हटाया गया अतिक्रमण

रांची(ईएमएस)।रांची नगर निगम ने शुक्रवार को अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की।यह अभियान न्यूक्लियस मॉल के आसपास के क्षेत्रों में चलाया गया।नगर निगम की एनफोर्समेंट टीम और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से इस अभियान को अंजाम दिया।कार्रवाई के दौरान सड़कों और फुटपाथों पर अवैध रूप से बनाए गए ढांचों को तोड़ा गया। कई दुकानों के बाहर निकले हिस्सों को भी तोड़ा गया।वहीं फुटपाथ और सड़क घेरकर लगाए गए ठेले-पटरी और अन्य अतिक्रमणों को भी हटा दिया गया।अभियान में निगम ने अतिक्रमणकारियों का सामान जब्त किया और मौके पर मौजूद टीम ने लोगों को चेतावनी भी दी कि भविष्य में अतिक्रमण करने पर कड़ी कार्रवाई होगी।नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का मकसद शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाना है, ताकि लोगों को आवागमन में दिक्कत न हो और ट्रैफिक जाम की समस्या भी कम हो। निगम ने यह भी कहा कि आने वाले दिनों में ऐसे अभियान लगातार चलाए जाएंगे।

आयकर विभाग के आउटरिच प्रोग्राम में दी गई नए कानूनों व छूट की जानकारी

हजारीबाग(ईएमएस)।हजारीबाग के संत जेवियर स्कूल के कांफ्रेंस हॉल में आयकर विभाग की ओर से आउटरिच सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में विभिन्न संस्थाओं, ट्रस्ट, स्कूल सहित कई संगठनों के लोगों ने भाग लिया।करदाताओं को छूट से संबधित नए संशोधनों, कानूनों आदि का पालन करने के बारे में बताया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य ट्रस्ट, चैरिटेबल ट्रस्ट, शैक्षणिक संस्थान व अस्पतालों को आयकर विवरणी दाखिल करने में होने वाली असुविधाओं का निराकरण व आयकर छूट के नए प्रावधानों के बारे मे जानकारी देना था।ताकि आयकर विभाग में शिकायतें कम आयें और संबंधित संस्थाएं जागरूक बनें। कार्यक्रम का आयोजन आयकर आयुक्त (छूट) शिव स्वरूप सिंह के निर्देश पर अपर आयकर आयुक्त (रांची प्रक्षेत्र-2) रंजीत मधुकर के निर्देशन में किया गया।हजारीबाग के आयकर अधिकारी संजीव कुमार दास ने सभी ट्रस्टी व संस्था के सदस्यों से संबंधित नियमों का पूरी तरह पालन करने का आग्रह किया।

स्थापना-अनुकंपा समिति की बैठक में 10 आवेदन स्वीकृत, कई लिपिकों को प्रोन्नति

धनबाद(ईएमएस)।धनबाद डीसी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला स्थापना व अनुकंपा समिति की बैठक हुई। अनुकंपा समिति की बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े 23 मामलों को प्रस्तुत किया गया।दस्तावेज व जरूरी कागजातों की गहन जांच के बाद 10 आवेदन स्वीकृत किए गए।जिनके दस्तावेजों में कमी पायी गयी, उन्हें सुधार के साथ अगली बैठक में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।स्थापना समिति की बैठक में जिले के विभिन्न कार्यालयों में लंबे समय से कार्यरत लिपिक संवर्ग के कर्मियों के पदस्थापन व स्थानांतरण पर चर्चा की गई। 3 कर्मियों की सेवा संपुष्टि की स्वकृति दी गई। वहीं, कार्यालय अधीक्षक में 5, हेड क्लर्क में 9 व उच्च वर्गीय लिपिक में 1 कर्मी को प्रोन्नति दी गई।

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव और अंबा प्रसाद के खिलाफ सनहा दर्ज करने का आवेदन

रांची(ईएमएस)। योगेंद्र साव और अंबा प्रसाद के खिलाफ सनहा दर्ज करने का आवेदन दिया गया है। यह आवेदन हजारीबाग जिले के बड़कागांव स्थित चट्टी बरियातू कोल माइनिंग के वरिष्ठ प्रबंधक, रवि शंकर सिन्हा ने पगार ओपी, केरेडारी में दिया है। इस आवेदन में उन्होंने पूर्व मंत्री योगेंद्र साव और उनकी बेटी, पूर्व विधायक अंबा प्रसाद पर गंभीर आरोप लगाए हैं और उनके खिलाफ सनहा दर्ज करने की मांग की है।शिकायत के अनुसार, पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करके ऋत्विक कंपनी के दो वरिष्ठ अधिकारियों, सीएम राजेश और सीएम रमेश को हजारीबाग आने की चुनौती और धमकी दी है।शिकायत में योगेंद्र साव पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

रवि शंकर सिन्हा ने कहा है कि योगेंद्र साव ने माइंस एरिया में आकर कंपनी के कई अधिकारियों और कर्मचारियों को धमकी दी।उन्होंने कहा कि अगर माइंस फिर से चालू हुई तो वे कंपनी के किसी न किसी आदमी को नुकसान पहुंचा देंगे। योगेंद्र साव ने यह भी दावा किया कि उनके पास कंपनी के अधिकारियों की पूरी जानकारी है, जिसमें यह भी शामिल है कि वे कब हजारीबाग आते-जाते हैं और कहां रहते हैं।शिकायत में कहा गया है कि योगेन्द्र साव ने धमकी दी कि वे इन अधिकारियों को रास्ते से उठा लेंगे।उनके शब्दों में, मैं किसी से डरता नहीं हूं, न प्रधानमंत्री से, न मुख्यमंत्री से, मैं 307 और 302 सब कर के आया हूं।शिकायत में कहा गया है कि इस धमकी की ऑडियो रिकॉर्डिंग मौजूद है, जिसे जरूरत पड़ने पर सबूत के तौर पर पेश किया जाएगा।इन धमकियों के बाद, कंपनी के अधिकारी और कर्मचारी बहुत डरे हुए हैं और खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।शिकायत में एक बहुत ही दुखद घटना का जिक्र किया गया है।कंपनी के प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर शेख रिजवान शरीफ, जो योगेंद्र साव की धमकी के बाद से बहुत परेशान और मानसिक रूप से प्रताड़ित महसूस कर रहे थे, उनकी 19 अगस्त 2025 को सुबह 9 बजे हार्ट अटैक से अचानक मृत्यु हो गई। शिकायतकर्ता ने यह संकेत दिया है कि यह मृत्यु भय और मानसिक तनाव के कारण हुई है।शिकायत में यह भी कहा गया है कि योगेंद्र साव और उनके परिवार के सदस्य कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कोई अप्रिय घटना करवा सकते हैं।इसलिए, यह स्पष्ट किया गया है कि भविष्य में अगर कंपनी के किसी भी व्यक्ति के साथ कोई दुर्घटना होती है, तो उसके लिए योगेंद्र साव, अंबा प्रसाद और उनके परिवार के अन्य सदस्य जिम्मेदार होंगे।

रांची में युवक की हत्या, प्रेम-प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा मामला

रांची(ईएमएस)।पुलिस ने पिठौरिया थाना क्षेत्र में हुए लुम्बा उरांव हत्याकांड को सिर्फ आठ घंटे में सुलझा लिया है। डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए इस मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी गीता देवी और उसके प्रेमी इरफान अंसारी को गिरफ्तार किया है।दोनों ने मिलकर लुम्बा उरांव की हत्या की थी, क्योंकि वह उनके अवैध संबंध में बाधा बन रहा था।शुक्रवार को एसएसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि 20 अगस्त को पिठौरिया थाना क्षेत्र में लुम्बा उरांव का शव मिला था। इस घटना के बाद एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसका नेतृत्व ग्रामीण एसपी कर रहे थे।पुलिस टीम ने जांच शुरू की और 21 अगस्त 2025 को दो आरोपियों, इरफान अंसारी (कांके, रांची) और गीता देवी (लुम्बा उरांव की पत्नी) को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उन्होंने बताया कि पिछले आठ सालों से उनके बीच प्रेम-प्रसंग चल रहा था, जिसका लुम्बा उरांव विरोध कर रहा था। इसी वजह से दोनों ने मिलकर उसकी हत्या की साजिश रची। योजना के तहत, गीता देवी ने 19 अगस्त को अपने देवर के फोन से लुम्बा को फोन किया और उसे कांके में किराए का मकान दिखाने के बहाने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के पास बुलाया। 20 अगस्त को जब लुम्बा वहां आया तो इरफान उसे अपने साथ ले गया।इरफान यूट्यूब से नशीला दवाई खिलाकर मारने का तरीका सीखा था। उसने पहले लुम्बा को बहुत ज्यादा शराब पिलाई और अमूल कुल में नशीली दवा मिलाकर दी। जब लुम्बा बेहोश हो गया, तो इरफान ने उसे अपनी मारुति ओमनी कार में बैठाकर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।इसके बाद, उसने शव को मौवनाजारा-सिमलबेड़ा रास्ते पर फेंक दिया।पुलिस ने जांच के दौरान हत्या में इस्तेमाल की गई मारुति ओमनी कार और एक मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया है।इसके अलावा, घटनास्थल से 8 पीएम शराब की खाली बोतल, अमूल कुल के दो खाली डिब्बे, और नींद की गोलियों के खाली पत्ते भी बरामद किए गए हैं।पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन भी जब्त कर लिए हैं, जिनसे उन्होंने एक-दूसरे से संपर्क किया था. पुलिस के मुताबिक, लुम्बा की पत्नी गीता देवी पिछले डेढ़ साल से इरफान के साथ रह रही थी और उसने अपने पति की हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए गांव में उसके कमरे में एक सीसीटीवी कैमरा भी लगवा रखा था।इस कैमरे का एक्सेस उसके और इरफान के फोन पर था।

पलामू जिले में ई-लॉटरी से 70 शराब दुकानों की बंदोबस्ती

पलामू(ईएमएस)। पलामू जिले में 70 शराब दुकानों की बंदोबस्ती ई लॉटरी के माध्यम से की गई।इनमें सात देसी शराब दुकानें, जबकि 63 कंपोजिट दुकानें हैं।ज्ञात हो कि जिले में पहले कुल 79 शराब दुकानें संचालित थीं। दुकानों की बंदोबस्ती के लिए ई-लॉटरी की प्रक्रिया आठ अगस्त से शुरू हुई थी, जो 20 अगस्त तक चली।इसके लिए कुल 477 आवेदन आए थे। आवेदन कर्ताओं में पलामू जिले के अलावा राज्य के अलग-अलग क्षेत्र के साथ हा छत्तीसगढ़, बिहार व मध्य प्रदेश के लोग भी शामिल थे।इस बाबत जानकारी देते हुए पलामू के उत्पाद अधीक्षक संजीत कुमार देव ने बताया कि शराब की बिक्री से जिले को अगले 7 महीने में (वित्तीय वर्ष 2025–26) में 112 करोड़ 30 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त होगा।

विभाग को हरिहरगंज की दो दुकानों से सर्वाधिक 23 करोड़ 15 लाख रुपए की आय होगी।आनंद कुमार माथुर को मिली दुकान से 11.47 करोड़ वही मनसा देवी नामक महिला को मिली दुकान से 12.49 करोड रुपए के राजस्व की प्राप्ति होगी। इसके साथ ही जिला मुख्यालय स्थित के छह मुहान स्थित शराब दुकान अंकित कुमार तिवारी को 6.22 करोड़ में निर्गत किया गया है।उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि सबसे पहले स्थान पाने वाले व्यक्ति को पहला मौका दिया जाएगा।

रांची में सीएसआर कॉन्क्लेव 2025 का हुआ आयोजन

सतत विकास व जनजातीय कल्याण पर रहा फोकस

रांची(ईएमएस)।रांची के रेडिसन ब्लू होटल में सीएसआर कॉन्क्लेव का आयोजन शुक्रवार को हुआ। यह कार्यक्रम सतत विकास और जनजातीय कल्याण की दिशा में कॉर्पोरेट और समाजिक संगठनों की भूमिका को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।दिनभर चले इस कॉन्क्लेव की शुरुआत पंजीकरण और विजुअल प्रेजेंटेशन से हुई।इसके बाद रेल विकास निगम लिमिटेड और जेएसपीएल ने अपने कॉर्पोरेट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किए।साथ ही थीमैटिक विजुअल प्रेजेंटेशन के जरिए कॉन्क्लेव की अवधारणा को विस्तार से समझाया गया।सुबह साढ़े ग्यारह बजे कॉन्क्लेव का औपचारिक उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर सांसद प्रदीप वर्मा, सांसद सुजीत कुमार, पूर्व सांसद महेश पोद्दार और समीर उरांव, विधायक सीपी सिंह, जैन धर्मा गुरु देवेंद्र भाई जी, योगदा सत्संग के वरिष्ठ संत, एनटीपीसी निदेशक रवींद्र कुमार, सीएमपीडीआई के सीएसआर प्रमुख और पीएचडीसीसीआई के उपाध्यक्ष डॉ. एसपी अग्रवाल सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।इसके बाद कॉर्पोरेट और एनजीओ एंगेजमेंट सत्रों में ईकेआई एनर्जी सर्विसेज, यूनिसेफ, सीसीएल, अदाणी पावर, सेल और कई सामाजिक संस्थाओं ने अपनी भूमिका रखी। इन सत्रों में सांसद दीपक प्रकाश, पूर्व सांसद अजय मारू, डीवीसी के डीजीएम एचसी सिंह, सीएसआर विशेषज्ञ सिद्धार्थ एस. लाल और एसएम ग्रुप के चेयरमैन मनीष खेमा उपस्थित रहे।शाम को जनजातीय समुदायों का सतत विकास और सीएसआर की भूमिका विषय पर विशेष चर्चा हुई।इसमें पूर्व विधायक शिवशंकर उरांव, पूर्व आईपीएस राजकुमार लाकड़ा, सेवानिवृत्त आईएएस बिरसाई उरांव, पद्मश्री जमुना टुडु, शिक्षाविद डॉ. लक्ष्मण उरांव, पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर और नीति निर्धारक अजमीरा बॉबी ने अपने विचार रखे।दिन का समापन एमओयू साइनिंग, चर्चा और सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ।इसके जरिए कॉन्क्लेव ने स्पष्ट किया कि कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सतत विकास और जनजातीय कल्याण को सुनिश्चित करने का मजबूत माध्यम है।

पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन का खूंटी में भव्य स्वागत, झारखंड सरकार पर साधा निशाना

खूंटी(ईएमएस)।पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन का खूंटी में भाजपाइयों समेत स्थानीय लोगों ने भव्य स्वागत किया। पूर्व सीएम चंपई सोरेन किसी निजी कार्य से खूंटी के चलागी आए थे। इसी क्रम में आमजनों और भाजपा के कार्यकर्ताओं से रु ब रु हुए। इस दौरान उन्होंने खूंटी के पिपरा टोली, नामकोम स्थित एक होटल में रुके और पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से मुलाकात की। इस बैठक में कार्यकर्ताओं ने जिले में चल रही विकास कार्यों की धीमी गति और जनसाधारण से जुड़ी मुख्य समस्याओं से अवगत कराया। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री ने एक प्रेस वार्ता की जहां उन्होंने खूंटी के मुद्दों पर सरकार पर निशाना साधा।खूंटी की बहुचर्चित नॉलेज सिटी बाईपास और बनई नदी पुल निर्माण जैसे मुद्दों पर श्री सोरेन ने खूंटी के विकास में झारखंड सरकार की उदासीनता पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा, नॉलेज सिटी बाईपास जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं केवल कागजों तक सीमित रह गई है। नितिन गडकरी जी के द्वारा बाईपास का सारा कार्य कर दिया गया है पर झारखंड सरकार की उदासीन रवैए के कारण काम अधर में लटका हुआ है। साथ ही पेलोल स्थित बनई नदी पर काम अब तक शुरू नहीं हो पाया है, जिससे क्षेत्र के निवासियों को आनेजाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने वर्तमान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हेमंत सरकार जनता से किए गए वादों को भूल गई है।कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा भाजपा पर लगाए गए वोट चोर के आरोपों पर चंपई सोरेन ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, राहुल गांधी का बयान देश की जनता की भावनाओं को ठेस पहुंचाता है।

उच्च कोटि के शोध कार्य से बढ़ेगी विश्वविद्यालय की गरिमा : डॉ खलखो

पलामू(ईएमएस)।नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय हिंदी विभाग व जीएलए कॉलेज (हिंदी विभाग) ने पीजी सेमेस्टर-4 (सत्र 2022-24) के विद्यार्थियों के लिए लघु शोध प्रबंध लेखन पर कार्यशाला का आयोजन किया। प्राचार्य डॉ. आईजे खलखो ने अपने संबोधन में कहा कि शोध की गुणवत्ता से कॉलेज व विश्वविद्यालय की गुणवत्ता जुड़ी होती है। जितने अधिक उच्च कोटि के शोध कार्य होंगे, विश्वविद्यालय की गरिमा उतनी ही अधिक बढ़ेगी।हिंदी विभागाध्यक्ष (यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट) डॉ. मनोरमा सिंह ने लघु शोध तैयार करने पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।मात्राओं की शुद्धि पर विशेष ध्यान देने की बात कही। जीएलए कॉलेज के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. विभा शंकर ने लघु शोध लिखने की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की।

उन्होंने विषय चयन, उपलब्ध सामग्री, साहित्यिक चोरी व शोध निष्कर्ष पर चर्चा की। कॉलेज के परीक्षा नियंत्रक डॉ. खुर्शीद आलम ने छात्रों के स्वाध्याय पर बल देते हुए रिसर्च क्या है एवं इसके लिए सामग्री की उपलब्धता पर चर्चा की। उन्होंने छात्रों से दैनिक जीवन में हिंदी की उपयोगिता को प्राथमिकता देने की बात कही।

टाउन हॉल में जल जीवन मिशन के तहत मुखियाओं और जल सहियाओं संग संवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पलामू(ईएमएस)।हमारे समाज में किसी भी व्यक्ति या परिवार की पहचान उसके घर से होती है और कोई भी अपना घर को स्वच्छ रखना चाहता है,बस इसी सोच के साथ हम अपने गांव,पंचायत,जिले,राज्य और देश को अपना घर मानकर चलेंगे तो हम स्वच्छता की दिशा में अव्वल रहेंगे।इन दिनों मुख्य रूप से बीमारी का कारण दूषित पेयजल और भोजन का है अगर हम शुद्ध और स्वच्छ जल और भोजन ग्रहण करेंगे तो ना जाने कई बीमारियों से बचे रहेंगे।यह बातें पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रधान महासचिव मस्त राम मीणा ने कही।वे शुक्रवार को जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन कार्यक्रम के तहत मेदिनीनगर के टाउन हॉल में आयोजित जल सहियाओं एवं मुखियाओं संग संवाद कार्यक्रम में बोल रहे थे।उन्होंने कहा कि इतिहास काल में तालाबों,कूप या प्राकृतिक झरना से पानी पीया जाता था लेकिन अब यह पानी पीने योग्य नहीं है।उन्होंने कहा कि इन जलस्त्रोतों को दूषित करने में मानव का ही हाथ रहा है इसलिए इसे दुरुस्त भी हम सबों को ही करना है।उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत

पूर्ण योजनाओं को अगले 5 साल तक चलाने की जिम्मेदारी संबंधित संवेदक की होती है।ऐसे में आपके यहाँ जल जीवन मिशन के तहत योजनाओं में कुछ खराबी आती है तो संबंधित संवेदक के जरिए इसे ठीक कराया जा सकता है।उन्होंने कहा कि यह संवाद कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जागरूकता ही है।जेजेएम के अभियान निदेशक रमेश घोलप ने कहा कि वर्ष 2019 में 15 अगस्त के दिन जेजेएम की शुरुआत की गयी थी।इन छःवर्षों में बहुत कार्य हुए व कई कार्य होने है।राज्य के 62.5 लाख परिवारों के घरों में नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया था जिसके विरुद्ध 55 प्रतिशत कार्य कर लिया गया है।इसी तरह जिले में 3 लाख 65 हज़ार परिवारों के घरों में जेजेएम के तहत कार्य किया जाना है जिसमें अबतक 53 प्रतिशत लक्ष्य को हासिल कर लिया गया है।उन्होंने मुखियाओं व जल सहियाओं को योजनाओं के पूर्ण होने के पश्चात हैंडओवर की प्रक्रिया के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की।वहीं उपायुक्त ने सभी मुखियाओं व सहियाओं से कहा कि आपके गांव-घर में यह योजनाएं संचालित की जाती हैं,यह सही से क्रियान्वित हो रहा है या नहीं,आपसे बेहतर कोई नहीं बता सकता है।आज इस कार्यक्रम में विभाग के नेतृत्वकर्ता आपके समक्ष हैं,पेयजल से जुड़े किसी भी बिंदुओं को इनसे साझा किया जा सकता है। कार्यक्रम में कई पंचायत के मुखिया और जलसहिया ने अपने अनुभव साझा किये।इसके पूर्व सभी पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की।कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन ने किया।मौके पर उपरोक्त के अलावे स्वच्छ भारत मिशन के निदेशक मनोहर मरांडी,मुख्य अभियंता अनिल प्रसाद,प्रभात कुमार,पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता,जिला पंचायती राज पदाधिकारी विनय श्रीवास्तव,सभी बीडीओ,पंचायत सचिव समेत बड़ी संख्या में जल सहिया एवं मुखियागण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त ख़बरें

हम बेहतर सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं, आप शिक्षा की स्थिति में सुधार करें : उपायुक्त

दुमकाः कन्वेंशन सेंटर में आयोजित उच्च विद्यालय शिक्षकों की बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त दुमका अभिजीत सिन्हा ने कहा कि जिला प्रशासन शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाने हेतु हर संभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने सभी प्रधानाचार्यों और शिक्षकों से आग्रह किया कि विद्यालय व्यवस्था की गुणवत्ता और अनुशासन बनाए रखना उनकी प्रथम जिम्मेदारी है।बैठक की शुरुआत जिला शिक्षा पदाधिकारी भूतनाथ रजवार एवं जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष कुमार हेंब्रम द्वारा आगत पदाधिकारियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत से हुई।उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान ने विद्यालयवार शिक्षकों की समस्याओं को सुना तथा प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निदान का सुझाव दिया।इस अवसर पर शिक्षकों ने मॉडल प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने एवं शिक्षक प्रतिनियोजन जैसी मांगें रखीं, जिस पर उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई हेतु दिशा-निर्देश दिए।शिक्षा को आधुनिक बनाने की पहल के अंतर्गत उपायुक्त ने शिक्षकों को जय गुरुजी ऐप एवं स्मार्ट क्लास के माध्यम से अध्यापन कार्य को और प्रभावी बनाने का सुझाव दिया।बैठक में पीरामल फाउंडेशन की ओर से उपस्थित प्रतिनिधियों द्वारा शिक्षकों के बीच हर्ष जोहार पुस्तकों का वितरण भी किया गया।मौके पर उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान, जिला शिक्षा पदाधिकारी भूतनाथ रजवार, जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष कुमार हेंब्रम, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी श्यामसुंदर मोदक, सहायक अभियंता डॉली कुमारी, जोएल क्रिस्टोफर टुडू, दिलीप कुमार, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी तथा पीरामल फाउंडेशन के बिमल कुमार और अभिक गांगुली समेत कई अधिकारी और प्रतिनिधि उपस्थित थे।

दुमका जिला के सभी 70 खुदरा उत्पाद दुकानों की बन्दोबस्ती सम्पन्न

दुमकाःसमाहरणालय सभागार में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में दुमका जिला के कुल-70 खुदरा उत्पाद दुकानों की बन्दोबस्ती कुल 23 समूहों में ई-लॉटरी के माध्यम से ऑनलाईन विधि द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष-2025-26 की शेष अवधि के लिए सम्पन्न कराई गई।इसके लिए कुल 135 आवेदन प्राप्त हुए थे।इस दौरान मौके पर अपर समाहर्ता, उत्पाद अधीक्षक, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी व कर्मी उपस्थिति थे।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस ने मानव जीवन के मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार दोनों को प्रभावित किया : डॉ विनोद कुमार

दुमकाःसंताल परगना कॉलेज में मनोविज्ञान विभाग द्वारा संचालित मेंटल हेल्थ मिशन इंडिया एवं मानसिक स्वास्थ्य परामर्श केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में केंद्र निदेशक सह विभागाध्यक्ष डॉ विनोद कुमार शर्मा की अध्यक्षता में इंपैक्ट ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस ऑन मेंटल हेल्थ एंड ह्यूमन बिहेवियर विषय पर एक विभागीय सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार को संबोधित करते हुए केंद्र के निदेशक सह विभागाध्यक्ष डॉ विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस ने मानव जीवन के मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार दोनों को प्रभावित किया। ए आई विज्ञान की समृद्धि का पैमाना है । यह व्यक्ति को सुविधा के बहाने निर्भरता को बढ़ा रहा है। ऐसे में सांवेगिक अभिव्यक्ति की वंचना जहां व्यक्ति को मतलबी और संकीर्ण सोच का आदि बनाता है तो वहीं अत्यधिक निर्भरता व्यक्ति में भ्रम, विभ्रम, व्यामोह (झूठा विश्वास) , उन्माद आदि मनोविकारी लक्षणों को भी घर करता है। आज के तकनीकी आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस का इस्तेमाल धड़ल्ले से किया जा रहा है जो विकास के साथ चुनौतियों की पहाड़ भी खड़ा कर रहा है। ए आई ने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में जहां सहायता पहुंचा रहा है वहीं आत्म - सम्मान के कमी को भी दर्शा रहा है। इसने अकेलापन और सामाजिक अलगाव का माहौल भी निर्मित कर दिया है। इस बात को सोचते हुए इसके अत्यधिक उपयोग से बचने की जरूरत है। मानसिक रूप से स्वस्थ्य बने रहने के लिए संवेगिक अभिव्यक्ति और विचारों का आदान प्रदान होना जरूरी है। विद्यार्थियों को इन सभी पहलुओं पर ध्यान रखते हुए किसी गलत आदत, नशा व साइबर अपराध से बचने की कोशिश करते रहना चाहिए जिससे जीवन लक्ष्य से भटकाव न हो। मौके पर डॉ त्रिजा जेनिफर टोप्पो ने आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस के बारे में कहा इससे समय की बचत होती है। पर इसके दूरगामी प्रभावों से सतर्क होकर चलने की जरूरत है। कोशिश हो इसके फायदा ले और गलत आदतों से बचे। अंत में डॉ किलिश मरांडी ने अपने विचारों को रखते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

संथाल परगना में इमर्शन साइट विकास हेतु दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला दुमका में शुरू

दुमकाःझारखंड राज्य आजीविका प्रोत्साहन सोसायटी द्वारा संथाल परगना क्षेत्र में इमर्शन साइट विकास के लिए दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का शुभारंभ दुमका में हुआ। इस कार्यशाला का उद्देश्य मॉडल सीएलएफ विकसित करना और महिला स्वयं सहायता समूहों के सशक्तिकरण को नई दिशा देना है। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला परियोजना प्रबंधक (डीपीएम) दुमका निशांत एक्का और डीपीएम गोड्डा सोमेश चंद्र ने किया। इस अवसर पर देवघर, जामताड़ा, साहिबगंज, पाकुड़ और गोड्डा के प्रतिभागियों के साथ-साथ दुमका जिले के सीएलएफ बीओडी सदस्य, डीएम-एसएमआईबी, बीपीएम और सीएलएफ मैनेजर भी उपस्थित रहे।कार्यशाला में प्रतिभागियों को मॉडल सीएलएफ निर्माण की रणनीति, इमर्शन साइट की अवधारणा, योजना एवं क्रियान्वयन प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही प्रबंधन क्षमता बढ़ाने, वित्तीय अनुशासन और महिला समूहों के सतत सशक्तिकरण पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण का संचालन क्षेत्रीय परियोजना प्रबंधक (आरपीएम) रूमां चटर्जी और महेंद्र कुमार (प्रदान संस्था) द्वारा किया जा रहा है।उद्घाटन अवसर पर डीपीएम दुमका निशांत एक्का ने कहा कि इमर्शन साइट विकास संथाल परगना क्षेत्र में महिला समूहों को मजबूत करने और सतत आजीविका के अवसर बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। वहीं डीपीएम गोड्डा सोमेश चंद्र ने कहा कि इस पहल से न केवल महिला समूहों की क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि क्षेत्रीय आजीविका मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिलेगी।

छात्र समन्वय समिति एवं झारखंड क्रांति सेना के संयुक्त तत्वाधान में विशेष बैठक का आयोजन

दुमकाःसूर्या हांसदा हत्याकांड मामले को लेकर शुक्रवार को छात्र समन्वय समिति एवं झारखंड क्रांति सेना के संयुक्त तत्वाधान में विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से एक स्वर में सूर्या हांसदा को न्याय दिलाने का संकल्प लिया गया और सरकार पर दबाव बनाकर सीबीआई जांच कराने की अनुशंसा पर चर्चा की गई।बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 24 अगस्त को मुख्य तौर पर पूरे संथाल परगना सहित राज्य भर में पुतला दहन कार्यक्रम रखा गया। बैठक में छात्र समन्वय समिति के छात्र नेता डॉ. श्यामदेव हेंब्रम ने कहा कि सूर्या जैसे जननायक की हत्या करना समस्त झारखंडवासियों और खासकर संथाल आदिवासी समाज के लिए गहरा आघात है। हमें एकजूटता के साथ इस लड़ाई को जोर-शोर से लड़ने की जरूरत है। सूर्या हांसदा को न्याय समस्त झारखंड वासियों को न्याय होगा।बैठक में झारखंड क्रांति सेना के केंद्रीय अध्यक्ष अमर मरांडी ने कहा कि सूर्या हांसदा हत्याकांड मामले की सीबीआई जांच हेतु अब हम झारखंडवासियों को आर या पार की लड़ाई लड़नी होगी, अन्यथा आने वाले समय में राजनीतिक और कॉर्पोरेट पोषित माफिया द्वारा हम आदिवासियों का ऐसा ही हस्र किया जाएगा। समन्वय समिति के छात्र नेता राजीव बास्की ने कहा कि इस लड़ाई में सभी झारखंडियों को एकजुटता के साथ लड़ाई लड़नी होगी अन्यथा झारखंड में लूट खसोट करने वालों का मनोबल बढ़ जाएगा।इन्हें यहां से भगाना होगा, अन्यथा आने वाले दिनों में इसी घटना के पुनरावृति हो सकती है। क्रांति सेना के केंद्रिय महासचिव निखिल मुर्मू ने कहा कि सूर्या के न्याय के आंदोलन को गांव-गांव घर-घर तक पहुंचाना होगा, वृहद आंदोलन कर इस हत्याकांड मामले को सीबीआई जांच की अनुशंसा मुख्यमंत्री से करानी होगी तभी सूर्या को निष्पक्ष और सही न्याय मिल सकेगा।इस मौके पर रोहित, रितेश, लव कुश, रविराज, अमित, मनोज, शिव, राजेश, लुईस, मुन्ना, संजय आदि दर्जनों छात्र और संगठन के सदस्य उपस्थित थे।

18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले किशोर किशोरियों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

हरिद्वार (ईएमएस)। देखभाल एवं सरंक्षण वाले बच्चों के लिए केयरलीवर इनर सर्किल एवं हल्दीराम स्किल अकादमी द्वारा एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन विकास भवन ऑडिटोरियम हॉल में किया गया। इस अवसर पर निदेशक महिला कल्याण विभाग बीएल राणा ने बच्चों की पीढ़ा व भविष्य की आवश्यकताओं को समझने के लिए केयरलीवर तथा हल्द्वीराम कम्पनी का आभार व्यक्ति किया। उन्होंने कहा कि सेल्टर हॉम आदि से 18 साल के जो बच्चे जा रहे हैं, वह आने वाले 3 माह के समय में बहुत कुछ सीखेंगे। उन्होंने सभी का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि स्वयं को खड़ा करने के लिए स्किल डेवलप करना होगा, जिस फील्ड में जाना है, उसमें महारत हासिल करनी होगी, यह एक शुरूआत है अन्त नहीं। उन्होंने सभी बच्चों से पूरी मेहनत, व ईमान्दारी से तरक्की के नए आयाम को छूते हुए अन्य बच्चों के लिए मोटिवेशन का एग्जाम्पल सेट करने के लिए प्रेरित किया। अपर जिलाधिकारी फिंचाराम चैहान ने बच्चों का मार्गदर्शन तथा उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि हम अपने बच्चों के लिए आये हैं, ये आपकी मंजिल नहीं है, यहां कोई अनाथ नहीं बल्कि जगन्नाथ है। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के कई विकल्प हैं, जिस विकल्प एवं रास्ते को चुनों उसमें दक्षता हासिल करों। उन्होंने कहा कि लक्ष्य की प्राप्ति के लिए बुद्धि एकाग्रचित होनी चाहिए, दिमाग इधर-उधर भटकना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि माइंड को समय समय पर रिफरेस करते रहें अर्थात कभी भी तनाव में न रहें। उन्होंने कहा कि दिमाग को सकारात्मक दिशा में तथा कोई भी काम छोटा बड़ा नहीं हो होता, लेकिन पूरी ईमानदारी से होना चाहिए। केयरलीवर के मेंटर अजय जुगरान ने कहा कि आश्रम छोड़कर नई शुरुआत कर रहे हैं, अपनी नई यात्र प्रारंभ कर रहे हैं, आप तैयारी करते रहें, अवसर अवश्य मिलेगा, आपके हाथ में परिश्रम है। उन्होंने कहा कि अवसर पर पुरुषार्थ करना है तथा परिश्रम और अवसर रथ के दो पहिए हैं। परिश्रम और भाग्य मिलकर ही सौभाग्य का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि कृतज्ञता हृदय से होनी चाहिए, कृतज्ञता से आशीर्वाद का स्थान बनेगा, सफलता की नई नई सीढ़ियां मिलेंगी। उन्होंने कहा कि कर्म करते रहिए, कर्मों का फल अवश्य मिलता है। गौरतलब है कि महिला कल्याण विभागान्तर्गत 18 वर्ष की आयु तक के अनाथ, निराश्रित व परित्यक्त विधि विवादित बच्चों हेतु बाल देखरेख संस्थाएं संचालित है। संस्था में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने के वाले किशोर-किशोरियों को संस्था से मुक्त करने के साथ उनके पुर्नवास हेतु कार्यवाही की जाती है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन समाज की मुख्य धारा से जुड़ सके। इस क्रम में बंशी लाल राणा, निदेशक महिला कल्याण द्वारा बताया गया कि विभाग द्वारा बाल देखरेख संस्था से मुक्त 18 किशोर-किशोरियों को हल्दीराम स्किल अकादमी, नोएडा से तीन महीने का भ्सकपतंउ डनसजपबनपेपदम ब्वनतेम द्धत्मेपकमदजपंस च्तवहतंउ मेचमबपंससल वित ब्ूतम स्मंअमतेऋ आयोजित किया जा रहा है। जिसमें 12 ऐसे किशोर है, जो विधि विवादित श्रेणी के संस्थाओं से मुक्त हुये है एवं 06 ऐसी बालिकाएं है, जो अनाथ, निराश्रित एवं परित्यक्त की श्रेणी से है। देहरादून से 02, ऊधमसिंह नगर से 03 एवं हरिद्वार से 13 किशोर-किशोरियां भ्ंसकपतंउ डनसजपबनपेपदम ब्वनतेम के उपरान्त हल्दीराम स्किल अकादमी, नोएडा द्वारा दिल्ली, नोएडा एवं अन्य आउलेट सेन्टर में पुर्नवासित किये जायेगें। निदेशक महिला कल्याण द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से विभाग का विशेष ध्यान विधि विवादित श्रेणी के किशोर-किशोरियों को पुर्नवासित करना है, ताकि इनको सकरात्मक परिवेश प्रदान कर नयी दिशा प्रदान कर समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। हल्दीराम स्किल अकादमी नोएडा से तीन महीने के कोर्स के दौरान किशोर-किशोरियों के आवासीय सुविधा, भोजन, साफ-सफाई सामग्री, ट्रांसपोटेशन, ड्रेस एवं किट, जिसमें मोबाइल भी सम्मिलित है, सुविधाएं प्रदान की जायेगी। 03 माह के प्रशिक्षण के उपरान्त किशोर-किशोरियों को विभिन्न हल्दीराम के आउटलेट में नौकरी दी जायेगी। नौकरी के प्रथम माह में किशोर-किशोरियों को आर्थिक सहयोग प्रदान किया जायेगा। हल्दीराम में किशोर-किशोरियों को प्रारम्भिक सेलरी 18902 रूपये प्रदान किये जायेगा। 18 किशोर-किशोरियों को हल्दीराम स्किल अकादमी, नोएडा में प्रशिक्षण का सहयोग किया जा रहा है। दिनांक 25 अगस्त, 2025 को उक्त प्रशिक्षण हेतु चयनित किशोर-किशोरियां नोएडा के लिये प्रस्थान करेगें। कार्यशाला में अपर जिलाधिकारी प्रशासन पीआर चैहान, निदेशक महिला कल्याण बी एल राणा, सीपीओ अंजना गुप्ता, डिप्टी सीपीओ राजीव नयन, डीपीओ देहरादून मीना बिष्ट, डीपीओ हरिद्वार अविनाश, डीपीओ उधमसिंह नगर व्योम जैन, सीएलआईसी गिरीश, अनीषा, अजय जुगरान सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बीडीओ ने किया अनाज गोदाम का औचक निरीक्षण

दुमकाःरामगढ़ प्रखंड विकास पदाधिकारी कमलेंद्र कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को रामगढ़ स्थित अनाज गोदाम का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के क्रम में पाया कि उक्त गोदाम की क्षमता कुल 1000 मेट्रिक टन है। गोदाम में कुल 07 सीसीटीवी कैमरा, 04 हेलोजन एवं 2 स्ट्रीट लाइट लगाई गई है। गोदाम में साफ सफाई भी पाई गई।निरीक्षण के क्रम में कुल 17 विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन के चावल का उठाव किया जा रहा था, साथ ही ग्राम पंचायत छोटीरणबहियार के दो एवं बड़ीरणबहियार के एक जनवितरण प्रणाली दुकानदार को मानक अनुरूप वजन कर अनाज वाहन में लोड कराया जा रहा था। इसी क्रम में उक्त गोदाम का शौचालय अक्रियाशील पाया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा अविलंब शौचालय की मरम्मती कराने का निर्देश दिया गया। उक्त गोदाम में नियमानुसार विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए सभी उपस्कर मौजूद पाए गए। निरीक्षण क्रम में इनवार्ड पंजी, स्टॉक पंजी एवं सेल पंजी की जांच की गई जो कि अद्यतन पाए गए।प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा संबंधित एजीएम को निर्देश दिया गया।

राज्यपाल ने एकलव्य विद्यालय बैहर के बच्चों से की चर्चा

विद्यालय में मिल रही सुविधाओं का लिया जायजा

बालाघाट (ईएमएस). मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल 21 अगस्त को एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय परिसर बैहर में आयोजित महाआरोग्य शिविर के शुभारंभ कार्यक्रम में पहुंचे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ करने से पहले वे एकलव्य विद्यालय के बच्चों से मिलने उनकी कक्षा में पहुंचे और उनसे चर्चा की। चर्चा के दौरान उन्होंने बच्चों से विद्यालय में मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने बच्चों से कहा कि खूब मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने माता-पिता के सपनों को साकार करें। सरकार बच्चों की पढ़ाई और अच्छी शिक्षा के लिए हर तरह से मदद कर रही है और सुविधायें उपलब्ध करा रही है।एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बैहर में 450 छात्र-छात्राएं अध्यनरत हैं। इस विद्यालय में सीबीएसई पाठ्यक्रम संचालित है। विद्यालय में कक्षा छठवीं से अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा दी जा रही है। वर्तमान में इस विद्यालय में हिंदी माध्यम की कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है । इस विद्यालय में नेफ्ट के माध्यम से चयनित बिहार, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, राजस्थान एवं अन्य राज्यों के चयनित शिक्षकों द्वारा अध्यापन कार्य कराया जा रहा है।

बच्चों ने राज्यपाल को भेंट की पेंटिंग

एकलव्य विद्यालय की कक्षा 9 वीं की छात्रा सुष्मिगता मरकाम एवं दीपांशु वल्के ने राज्यपाल मंगूभाई पटेल को अपने हाथों से बनाई आकर्षक पेंटिंग भेंट की। राज्यपाल पटेल ने बच्चों की कलाकारी एवं हुनर की सराहना की और कहा कि वे पढ़ाई के साथ अपनी इस प्रतिभा व कला में और निखार लाने का प्रयास करें। सुष्मिता मरकाम एवं दीपांशु वल्के ने राज्यपाल पटेल को भेंट करने के लिए कान्हा नेशनल पार्क की वन देवी की पेंटिंग बनाई थी। एकलव्य विद्यालय बैहर के दोनों छात्र एवं छात्रा विद्यालय के छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं।

निःशुल्क चिकित्सा उपचार शिविर 568 मरीजों की हुई जांच

कुष्ठ व टीबी रोग के मरीजों की हुई पहचान

बालाघाट (ईएमएस). नगर के वार्ड क्रमांक 1 बूढी ढीमर टोला के आयुष्मान आरोग्य मंदिर में शुक्रवार को निशुल्क चिकित्सा उपचार शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार स्मृति न्यास के द्वारा आयोजित किया गया था। शिविर में 568 मरीजों की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच की गई। यह शिविर सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 3 बजे तक चलते रहा।शिविर में138 नेत्र रोगियों की जांच की गई, जिसमें ऑपरेशन के लिए 38 का चयन किया गया है। 10 नेत्र रोगियों को ऑपरेशन के लिए जबलपुर भेजा गया है। 17 मरीजों का एक्सरे लिया गया। 74 मरीजों के रक्त की जांच की गई, जिसमें 4 मरीज सिकलसेल पॉजिटिव पाए गए। वहीं जांच के दौरान 1 कुष्ठ और दो टीबी के मरीजों की भी पहचान हुई है। आयोजकों ने बताया कि गंभीर रोगों के मरीजों को चिन्हित करने के लिए यह शिविर आयोजित किया गया है। चिन्हित मरीजों को आगे भी शासन की योजना के तहत स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ दिलाया जाएगा। इस शिविर में प्राइवेट और शासकीय विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दी है।शिविर में सांसद भारती पारधी, डॉ सुरेंद्र, माधव विध्वांस, रामकिशोर कावरे, नपा अध्यक्ष भारती ठाकुर, लता एलकर, रेखा बिसेन, जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ परेश उप्लप, न्यास के अध्यक्ष रविन्द्र श्रीवास्तव, रमेश रंगलानी, विक्रांत साकरे, अभय कोचर, सुधीर माहुले, दीपक अग्निहोत्री, अरविंद अग्निहोत्री, रितेश अग्रवाल, राजेन्द्र चौकसे, केजी बिसेन, पीएन जैरानी, रमेश बलभद्र, योगेश पात्रिकर, संजीव वैश्य, अशोक बिसेन, चंद्रकांत पिपलेवार, सुनील खोटोले, राजेन्द्र ब्रह्मे, सुनील नगपुरे, संदीप लिल्हारे, संजू डहाके, नितिन थोटे, सचिन साठे, शंकर बेस, मनोज सोनी, मयूर असाटी, अर्पित श्रीवास्तव, रोहित गौतम, कुणाल सहारे, प्रयास राहंगडाले उपस्थित रहे।चिकित्सा शिविर में प्रमुख रूप से डॉ बीएम शरणागत, डॉ रोहित गुप्ता, डॉ अर्चना शुक्ला, डॉ वेदप्रकाश लिल्हारे, डॉ प्रवीण ज्योतिषी, डॉ राजा बाफना, डॉ श्वेता अविनाश सहारे, डॉ नीलिमा लिल्हारे, डॉ रमेश सेवलानी, डॉ श्रेयांश सेठिया, डॉ निशांत नंदा गौली सहित बड़ी संख्या में शासकीय चिकित्सक व मेडिकल स्टॉफ ने अपनी सेवाएं दी।

मारवाड़ी समाज की महिलाओं ने पूरे उत्साह व धूमधाम से मनाया श्री राणी सती दादी महोत्सव

दुमकाःभादो अमावस्या पर रामगढ़ प्रखंड में मारवाड़ी समाज की महिलाओं ने पूरे उत्साह व धूमधाम से श्री राणी सती दादी जी का महोत्सव मनाया। इस अवसर पर ज्योति देवी के आवास पर शुक्रवार के दोपहर बाद अखंड ज्योत एवं मंगलपाठ किया गया। बता दें कि श्री राणी सती दादी जिनका असली नाम नारायणी देवी था, राजस्थान की एक विरांगणा थी, जो महाभारत काल की उत्तरा का ही अवतार मानी जाती है। वे अपने पति तनधन दास की मृत्यु के बाद सती हो गई थी, उनके अटूट सतीत्व और भक्ति के प्रतीक के रूप में मारवाड़ी समाज के द्वारा उनकी पूजा की जाती है।राजस्थान के झुंझनू में उनके नाम का भव्य मंदिर है। जहां भादो अमावस्या एवं मंगसीर नवमी पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटती है। श्रद्धालुओं ने बताया कि वैसे तो झुंझुनूं मंदिर में सालों भर श्रद्धालुओं का आना जाना लगा रहता है परंतु उक्त दो अवसरों पर मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता है।

डीएम ने किया जिला उप मेला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं को परखा

ओपीडी पंजीकरण में लम्बी कतारों को देख, एक ओर कांउटर खोलने के दिये निर्देश

व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए 10 होमगार्ड एवं पीआरडी जवानों की तैनाती के दिये निर्देश

हरिद्वार (ईएमएस)। जिला अस्पताल हरिद्वार के जर्जर हालत मद्देनजर उसके धवस्तीकरण व पुनः निर्माण को देखते हुए जिला अस्पताल की इमरजेंसी समेत अन्य ओपीडी सेवाएं जिला उप मेला चिकित्सालय में स्थान्तातरित की जा चुकी है। जिला उप मेला चिकित्सालय पर अब दोनों अस्पतालों का भार पड़ने पर वहां की व्यवस्थाए और मरीजों को मिल रही सेवाएं को परखने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने आज जिला उप मेला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। इस दौरान सीएमओ डॉ. आरके सिंह व जिला उप मेला चिकित्सालय के पीएमएस डॉ. राजेश गुप्ता मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने ओपीडी पंजीकरण कराने के लिए लगी लम्बी कतारों को देखकर ओपीडी पर्चे कांउटर पर पहुंचकर पर्चा बना रहे कर्मी से पंजीकरण करने में होने वाली दिक्कत की जानकारी लेने तथा कतारों में लगे मरीजों को ओपीडी पंजीकरण जल्द बनाने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने ओपीडी पंजीकरण में काफी समय तक लाइन में लग रहने के कारण होने वाली परेशानी को देखते हुए एक अतिरिक्त काउंटर खोलने के निर्देश दिये। जिसके पश्चात जिलाधिकारी ने चिकित्सकों के ओपीडी कक्ष, इंजेक्शन रूम, फिजियोथैरेपी रूम, इंमरजेंसी कक्ष समेत वहां चल रही अन्य सुविधाओं और सफाई व्यवस्था को भी परखा। जिलाधिकारी ने इस दौरान उपचार के लिए अस्पताल पहुंचे मरीजों से भी उनकी मिलने वाली सुविधाओं के सम्बंध में जानकारी जुटाई। जिलाधिकारी ने सीएमओ व पीएमएस को मरीजों के उपचार से सम्बंधित व व्यवस्थाओं के सम्बंध में जरूरी दिशा निर्देश देते हुए कहा कि उपचार के लिए अस्पताल में पहुंचने वाले मरीजों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी ना हो। जिलाधिकारी ने चिकित्सालय में आने वाले मरीजों एवं उनके तामीरदारों के लिए किसी प्रकार की असुविधा एवं व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए 10 होमगार्ड एवं पीआरडी जवानों को तैनात करने के निर्देश दिए गए। साथ ही चिकित्सालय में आने वाले मरीजों एवं तिमारदारों को बैठने में कोई असुविधा न हो इसके लिए उन्होंने चिकित्सालय में अतिरिक्त बेंच,कुर्सी एवं फर्नीचर लगाने और नए कंप्यूटर, प्रिंटर क्रय करने के भी निर्देश दिए। डीएम ने सभी कक्षों एवं वार्डो का निरीक्षण किया तथा इस दौरान चिकित्सालय में आए मरीजों से भी बातचीत कर उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओ की भी जानकारी ली। डीएम ने इस दौरान उन्होंने चिकित्सालय में डेंगू के रोकथाम के लिए आने वाले मरीजों की व्यवस्था हेतु डेंगू वार्ड तैयार करने के निर्देश दिए। चिकित्सालय में भर्ती व आने वाले मरीजों एवं उनके तामीरदारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो इसके लिए उन्होंने दो वाटर कूलर लगाने के भी निर्देश दिए। चिकित्सालय में बेहतर साफ सफाई व्यवस्था के लिए पर्याप्त सफाई कर्मचारी तैनात करने को भी कहा गया है। इस दौरान चिकित्सालय में ईएनटी डॉक्टर एवं एक्सरे टेक्नीशियन की कमी पर उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को इनकी व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सालय में सभी आवश्यक दवाइयां वेंटिलेटर एवं एमआरआई की वो सभी व्यवस्थाओं को दूरस्त रखने व विद्युत ऑडिट एवं फायर ऑडिट करने के साथ ही जिला उप मेला चिकित्सालय की रंगाई पुताई करने के भी निर्देश दिए। चिकित्सालय में पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे लगाने के भी निर्देश दिए।

बीडीओ ने किया मध्य विद्यालय आसनबनी का निरीक्षण

दुमकाःरानीश्वर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी राजेश कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को मध्य विद्यालय आसनबनी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय विकास मद, इको क्लब मद सहित अन्य मदों में विद्यालय को प्राप्त राशि से किए गए व्यय से संबंधित रोकड़ पंजी, स्टॉक पंजी, वाउचर आदि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितता का मामला उजागर हुआ है। जांच में पाया गया कि विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मधुवाला के द्वारा बड़े पैमाने पर फर्जी वाउचर के माध्यम से राशि की निकासी की गई है। माँ तारा जेनरल स्टोर आसनबनी के नाम से कुल 31,840 (इकतीस हजार आठ सौ चालीस) रूपया का अभिश्रव तैयार कर 9,975 (नौ हजार नौ सौ पचहतर) रूपया राशि की निकासी प्रधानाध्यापिका द्वारा अपने निजी बैंक खाते में कर ली गयी और शेष राशि की निकासी नकद रूप में कर ली गयी। इसी प्रकार मेसर्स कम्प्यूटर एजुकेशन के नाम से कुल 35, 170 (पैतीस हजार एक सौ सतर) रूपया अभिश्रव तैयार कर मेसर्स कम्प्यूटर एजुकेशन के बैंक खाते में 17, 150(सतरह हजार एक सौ पचास) रूपया का भुगतान किया गया तथा शेष राशि प्रधानाध्यापिका मधुवाला के द्वारा अपने निजी बैंक खाते में भुगतान करा लिया गया।माँ तारा जेनरल स्टोर के विषय में प्रधानाध्यापिका श्रीमति मधुवाला से पूछताछ करने पर उनके द्वारा बताया कि उक्त दुकान आसनबनी बाजार में स्थित है और दुकान के मालिक का नाम प्रवीण मांझी है। जब बीडीओ राजेश कुमार सिन्हा ने उक्त दुकान का निरीक्षण किया तो उस दौरान दुकान में उपस्थित दुकान मालिक प्रवीण मांझी द्वारा बताया गया कि माँ तारा जेनरल स्टोर के नाम से निर्गत अभिश्रव उनका नहीं है और न ही उनके द्वारा किसी प्रकार की सामग्री विद्यालय को उपलब्ध करायी गयी है। दुकान मालिक द्वारा यह भी कहा गया कि कुछ देर पहले मध्य विद्यालय आसनबनी से फोन आया था और कहा गया कि जब बीडीओ साहब दुकान में जाकर पूछेगें तो कह दिजीयेगा कि आपके दुकान का अभिश्रव है।निरीक्षण के क्रम में यह भी पाया गया ।

मेकॉन लिमिटेड

(इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम)

मुख्यालयः डोरंडा, रांची- 834002

फोनः 0651-2483000

सीआईएन नं.: U74140JH1973GOI001199

रोजगार अधिसूचना

मेकॉन, इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र का एक प्रमुख मिनीरत्न, शिड्यूल ''ए'' उपक्रम, जो अभियांत्रात्रिकी, परामर्शी, संविदात्मक और परियोजना प्रबंधन सेवाएं प्रदान करता है, नियमित वेतनमान में विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए केवल ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से प्रतिबद्ध, परिणामोन्मुख, उपयुक्त योग्य और अनुभवी व्यक्तियों में आवेदन आमंत्रित करता है (विज्ञापन सं.: 11.73.4.3/2025/Reg/05 दिनांक 05-08-2025)।

क्र. सं.	पद का नाम	ग्रेड	पदों की संख्या	वेतनमान
01	उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन)	ई-6	01	Rs. 1,20,000- 3%- 2,80,000/-
02	महाप्रबंधक (मानव संसाधन)	ई-7	01	Rs. 1,20,000- 3%- 2,80,000/-

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.meconlimited.co.in के लिंक - "careers" पर जाएँ।
नोटः इसके अलावा इस विज्ञापन से संबंधित कोई भी शुद्धिपत्र/संशोधन हमारी वेबसाइट www.meconlimited.co.in के "careers" खंड में अपलोड किया जाएगा।
मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन), मेकॉन लिमिटेड, विवेकानंद पथ, डोरंडा, रांची - 834002, झारखंड।

CBC 40110/12/0011/2526

जिलास्तरीय परामर्श दात्री समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक हुई आयोजित

नए किसानों को नए क्रेडिट कार्ड उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करे साथ ही इसमें ऋण प्रवाह की तीव्रता बढ़ाएं : डीएम

वार्षिक साख योजना के तहत जिन बैंकों की उपलब्धि कम है वे अगले तिमाही तक अपने लक्ष्य को हर हाल में प्राप्त करना सुनिश्चित करें

बैंक केसीसी के आवेदनों को अनावश्यक कारणों से खारिज न करने का दिया निर्देश

मधुबनी, (ईएमएस)। मधुबनी के जिलाधिकारी आनंद शर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला स्तरीय परामर्श दात्री समिति (डीएलसीसी) एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) की बैठक शुक्रवार को आयोजित की गयी। जिलाधिकारी द्वारा जिले में बैंकिंग से संबंधित विभिन्न गतिविधियों, योजनाओं की समीक्षा की गयी। जिनमें केसीसी, जीविका,पीएमएसबीएनिधि,जेएल जी,हाउसिंग, आधार से सीडिंग, एसआरटीओ, आरसीईटीआई के साथ-साथ शिक्षा ऋण, पीएमईजीपी, मुद्रा लोन और पीएमजेडीवाई में प्रगति की समीक्षा की गई। उपस्थित अधिकारियों एवं बैंकरों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि साख जमा अनुपात में वृद्धि के लिए सभी संबंधित बैंक को लगातार विशेष प्रयास करना होगा,ताकि जिला के विकास में इससे मदद मिल सके। बैंकों की लाभप्रदता में भी इससे वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि वार्षिक साख योजना के तहत जिन बैंकों की उपलब्धि कम है वे अगले तिमाही तक अपने लक्ष्य को हर हाल में प्राप्त करना सुनिश्चित करे।उन्होंने कहा कि पीएमईजीपी और पीएमजेडीवाई में वे और भी प्रगति की अपेक्षा रखते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की अद्यतन स्थिति की लगातार समीक्षा की जाएगी। उन्होंने उपस्थित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों से कहा कि सभी बैंकों को ऋण मुहैया कराने के लक्ष्य को अभियान चलाकर पूरा करना होगा। उन्होंने कहा कि असंतोषजनक प्रगति करने वाले बैंक के प्रति कड़े कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने जिला मत्स्य पदाधिकारी को मत्स्य पालन के लिए तालाब निर्माण, तालाब पुनर्निर्माण आदि के लिए ज्यादा से ज्यादा आवेदन सृजित कर बैंकों को भेजने का निर्देश दिया।केसीसी की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने कहा कि कई बार देखा गया है कि केसीसी के आवेदनों को बैंक छोटी वजहों से खारिज कर देते हैं। कोई बड़ी वजह ना होने पर आवेदनों को संज्ञान में लेते हुए उसका निष्पादन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि नए किसानों को नए क्रेडिट कार्ड उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करे साथ ही ऋण प्रवाह की तीव्रता बढ़ाई जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि लाभुकों को सब्सिडी का भुगतान ससमय करें और भुगतान की प्रक्रिया में तेजी लाएं। उन्होंने डेयरी उद्योग और मत्स्य पालन के साथ साथ मखाना उत्पादन में जिले में अपार संभावनाओं की चर्चा करते हुए सभी बैंकों से ऋण उपलब्ध कराने में उदारता पूर्ण रवैया अपनाने की अपेक्षा की। जिलाधिकारी ने मधुबनी जिले के साख जमा अनुपात, वार्षिक साख योजना उपलब्धि, सरकार आयोजित ऋण योजना में प्रदर्शन में सुधार के लिए सभी बैंकों के नियंत्रकों को मासिक समीक्षा करने का निर्देश दिया। पीएम सम्मान निधि योजना के के तहत नगर निगम मधुबनी, नगर पंचायत जयनगर, नगर पंचायत घोघरडीहा तथा नगर पंचायत झंझारपुर को अधिक से अधिक आवेदन संचित करने का भी निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिया गया।बैठक में अपर समाहर्ता मुकेश रंजन, एसडीसी बैंकिंग निशांत नसीम,अग्रणी जिला प्रबंधक , डीडीएम नाबार्ड , आरबीआई एलडीओ आरसेटी डायरेक्टर, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र, समेत जिले के सभी प्रमुख बैंकों के प्रतिनिधि शामिल थे।

मंदिर की घंटी बजाकर वोट लेते हैं और संसद की घंटी बजाकर लोकतंत्र बेच देते हैं : जीतू पटवारी

भाजपा-जेडीयू भाई भाई-वोट चोरी, से सरकार बनाई, बिहारी सबक सिखाएँगे : वोट चोर को हराएँगे

भागलपुर, (ईएमएस)। "वोट अधिकार यात्रा" के छठे दिन बिहार के अकबरनगर, भागलपुर में आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में कांग्रेस-राजद महागठबंधन के नेताओं ने भाजपा-जेडीयू पर सीधा और करारा हमला बोला। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष जितु पटवारी ने भाजपा के विकास मॉडल को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि इनके पास किसान नीति नहीं, रोजगार योजना नहीं, शिक्षा का खाका नहीं। इनके पास है तो सिर्फ जुमलों का गठ्ठर और झूठ का थैला। पटवारी ने कहा-"ये लोग जनता को पेड़ लगाने के नाम पर वोट माँगते हैं और चुनावी सभा के लिए हजारों पेड़ काट डालते हैं। यही है भाजपा का 'ग्रीन इंडिया'। ये लोग मंदिर की घंटी बजाकर वोट लेते हैं और संसद की घंटी बजाकर लोकतंत्र बेच देते हैं।"विकासशील इंसान पार्टी के अध्यक्ष मुकेश सहनी ने कहा कि भाजपा अब जनता के भरोसे को अपनी जेबखर्च की तरह इस्तेमाल कर रही है। किसानों से वादे करके उनके पसीने का दाम लूट लिया, युवाओं को नौकरी का झांसा देकर बेरोजगारी का पहाड़ खड़ा कर दिया, और अब जनता के वोट को अपनी प्राइवेट कंपनी का टोकन बना दिया। सहनी ने तंज कसते हुए कहा-"भाजपा का असली काम अब सिर्फ जनादेश की डकैती है, यह पार्टी चुनाव लड़ने नहीं आती, यह चुनाव लूटने आती है।"राजद सांसद संजय यादव ने भाजपा को सीधे निशाने पर लेते हुए कहा कि यह सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ठगी कंपनी है। उन्होंने कहा-"चुनाव आयोग अब इनके लिए बैक ऑफिस का काम करता है, और जनता के वोट इनके लिए मुफ्त की लूट है। भाजपा का नया नाम होना चाहिए—'वोट चोर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड', जिसमें मालिक नरेंद्र मोदी, एजेंट अमित शाह और ठेकेदार उनके मुख्यमंत्री हैं।" उन्होंने तीखा व्यंग्य करते हुए कहा-"ये वही लोग हैं जो किसानों को एमएसपी से लूटते हैं, युवाओं को परीक्षा-पेपर लीक से धोखा देते हैं, और चुनाव आयोग को अपनी जेब में रखकर लोकतंत्र का तमाशा बनाते हैं।"कांग्रेस प्रवक्ता अनुपम कुमार ने भाजपा की राजनीति को एक बड़ा धोखा बताते हुए कहा- "इनकी क्रोनोलॉजी बहुत साफ़ है- पहले विधायक चोरी, फिर वोट चोरी और अब पूरा राज्य सरकार चोरी। भाजपा का नारा है 'जो बिकेगा वही टिकेगा'। यह पार्टी एक वॉशिंग मशीन है, जिसमें अपराधी घुसते ही संत बन जाते हैं, और ईमानदार आवाजें अंदर जाते ही देशद्रोही कहलाने लगती हैं।" अनुपम ने चुटकी लेते हुए कहा कि भाजपा लोकतंत्र को 'डिस्काउंट सेल' में बेच रही है, जहाँ विधायक बोली लगाकर खरीदे जाते हैं, मुख्यमंत्री गिफ्ट पैक में दिए जाते हैं और चुनाव आयोग बोनस में मिलता है।सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव डॉ. गिरीश कुमार ने कहा कि बिहार की जनता अब भाजपा के झूठ और जुमलों को पहचान चुकी है और इस बार भाजपा को करारा जवाब देगी। इस प्रेस वार्ता में अभय दुबे (एआईसीसी मीडिया प्रभारी, बिहार) और राजेश राठौर (कांग्रेस मीडिया चेयरमैन, बिहार) भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त ख़बरें

छात्राओं से छेड़खानी, आक्रोशित लोगों ने आरोपियों की पिटाई कर पुलिस को सौंपा

मसौढ़ी (ईएमएस)। क्षेत्र में गुरुवार को कोचिंग से घर लौट रही तीन छात्राओं के साथ छेड़खानी की दो अलग-अलग घटनाओं ने लोगों में आक्रोश फैला दिया। स्थानीय लोगों और परिजनों ने आरोपियों को पकड़कर उनकी जमकर पिटाई की और पुलिस को सौंप दिया। छात्राओं ने थाने में नामजद शिकायत भी दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने तीनों आरोपियों को चेतावनी देकर छोड़ दिया।पहली घटना थाना से पश्चिम स्थित एक मार्केट कॉम्प्लेक्स के पास की बताई जाती है। नवम कक्षा की दो छात्राएं कोचिंग से लौट रही थीं, तभी बाइक सवार दो युवकों ने उनके साथ छेड़खानी शुरू कर दी। छात्राओं के विरोध करने और शोर मचाने पर स्थानीय लोग जुट गए और दोनों आरोपियों को पकड़कर धुनाई करने के बाद पुलिस को सौंप दिया।दूसरी घटना गांधी मैदान के पास की है। एक छात्रा कोचिंग से पढ़कर घर लौटने के लिए स्टेशन जा रही थी, तभी एक युवक ने उसके साथ छेड़खानी करनी शुरू कर दी। शोर सुनकर छात्रा के अभिभावक और राहगीरों ने आरोपी को पकड़ लिया और पिटाई करने के बाद पुलिस को सौंप दिया।थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि तीनों आरोपियों को परिजनों और छात्राओं के सामने लज्जित किया गया तथा भविष्य में ऐसी हरकत न करने का लिखित आश्वासन लेने के बाद छोड़ दिया गया है।स्थानीय लोगों का कहना है कि मसौढ़ी, नदौल, नदवां और पोठही जैसे इलाकों से हजारों छात्राएं पढ़ाई के लिए अनुमंडल मुख्यालय में आती हैं। लेकिन कोचिंग समय के दौरान आसपास न तो थाना पुलिस की गश्त रहती है और न ही रेल पुलिस की। इसी का फायदा उठाकर मनचले छात्राओं से छेड़खानी करते हैं। कई बार छात्राएं लोकलाज और डर के कारण शिकायत भी नहीं कर पातीं। लोगों ने मांग की है कि कोचिंग संस्थानों और छात्राओं के रास्तों पर नियमित पुलिस गश्त शुरू की जाए ताकि मनचलों के हौसले पस्त हों और छात्राएं सुरक्षित माहौल में पढ़ाई कर सकें।

नीतीश की राजनीति का पिंडदान करने आए हैं मोदी : लालू

गया दौरे पर पीएम मोदी, लालू यादव का तंज

पटना (ईएमएस)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश की सियासत गर्मा गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गया और बेगूसराय दौरे को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए हैं। पीएम मोदी शुक्रवार को बोधगया में जनसभा को संबोधित करेंगे और करीब 13,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत एनडीए के तमाम बड़े नेता मौजूद रहेंगे।इधर, आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने पीएम मोदी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा "गयाजी पिंडदान के लिए जाना जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गयाजी आ रहे हैं तो बिहार को विशेष राज्य का दर्जा न देने, गरीब-पिछड़ों को अधिकार से वंचित करने, संवैधानिक संस्थाओं को नियंत्रित करने और डबल इंजन की सरकार के जरिए बिहार को अपराध व गरीबी से जकड़ने वाली राजनीति का पिंडदान करें।"लालू यादव ने पीएम मोदी के दौरे को "राजनीतिक पिंडदान" करार दिया। वहीं आरजेडी नेताओं ने भी इसे चुनावी स्टंट बताते हुए कहा कि विकास के नाम पर सिर्फ घोषणाएं हो रही हैं, जमीन पर कुछ नजर नहीं आता।दूसरी ओर, एनडीए नेताओं का कहना है कि यह दौरा विकास यात्रा का हिस्सा है और बिहार की जनता को बड़े पैमाने पर रोजगार व बुनियादी सुविधाओं से जोड़ेगा। उनके मुताबिक, पीएम मोदी की परियोजनाएं राज्य के लिए ऐतिहासिक साबित होंगी।राजनीतिक जानकार मानते हैं कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए पीएम मोदी के लगातार दौरे न केवल विकास योजनाओं का संदेश देने के लिए हैं, बल्कि एनडीए की चुनावी जमीन को और मजबूत करने की रणनीति भी है।

पुलिस ने जमकर भांजी लाठियां, राशन डीलर विक्रेता अपनी मांग को लेकर कर रहे थे प्रदर्शन

पटना : पटना पुलिस ने आज राशन डीलर पर जमकर लाठियां भांजी। यह घटना डाकबंगला चौराहा की है, जब आज राशन डीलर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने लाठी चार्ज कर दिया जिसमें कई लोग घायल हो गये। आज शुक्रवार को हजारों की संख्या में फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन के बैनर तले राशन डीलर विक्रेता सड़कों पर आकर अपनी मांगों को लेकर आवाज उठा रहे थे। उनकी मांग थी कि उन्हें स्थायी किया जाए। इस दौरान पुलिस ने पहले भीड़ को तीतर-बितर करने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया, लेकिन जब भीड़ उग्र हो गई, तब पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए लाठी चार्ज कर दिया। राशन डीलरों ने बिहार सरकार से अपील करते हुए कहा कि हमारी मांगों को सरकार पूरा करे। सरकार ने हमें बार-बार सिर्फ आश्वासन ही दिया है, लेकिन हमारी मांगों के संबंध में अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठा पाई है। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम लोगों की मांग है कि जन वितरण प्रणाली से जुड़े सभी राशन डीलरों को नियमित किया जाए एवं सभी को वेतनमान दिया जाए, जिससे हम सब का पालन पोषण भरपूर हो सके।

चुनाव से पहले लालू की पार्टी को झटका, पीएम मोदी के मंच पर नजर आए राजद के दो विधायक

नवादा : विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पार्टी को बड़ा झटका लगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गया दौरे के दौरान नवादा से राष्ट्रीय जनता दल की वर्तमान विधायक विभा देवी और रजौली विधायक प्रकाश वीर पीएम मोदी के मंच पर दिखाई दिए। इसके बाद सियासी गलियारे में हड़कंप मच गया। दोनों विधायक जल्द ही सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड का दामन थामने जा रहे हैं। दोनों को विशेष तौर पर पीएम मोदी के मंच पर बुलाया गया था। हालांकि, जदयू की ओर से इसकी औपचारिक घोषणा अब तक नहीं की गई है। जानकारी के मुताबिक, पूर्व राज्य मंत्री राजवल्लभ प्रसाद यादव की पत्नी विभा देवी लंबे समय से राजद से नाराज चल रही थीं। वहीं, प्रकाश वीर भी पार्टी में अपनी अनदेखी से असंतुष्ट बताए जा रहे हैं। हाल में ही उन्होंने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और राजद नेताओं पर कई आरोप लगाए थे। हाल में ही विभा देवी प्रेस वार्ता कर कहा था कि ने कहा कि उन्होंने, उनके जेठ कृष्णा प्रसाद, स्व. जेहल प्रसाद या जेल में बंद राजबल्लभ प्रसाद ने कभी वोट का सौदा नहीं किया। यह नवादा है, राघोपुर नहीं, जहां एक दिन में करोड़ों रुपये बांटे जाते हैं। उन्होंने कहा कि नवादा के सैकड़ों परिवारों से उनका नाता है। उन्हें हर बात की जानकारी है। पूर्व मंत्री राजबल्लभ यादव की पत्नी और नवादा सदर से राजद विभा देवी ने कहा कि तेजस्वी और उनके कुछ करीबी नेताओं द्वारा उनके और उनके परिवार पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। उनके सम्मानित परिवार की छवि को खराब करने की कोशिश की जा रही है। विभा देवी ने कहा कि वह राजनीति में अपना सम्मान बेचकर नहीं आई हैं। उन्होंने कभी घूस नहीं ली और न ही भ्रष्टाचार किया। विभा देवी ने आरोप लगाया कि जब सरकार बनाने-बिगाड़ने का खेल चल रहा था, तब तेजस्वी के साथ रहने वाले उनके कुछ करीबी नेताओं ने उनसे भारी धनराशि की मांग की थी। वह यह रकम नहीं दे सकीं। इसके बावजूद उन्होंने और विधायक प्रकाश वीर ने पार्टी नहीं छोड़ी। जबकि कई नेताओं ने उन्हें पाला बदलने का प्रलोभन दिया था। उन्होंने कहा कि यही उनकी गलती थी कि वह तेजस्वी को गलत काम के लिए पैसा नहीं दे सकीं।

मुख्यमंत्री का ओएसडी बनकर ठगने निकले दो शातिर, एसपी की सजगता से हुए गिरफ्तार

गोपालगंज : गोपालगंज में साइबर ठगी का एक अनोखा मामला सामने आया है। मुख्यमंत्री का विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) बनकर पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित को फोन करने वाले दो साइबर ठगों को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। ये ठग फुलवरिया थाने का प्रभारी बनवाने के लिए बरौली थाने में तैनात दारोगा शमशाद रजा की पैरवी कर रहे थे। मामले के खुलासे के बाद एसपी ने दारोगा को निलंबित कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों ने एसपी अवधेश दीक्षित को फोन कर खुद को मुख्यमंत्री का ओएसडी गोपाल मंडल बताया और दारोगा शमशाद रजा को थानाध्यक्ष बनाए जाने की सिफारिश की। फोन कॉल पर एसपी को शक हुआ और उन्होंने तत्काल एसटीएफ को जानकारी दी। एसटीएफ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ठग जालिम मियां और हसीब खान को गिरफ्तार कर लिया।

बिहार सरकार ने खेल विभाग में निकाली बंपर बहाली प्रशिक्षक से लेकर अधिकारी तक को मिलेगी नौकरी

पटना : खेल में नौकरी के इंतजार में बैठे युवाओं के लिए बड़ी खुशखबरी आ गई है। राज्य सरकार ने खेल विभाग में बंपर बहाली का रास्ता खोल दिया है। ऐसा पहली बार हो रहा है, जब नवगठित खेल विभाग में 824 पदों पर बहाली होने जा रही है। खेल प्रशिक्षक से लेकर क्रीड़ा सेवा संवर्ग में अधिकारी, खेल लिपिक और अन्य पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। खेल विभाग ने इन नियुक्तियों के लिए बिहार लोक सेवा आयोग, बिहार कर्मचारी चयन आयोग और बिहार तकनीकी सेवा आयोग को सफरिश भेज दी है। वह युवा जो खेल विभाग में नौकरी की आस लगाए लंबे समय से बैठे थे और खेल के प्रशिक्षक बनना हैं, अब उनकी लॉटरी लगने वाली है। खेल विभाग की ओर से बिहार खेल अधीनस्थ सेवा संवर्ग में 380 पद स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें से 379 पद अभी खाली हैं। इन सभी पदों पर बहाली के लिए खेल विभाग ने बीएसएससी को प्रस्ताव भेज दिया है। जल्द ही इन पर सीधी बहाली की जाएगी। बिहार खेल सेवा संवर्ग में भी 33 अधिकारियों के लिए 44 नए पदों का सृजन किया गया है। इनमें से 11 पद प्रोन्नति के लिए हैं, जबकि 33 पदों पर सीधी भर्ती होगी है। इन पदों पर नियुक्ति के लिए बीपीएससी को अधियाचन भेज दिया गया है।खेल विभाग में लिपिकीय सेवा संवर्ग का भी गठन कर दिया गया है। इसके लिए 80 पदों की स्वीकृति भी मिल गई है। इनमें से 53 रिक्त पद ऐसे हैं जिस पर जल्द बहाली होनी है। जिसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। निम्नवर्गीय लिपिक के 10 पद और विभिन्न खेलों के प्रशिक्षकों के 48 पद पूरी तरह खाली।वहीं, खेल प्राधिकार में भी 301 पदों पर नियुक्ति होनी है। प्रस्ताव को कार्यकारिणी समिति की मंजूरी मिल चुकी है और नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश जारी कर दिया गया है। नियुक्ति प्रक्रिया की सिफारिश बी.टी.एस.सी को भी सौंप दी गई है। इन बहालियों के साथ ही बिहार में खेलों के क्षेत्र में बड़ा बदलाव तय है। खेल प्रशिक्षकों की तैनाती से गांव-गांव और शहर-शहर में खेल प्रतिभाओं को निखरने का मौका मिलेगा। वहीं, खेल सेवा संवर्ग और प्राधिकार के अधिकारियों की नियुक्ति से खेल प्रशासन को नई गति मिलेगी। बिहार में यह अब तक का सबसे बड़ा खेल बहाली अभियान है, जिससे हजारों युवाओं को रोजगार और राज्य को नई खेल पहचान मिलने वाली है। खेल प्रेमियों और नौकरी के इच्छुक युवाओं के लिए यह खबर किसी बंपर खुशखबरी से कम नहीं।

गंगा नदी में अफ्रीकी कैटफिश की संख्या का बढ़ना, देशी मछलियों के अस्तिव पर संकट

पटना (ईएमएस)। गंगा नदी में अफ्रीकी कैटफिश और अन्य विदेशी प्रजातियों की मछलियों का बढ़ना एक गंभीर चिंता का विषय है। ये मछलियां बाढ़ के दौरान नदी में प्रवेश कर रही हैं और देसी मछलियों के लिए खतरा बन रही हैं। अफ्रीकी कैटफिश और नील तिलापिया जैसी विदेशी मछलियां गंगा में फैल रही हैं। ये मछलियां बाढ़ के पानी के साथ बहकर आती हैं और देसी मछलियों के लिए खतरा पैदा करती हैं। ये विदेशी मछलियां बहुत तेजी से बढ़ती हैं और देसी मछलियों के मुकाबले जल्दी प्रजनन करती हैं, जिससे इनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है। विदेशी मछलियां देसी मछलियों का भोजन, ऑक्सीजन और रहने की जगह छीन लेती हैं। यह देसी मछलियों के जीवित रहने और बढ़ने की क्षमता को सीधे प्रभावित करता है। ये विदेशी मछलियां, खास तौर पर अफ्रीकी कैटफ़िश, देसी मछलियों और उनके अंडों को खा जाती हैं, जिससे देसी मछलियों की संख्या में भारी गिरावट आ रही है। बाढ़ के कारण नदी में आने वाला प्रदूषण भी जलीय जीवों के लिए हानिकारक है। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन से पानी के तापमान और बहाव में बदलाव भी इन विदेशी प्रजातियों के लिए अनुकूल परिस्थितियां बना सकता है।यह स्थिति गंगा की पारिस्थितिकी के लिए एक बड़ा खतरा है। देसी मछलियों की संख्या में गिरावट न केवल नदी के प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ रही है, बल्कि उन मछुआरों की आजीविका को भी प्रभावित कर रही है जो इन देसी मछलियों पर निर्भर हैं। इस समस्या से निपटने के लिए मत्स्य विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों को कदम उठाने की जरूरत है ताकि गंगा के जलीय जीवन को बचाया जा सके।

बाढ़ और प्रदूषण का दोहरा प्रहार

विशेषज्ञों का मानना है कि बाढ़ के साथ आने वाली ये विदेशी मछलियां तो खतरा हैं ही, साथ ही बाढ़ का पानी अपने साथ औद्योगिक कचरा और अन्य प्रदूषक भी लाता है। इससे पानी की गुणवत्ता प्रभावित होती है और देसी मछलियों के लिए जीवनयापन और भी मुश्किल हो जाता है। जलमार्गों में आए बदलाव और जलवायु परिवर्तन भी इस समस्या को बढ़ा रहे हैं।इससे पहले गंगा में कॉमन कार्प मछली की वजह से कई देसी प्रजातियां लुप्त हो चुकी हैं।

नौ दिन बाद भी आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं, मुंगेर में नाराज परिजनों ने जाम की सड़क

मुंगेर : मुंगेर में प्रीतम हत्याकांड के नौ दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों पर ठोस कार्रवाई नहीं होने से परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। शुक्रवार को गनैली के पास तीन माइल पर आक्रोशित परिजनों ने बांस-बल्ला लगाकर सड़क जाम कर दी। जाम के कारण देवघर जा रहे कांवड़ियों और निजी वाहनों को घंटों परेशानी झेलनी पड़ी। सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और जाम कर रहे लोगों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जाम कर रहे परिजनों ने हाथों में तख्ती लेकर पुलिस प्रशासन पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाया। तख्ती पर लिखा था कि पुलिस पर से विश्वास उठ चुका है। परिजनों का कहना है कि जब तक सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती और उन्हें फांसी की सजा दिलाने का आश्वासन नहीं दिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। मृतक प्रीतम के पिता मनोज मंडल ने बताया कि बुधवार को मुख्य आरोपी मो. अफरोज को संग्रामपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया था, लेकिन बाद में छोड़ दिया। इसके बाद गुरुवार को जब वे थाना पहुंचे और सड़क जाम की चेतावनी दी, तभी पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। परिजनों का आरोप है कि पुलिस आरोपियों को बचाने का प्रयास कर रही है और उन्हें आशंका है कि बाकी आरोपियों को भी छोड़ा जा सकता है। उन्होंने सभी पांच आरोपियों की गिरफ्तारी और फांसी की सजा की मांग की। जाम की सूचना पर तारापुर एसडीओ, सीओ और हरपुर पुलिस मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन परिजन इस बात पर अड़े रहे कि जब तक डीएम और एसपी मौके पर आकर भरोसा नहीं दिलाते, तब तक जाम नहीं हटेगा। करीब सात घंटे तक जाम जारी रहा। अंततः प्रशासन की कड़ी मशक्कत और समझाइश के बाद अनुमंडल पदाधिकारी ने जाम तुड़वाया। इस मामले में संग्रामपुर थाना प्रभारी ने जानकारी दी कि नामजद तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं बाकी आरोपियों की तलाश में छापामारी जारी है।

जदयू में शामिल हुए पूर्व विधायक गोपाल अग्रवाल, सीमांचल में पार्टी का बड़ा दांव

किशनगंज : बिहार के किशनगंज जिले से जदयू को बड़ी सियासी सफलता मिली है। ठाकुरगंज विधानसभा के पूर्व विधायक गोपाल अग्रवाल ने पटना में प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा की मौजूदगी में जदयू की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान पार्टी नेता नौशाद आलम और प्रहलाद सरकार समेत कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि अग्रवाल की एंट्री से सीमांचल में पार्टी की पकड़ और मजबूत होगी। सूत्रों का कहना है कि 2025 विधानसभा चुनाव में गोपाल अग्रवाल को ठाकुरगंज सीट से टिकट मिलने की संभावना है। किशनगंज जिले की ठाकुरगंज विधानसभा सीट सामान्य श्रेणी की है, जिसका गठन 1951 में हुआ था। अब तक यहां 15 विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। इस सीट में ठाकुरगंज और दिघलबैंक प्रखंड की 13 ग्राम पंचायतें आती हैं। 2020 के चुनाव में राजद उम्मीदवार साउद आलम ने निर्दलीय उम्मीदवार गोपाल अग्रवाल को शिकस्त दी थी। साउद को 79,909 वोट मिले थे, जबकि अग्रवाल को 56,022 वोट मिले। जदयू के नौशाद आलम तीसरे स्थान पर रहे थे। गोपाल अग्रवाल 2005 में समाजवादी पार्टी से इसी सीट से विधायक रह चुके हैं। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, 2025 का चुनाव मुस्लिम वोटों की एकजुटता पर निर्भर करेगा। पहले भी एआईएमआईएम और निर्दलीय उम्मीदवारों की वजह से वोटों का बंटवारा हुआ है। इस बार मुकाबला सीधे राजद और जदयू के बीच माना जा रहा है।

बृजभूषण शरण सिंह ने योग गुरु बाबा रामदेव से मांगी माफी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बृजभूषण शरण सिंह ने योग गुरु बाबा रामदेव पर दिए अपने बयान के लिए माफ़ी मांगी है। उन्होंने स्वीकार किया है कि उन्होंने जो कुछ भी कहा, वह गलत था। उन्होंने कहा कि अगर अनजाने में कोई गलती हो जाए, तब माफी मांगने में कोई शर्मिंदगी नहीं होनी चाहिए। दरअसल, पूर्व सांसद सिंह और बाबा रामदेव के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। दोनों अक्सर सार्वजनिक मंचों पर एक-दूसरे पर टिप्पणी करते रहे हैं। हाल ही में बृजभूषण सिंह का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वह बाबा रामदेव को काना कहकर संबोधित कर रहे थे। वीडियो में वह कहते सुनाई दे रहे थे कि रामदेव जिनके नाम पर कमा रहे हैं, उन महर्षि पतंजलि का जन्म गोंडा में हुआ था। गोंडा ज़िले के वजीरगंज क्षेत्र का कोंडर गांव महर्षि पतंजलि का जन्मस्थान माना जाता है। सिंह अपने बयान में इसका का ज़िक्र कर रहे थे। उन्होंने 2022 में भी रामदेव पर आरोप लगाया था कि वे महर्षि पतंजलि के नाम का दुरुपयोग करके अरबों का व्यापार कर रहे हैं, लेकिन उनके जन्मस्थान के विकास के लिए कुछ भी नहीं कर रहे हैं। इस बयान के बाद बाबा रामदेव ने बृजभूषण सिंह को कानूनी नोटिस भी भेजा था।

महुआ मोइत्रा ने योगी पर तंज कसते हुए कहा, थोड़ी तो शर्म कीजिए

कोलकत्ता (ईएमएस)। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने शुक्रवार सुबह गाय की तस्वीरों के साथ कुछ ऐसा लिखा जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। महुआ ने एक सरकारी गाय आश्रय केंद्र की तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में शेल्टर होम की गंदगी और बीमार गायें नजर आ रही हैं। महुआ मोइत्रा ने लिखा है कि ये ग्रेटर नोएडा स्थित गाय शेल्टर होम का हाल है। गाय मुख्यमंत्री योगी को बहुत प्रिय हैं।

मोइत्रा ने यूपी के पशुपालन विभाग को टैग कर लिखा है थोड़ी तो शर्म कीजिए। बता दें कि महुआ पश्चिम बंगाल की कृष्णानगर सीट से सांसद हैं। वह लोकसभा में अपने तेवर के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर कई मुद्दों पर मोदी सरकार की घेराबंदी करती दिखाती हैं।

आतंकी संबंधों के आरोप में दो सरकारी कर्मचारियों बर्खास्त

श्रीनगर,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकी संबंधों के आरोप में दो सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त किया है। यह कार्रवाई भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311 (2)(सी) के तहत की गई है। बर्खास्त किए गए दो कर्मचारियों में एक कुपवाड़ा के करनाह का एक शिक्षक और दूसरा कुपवाड़ा के केरन का एक सहायक स्टॉकमैन था। जांच में यह साबित हुआ कि दोनों कर्मचारी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के लिए काम कर रहे थे। कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों ने उनके खिलाफ आपत्तिजनक सबूत जुटाए थे। अगस्त 2020 में उपराज्यपाल का पद संभालने के बाद से, सिन्हा आतंकवाद को जड़ से खत्म करने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने आतंकवादियों के साथ-साथ उनके मददगार नेटवर्क, जिन्हें ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) और सरकारी संस्थानों में मौजूद उनके समर्थकों के रूप में जाना जाता है, को भी निशाना बनाया है। 2020 से 2024 के बीच सुरक्षा बलों ने सैकड़ों आतंकवादियों को मार गिराया। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) का उपयोग करते हुए, 70 से अधिक इसतरह के व्यक्तियों को सरकारी नौकरियों से बर्खास्त किया गया है।

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के अध्यक्ष ने मीडिया आउटलेट्स को भेजा नोटिस

हैदराबाद,(ईएमएस)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड के अध्यक्ष और तेलुगु समाचार चैनल के प्रमुख, बोलिनेनी राजगोपाल नायडू ने दो मीडिया हाउस को कानूनी नोटिस भेज दिया है। उन्होंने उन पर 10 और 14 अगस्त, 2025 को प्रकाशित हुई खबरों के माध्यम से अपनी और टीटीडी बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने का आरोप लगाया है।

नोटिस में नायडू ने आरोप लगाया है कि वाईएसआरसीपी प्रमुख और पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी के स्वामित्व वाले इन मीडिया आउटलेट्स ने दुर्भावनापूर्ण और झूठी रिपोर्टिंग की है। उनका दावा है कि यह उनके खिलाफ एक बड़ी साजिश का हिस्सा है, क्योंकि उनका मीडिया हाउस निष्पक्ष समाचार कवरेज देता है, जिससे दूसरे प्रबंधन कथित तौर पर खुश नहीं है। नायडू का कहना है कि रिपोर्टिंग से न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा को ठेस पहुँची है, बल्कि दुनिया भर में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के भक्तों की भावनाओं को भी चोट पहुँची है। नायडू के वकील ने 18 अगस्त को साक्षी प्रबंधन को कानूनी नोटिस जारी किया था, जिसमें निम्नलिखित माँगें की गई हैं कि टीवी और समाचार पत्र को बिना शर्त माफी मांगनी होगी। और टीटीडी बोर्ड को 10 करोड़ का हर्जाना देना होगा।

यूपी में हर व्यक्ति पर चढ़ा 37,500 रुपए का कर्ज

लखनऊ (ईएमएस)। यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार प्रदेश को एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था के टार्गेट के साथ लगातार आगे बढ़ रही हैं। इसके लिए प्रदेश में बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास पर काम किया जा रहा है। लेकिन इन तमाम बातों के बीच यूपी पर साल दर साल कर्ज भी बढ़ता जा रहा है। जिसके चलते यूपी का हर शख्स कर्ज में डूबा है, वो भी एक या दो हजार नहीं बल्कि 37,500 रुपए का ऋणी है। यूपी पर पिछले पांच साल में छह लाख करोड़ से बढ़कर नौ लाख करोड़ रुपए उधार होने का अनुमान है। राज्य वित्त आयोग के अनुसार, राज्य को राजस्व में 2.97 फीसदी घाटा हो रहा है। 2023-24 में राज्य सरकार पर कुल ऋण करीब 7.76 लाख करोड़ रुपये था जो वर्ष 2025-26 में 9 लाख करोड़ रुपये के पार होने का अनुमान है। ऐसे में प्रदेश के हर व्यक्ति पर 37,500 रुपए का कर्ज है। हालांकि, राज्य वित्त आयोग इसे राज्य के विकास का संकेतक बता रहा है। राज्य वित्त आयोग का मानना है कि जितना राज्य की बुनियादी चीजों में खर्च होगा, उतना ही उधार बढ़ता है। इससे साफ है कि यूपी सरकार अपने आय से ज्यादा, यानी उधार लेकर पैसे खर्च कर रही है।

पैसे और दो स्कूटी लेकर फरार हो गया पति, पत्नी ने दर्ज कराई रिपोर्ट

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक महिला टीचर ने अपने ही पति के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का आरोप लगाकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। महिला का आरोप है कि उसका पति उससे पैसे और दो स्कूटी लेकर फरार हो गया है। साथ ही वह शादीशुदा है और उसके बच्चे भी हैं। पीड़िता, जो लखीमपुर खीरी में टीचर हैं, ने बताया कि उनकी मुलाकात राजीव कुमार नाम के एक शख्स से सोशल मीडिया पर हुई थी। राजीव ने खुद को अनाथ और कुंवारा बताकर शादी की। शादी के बाद वह उनसे लगातार पैसे मांगता रहा। पीड़िता के अनुसार, राजीव उनकी दो स्कूटी लेकर फरार हो गया, जिनमें से एक को उसने बेच दिया। पीड़िता को बाद में पता चला कि राजीव पहले से ही शादीशुदा है और उसके बच्चे भी हैं। यानी वह उसकी तीसरी पत्नी थी। राजीव के खिलाफ मुरादाबाद के पाकबड़ा और कटघर पुलिस थानों में भी धोखाधड़ी और चोरी के मामले दर्ज हैं। वह पहले जेल भी जा चुका है। पीड़िता का आरोप है कि राजीव उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहा है। फिलहाल, महानगर पुलिस ने राजीव कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मुस्लिम युवक संत प्रेमानंद को किडनी देने की पेशकश

इटारसी (ईएमएस)। वृंदावन के संत प्रेमानंद जी महाराज इन दिनों किडनी की बीमारी से ग्रसित हैं। उनका डायलिसिस चल रहा है। यह जानकर आरिफ खान चिश्ती जो इटारसी में रहता है। उसने श्रद्धा भाव से अपनी एक किडनी संत प्रेमानंद महाराज को देने की इच्छा जताई है। इसका एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। इस युवक का कहना है, संत प्रेमानंद जैसे महाराज का रहना समाज के लिए बहुत जरूरी है।वह सभी को जोड़ने का काम करते हैं। ऐसे संत मिलना दुर्लभ है। आरिफ ने 6 महीने पहले मोबाइल पर प्रेमानंद महाराज का प्रवचन सुना था। उसके बाद से वह उनका मुरीद हो गया। उल्लेखनीय है, संत प्रेमानंद जी महाराज की दोनों किडनी खराब है। उनका डायलिसिस चल रहा है। इस मुस्लिम युवक ने अपनी किडनी दान करने की इच्छा जताकर इस नफरत भरे माहौल में एक नया दिया जलाया है। जिसकी प्रशंसा सभी और हो रही है।

शाह ने यू ही नहीं गोलचा को बनाया दिल्ली पुलिस का प्रमुख, शोपियां मामले में बनी ताकतवर छवि

नई दिल्ली,(ईएमएस)। 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी सतीश गोलचा ने शुक्रवार को दिल्ली पुलिस आयुक्त का पदभार ग्रहण किया। वे दिल्ली के 26वें पुलिस आयुक्त बने हैं। उनका कार्यकाल अप्रैल 2027 तक रहेगा। बता दें कि एसबीके सिंह का कार्यकाल सबसे छोटा रहा और इसमें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला और वीवीआईपी क्षेत्र में चैन झपटमारी जैसी घटनाएं सुर्खियों में रहीं। हालांकि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि गोलचा की नियुक्ति का सीधा संबंध इन घटनाओं से नहीं है, लेकिन यह बदलाव संकेत देता है कि केंद्र सरकार दिल्ली की कानून-व्यवस्था पर अतिरिक्त गंभीरता दिखाना चाहती है।

गोलचा को कठिन परिस्थितियों में काम करने का भरपूर अनुभव है। दिल्ली पुलिस में वे कानून-व्यवस्था के विशेष पुलिस आयुक्त और अपराध शाखा के प्रमुख रहे हैं। अरुणाचल प्रदेश के डीजीपी के रूप में उन्होंने सीमावर्ती प्रदेश में सुरक्षा और पुलिसिंग की चुनौती को बखूबी संभाला। सीबीआई में रहते हुए उन्होंने कई संवेदनशील और हाई प्रोफ़ाइल मामलों की जांच की जिसमें रुचिका छेड़छाड़ मामला, 1984 सिख विरोधी दंगा मामला और रिज़वान-उर-रहमान हत्या प्रकरण शामिल हैं। उन्हें उनके सख्त रुख और 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान निर्णायक नेतृत्व के लिए जाना जाता है, जब वह कानून-व्यवस्था के विशेष पुलिस आयुक्त के तौर पर तैनात थे। गोलचा फिलहाल मंडोली और रोहिणी जेलों के महानिदेशक के रूप में कार्यरत थे।

गोलचा की छवि तब मजबूत हुई थी जब उन्होंने 2009 के शोपियां बलात्कार और हत्याकांड मामले की जांच की थी। बात दें कि शुरुआत में इस सुरक्षा बलों पर गंभीर आरोप की तरह प्रस्तुत किया गया था और घाटी में हिंसक विरोध-प्रदर्शन भड़क उठे थे। तब 47 दिनों तक घाटी की शांति बाधित रही थी। लेकिन सीबीआई की 12 सदस्यीय टीम का नेतृत्व कर रहे गोलचा ने कठोर दबाव और राजनीतिक हस्तक्षेप के बावजूद सच को सामने लाने का साहसिक काम किया था। फॉरेंसिक सबूतों से साबित हुआ था कि मामला बलात्कार या हत्या का नहीं बल्कि दुर्घटनावश डूबने का था। जांच ने न केवल पांच निर्दोष पुलिस अधिकारियों को राहत दी थी बल्कि पाकिस्तान की आईएसआई की साजिश को भी उजागर किया, जो घाटी में अस्थिरता फैलाने के लिए गढ़ी गई थी। यह प्रकरण गोलचा की वैज्ञानिक दृष्टि, निष्पक्षता और साहसिक निर्णय क्षमता का प्रमाण माना जाता है।

बता दें कि 30 मई 2009 को शोपियां जिले में एक जलाशय से दो महिलाओं के शव बरामद हुए थे। वे एक दिन पहले परिवार के बगीचे से लापता हुई थीं। शुरुआत में दावा किया था कि महिलाओं के साथ बलात्कार कर सुरक्षा बलों ने उन्हें पानी में डूबो दिया। जन आक्रोश इतना बढ़ा कि घाटी में पूरी तरह बंद का माहौल बन गया और पांच पुलिसकर्मी गिरफ्तार किए गए। राज्य की विशेष जांच टीम मामले को सुलझा नहीं सकी। इसके बाद सीबीआई को जांच सौंपी गई। गोलचा के नेतृत्व वाली टीम ने जांच का जिम्मा संभाला। उन्हें एम्स के प्रसिद्ध फॉरेंसिक विशेषज्ञों डॉ. टीएस डोगरा और डॉ. अनुपमा रैना की भी मदद मिली ताकि जांच पूरी तरह वैज्ञानिक और निष्पक्ष रहे। भारी जनदबाव और राजनीतिक हस्तक्षेप के बावजूद गोलचा की टीम सच्चाई को सामने लाई। निर्णायक मोड़ तब आया जब उन्होंने साहसिक कदम उठाकर मजिस्ट्रेट के आदेश से दोनों महिलाओं के शवों को दफनाने के 40 दिन से अधिक समय बाद कब्र से निकला गया। इसके बाद हुई फॉरेंसिक जांच निर्णायक रही और इसमें साबित हुआ कि महिलाओं के साथ बलात्कार नहीं हुआ था तथा उनकी मौत डूबने से हुई थी।

जांच में सामने आया कि बलात्कार और हत्या की कहानी पूरी तरह झूठी थी और इसे सुनियोजित तरीके से गढ़ा गया था। निष्कर्ष इस ओर इशारा करते थे कि साजिश पाकिस्तान से रची गई थी और इस मामले को आईएसआई ने अशांति फैलाने और क्षेत्र को अस्थिर बनाए रखने के लिए गढ़ा था। बाद में सीबीआई ने मामले में आरोपपत्र दाखिल कर कहा कि दोनों महिलाओं की न तो हत्या हुई थी और न ही उनके साथ बलात्कार। उनकी मौत डूबने से हुई थी। सीबीआई की रिपोर्ट के बाद 13 लोगों के खिलाफ सबूत गढ़ने और जानबूझकर जांच को गुमराह करने के आरोप में आरोपपत्र दाखिल किया गया। इनमें डॉक्टर और वकील भी शामिल थे। सीबीआई ने उन पांच पुलिस अधिकारियों को भी निर्दोष पाया, जिन्हें पहले इस मामले में गिरफ्तार कर निलंबित कर दिया गया था। बहरहाल, सतीश गोलचा की नियुक्ति को दिल्ली पुलिस और देश की सुरक्षा व्यवस्था में नई उम्मीद और नई सख़्ती का संकेत माना जा रहा है। उनका पूर्व अनुभव बताता है कि वह न केवल आपराधिक मामलों में कठोरता दिखाते हैं बल्कि राजनीतिक दबावों से ऊपर उठकर कानून और सच्चाई के पक्ष में खड़े होने का साहस भी रखते हैं। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि वह दिल्ली जैसी बहुआयामी चुनौतियों वाले महानगर की सुरक्षा को किस प्रकार मजबूत और संतुलित बनाते हैं।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट, हटाए गए वोटर्स को सूची में अपना नाम जुड़वाने की अनुमति दें

आधार कार्ड सहित फॉर्म 6 में दिए गए 11 दस्तावेज में से कोई भी जमा कर सकते

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट में बिहार में जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर (सामान्य शब्दों में मतदाता सूची में सुधार) पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग (ईसीआई) को निर्देश दिया कि वे हटाए गए वोटर्स को सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए फिजिकली के अलावा ऑनलाइन आवेदन की अनुमति भी दे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आधार कार्ड सहित फॉर्म 6 में दिए गए 11 दस्तावेज में से कोई भी जमा किया जा सकता है, इसमें ड्राइविंग लाइसेंस, पासबुक, पानी का बिल जैसे डॉक्यूमेंट शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों को मामले पर चुप्पी साधने पर फटकार लगाकर पूछा कि मतदाताओं की मदद के लिए आप क्या कर रहे हैं। आपको आगे आना चाहिए। अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी।

सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से कई सवाल पूछे। जस्टिस सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान कहा कि राजनीतिक दलों की निष्क्रियता हैरान करने वाली है। राज्य की 12 दलों में से यहां मात्र 3 पार्टियां ही कोर्ट में आई हैं। वोटर्स की मदद के लिए आप क्या कर रहे हैं। कोर्ट ने इस पर हैरानी जाहिर कि राजनीतिक दलों के करीब 1.6 लाख बूथ लेवल एजेंट होने के बावजूद, उनकी ओर से केवल दो आपत्तियां ही आई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान बड़ा आदेश देकर मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अनुमति दी है। फॉर्म को फिजिकली जमा करना जरूरी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फॉर्म 6 में दिए गए 11 दस्तावेज़ (जैसे ड्राइविंग लाइसेंस, पासबुक, पानी का बिल आदि) में से कोई भी या आधार कार्ड जमा किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड को भी स्वीकार करने का आदेश दिया है।

सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने दलील दी, यह मुद्दा प्रासंगिक नहीं है। सभी को चुनाव आयोग पर भरोसा रखना चाहिए। हमें कुछ समय दीजिए, हम बेहतर तस्वीर सामने रखने वाले हैं, और साबित करने वाले हैं कि किसी को भी बाहर नहीं किया गया है।

अधिवक्ता ग्रोवर ने इसका विरोध कर कहा, इस पूरी प्रक्रिया को लेकर ज़मीन पर भ्रम फैला हुआ है। आयोग को बताया चाहिए और समयसीमा बढ़ानी चाहिए ताकि निष्पक्षता बनी रहे। भूषण ने सवाल उठाया, 7.24 करोड़ मतदाताओं का क्या होगा? 12 प्रतिशत को बीएलओएस ने 'नॉट रिकमेंडेड' कहा है। रोज़ाना 36 हज़ार फॉर्म की जांच करनी होगी, यह संभव नहीं है। इसमें कोई उपाय नहीं बचेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पूछा, कितने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त किए हैं, और क्या आपको और एजेंटों की जरूरत है? चुनाव आयोग की ओर से बताया गया, किसी भी पार्टी ने इस संबंध में कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान बीजेपी का भी नाम लिया, इस पर सिब्बल ने कहा कि बीजेपी क्यों आएगी?

सीएम रेखा गुप्ता के कार्यक्रम में घुसा शख्स

विधायक के खिलाफ करने लगा नारेबाजी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। जनसुनवाई में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुए हमले के बाद फिर उनके कार्यक्रम में बड़ी घटना हुई है। शुक्रवार को गांधीनगर में कार्यक्रम के दौरान शख्स उनके कार्यक्रम में घुसा और खूब नारेबाजी की। घटना तब की है, जब गांधीनगर विधानसभा के विधायक अरविंदर सिंह लवली कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सीएम रेखा गुप्ता भी कार्यक्रम में मौजूद थीं। तभी शख्स कार्यक्रम में घुसा और नारेबाजी करने लगा। हालांकि पुलिस ने शख्स को हिरासत में लिया है। शख्स की पहचान अजीत नगर निवासी प्रवीण शर्मा के तौर पर हुई है। वह 60 साल का है। उसका अजीत नगर में टीवी केबल का बिजनेस भी है। शख्स ने दावा किया है कि वह बीते 40 सालों से बीजेपी का कार्यकर्ता है। जानकारी के मुताबिक विधायक लवली जब कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, तभी प्रवीण शर्मा वहां पहुंचा और विधायक के खिलाफ नारेबाजी करने लगा।

शाहदरा के डीसीपी ने बताया कि आरोपी प्रवीण शर्मा बैरिकेड्स के पीछे और एक गली में ही था। यहां से शख्स को तुरंत पकड़ कर हटा दिया गया। किसी भी समय वीआईपी की सुरक्षा का उल्लंघन नहीं किया गया।

बात दें कि सीएम रेखा गुप्ता पर जनसुनवाई के दौरान हमला हुआ था। आरोपी राजेशभाई खिमजी ने बताया था कि उसने पहले आवारा कुत्तों को शेल्टर होम में शिफ्ट करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ रामलीला मैदान में प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी। यह योजना सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे द्वारा भ्रष्टाचार के मुद्दे पर किए गए आंदोलन की तर्ज पर थी।

शाह का राहुल गांधी पर तंज, जब से मुखिया बने हैं, संवैधानिक संस्थाओं को शक की नजर से देख रहे

कोच्चि,(ईएमएस)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कोच्चि में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर संवैधानिक संस्थाओं को मान न देने का आरोप लगाया। केंद्रीय गृहमंत्री शाह आगामी महत्वपूर्ण स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर भाजपा के राज्य नेतृत्व को तैयार करने हेतु कोच्चि के एक दिवसीय दौरे पर हैं।

शाह ने बताया कि देश को नुकसान पहुंचाने वाली स्थितियां पिछली सत्ता की देन है। उन्होंने कहा, जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण देश के लिए नासूर बना चुका है। 2014 में नरेंद्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद इन तीनों की जगह पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस की शुरुआत हुई है और इस पूरा देश अनुभव कर रहा है। करप्शन को दूर करने का प्रयास देश के पीएम मोदी ने किया है। चूंकि स्थिरता है, इसलिए लंबे समय तक नीतियां चल रही हैं। आज 140 करोड़ लोग मानते हैं कि 2047 में भारत टॉप पर होगा और इस लेकर उनके मन में कोई संदेह नहीं है।

वहीं, राहुल गांधी को लेकर पूछे सवाल पर शाह ने कहा कि जब से मुखिया बने हैं तब से संवैधानिक संस्थाओं को शक की नजर से देख रहे हैं। अभी जो एसआईआर हो रहा है, वहां एसआईआर 2003 में भी हुआ था, 1961 में भी हुआ था और 1970 में भी हुआ था। तब अब समस्या क्या है? अगर एसआईआर से कोई भी नागरिक या राजनीतिक पार्टी संतुष्ट नहीं है, तब वह असेंबली के रिटर्निंग ऑफिसर, जिला कलेक्टर और राज्य के चीफ इलेक्शन ऑफिसर के सामने अपील कर सकता है। शाह ने सदन में पेश तीनों विधेयकों पर कहा कि लोकतंत्र में नैतिकता का स्तर बनाए रखने की जिम्मेदारी सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों की है। ये बिल किसी पार्टी के लिए नहीं है। ये बिल भाजपा के मुख्यमंत्रियों पर भी लागू होगा और प्रधानमंत्री पर भी लागू होगा।

बता दें कि मानसून सत्र के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संघ राज्यक्षेत्र शासन (संशोधन) बिल 2025, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) बिल 2025 और संविधान (130वां संशोधन) बिल 2025 पेश किए थे। जिसमें प्रावधान है कि कोई भी व्यक्ति गिरफ्तार होकर जेल से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केन्द्र या राज्य सरकार के मंत्री के रूप में शासन नहीं चला सकता है। विपक्ष ने इन बिलों का विरोध किया।

बेंगलुरु में कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र पप्पी और उनके भाइयों के आवासों पर छापेमारी

बेंगलुरु और गोवा सहित 17 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की गई

बेंगलुरु,(ईएमएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गेमिंग एप में कथित अवैध धन हस्तांतरण की जाँच के तहत चित्रदुर्ग जिले के चल्लकेरे कस्बे में कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र पप्पी और उनके भाइयों के आवासों पर छापेमारी की। ईडी अधिकारियों के अनुसार, चित्रदुर्ग, बेंगलुरु और गोवा सहित 17 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की गई है। 20 वाहनों में सवार 40 से अधिक ईडी अधिकारियों ने केसी नागराज और केसी टिप्पेस्वामी के घरों सहित वीरेंद्र से जुड़ी कई संपत्तियों की तलाशी ली।

यह कार्रवाई 2016 में वीरेंद्र के आवास पर आयकर विभाग के छापे के वर्षों बाद हुई है, जिसमें एक बाथरूम में छिपाकर रखे गए 5 करोड़ रुपये से अधिक नकद और 30 किलोग्राम सोना बरामद हुआ था। ईडी सूत्रों का आरोप है कि वीरेंद्र की कंपनियों रत्ना गोल्ड, रत्ना मल्टी सोर्स, पप्पी टेक्नोलॉजी और रत्ना गेमिंग सॉल्यूशंस का इस्तेमाल गेमिंग एप से जुड़े अवैध धन हस्तांतरण के लिए हुआ था। गौरतलब है कि 2016 में, विधायक वीरेंद्र, जो तब जेडी(एस) पार्टी में थे, को आयकर विभाग द्वारा उनके बाथरूम में एक गुप्त कक्ष में 5.70 करोड़ के नए नोट छिपाने के बाद गिरफ्तार किया था।

अधिकारियों को चल्लकेरे कस्बे में उनके आवास पर बाथरूम की टाइलों के पीछे 32 किलोग्राम सोने के बिस्कुट और आभूषण के साथ-साथ 90 लाख रुपये के पुराने नोट भी मिले थे। मामले में वीरेंद्र के साथ, चित्रदुर्ग के दो बिचौलियों और चार बैंकों के अज्ञात अधिकारियों के नाम एफआईआर में दर्ज हुए थे। बाद में सीबीआई जांच से पता चला कि विधायक वीरेंद्र के साथ एक आपराधिक साजिश में, बैंक अधिकारियों ने 2016 में 5.76 करोड़ रुपये के पुराने नोटों को 2,000 रुपये और 500 रुपये के नए नोटों से बदल दिया था। सीबीआई के आरोपपत्र में कहा गया है कि बैंक अधिकारियों ने रिकॉर्ड में हेराफेरी की और कई व्यक्तियों के नाम पर जाली पहचान और पते के दस्तावेजों का इस्तेमाल करके यह दिखाया कि पैसे एटीएम काउंटरों के माध्यम से बदले गए थे।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से खुश मेनका गांधी आक्रामक कुत्ते की परिभाषा तय होनी चाहिए

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत में आवारा कुत्तों से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अहम फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने 11 अगस्त के अपने पुराने आदेश को संशोधित कर कहा है कि नसबंदी और टीकाकरण के बाद कुत्तों को उसी इलाके में छोड़ा जाएगा जहां से उन्हें पकड़ा गया था। हालांकि, जिन कुत्तों में रेबीज के लक्षण हैं या जो आक्रामक व्यवहार करते हैं, उन्हें शेल्टर होम में ही रखा जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि, नसबंदी और टीकाकरण के बाद कुत्तों को वापस उसी जगह छोड़ा जाएगा, जहां से उन्हें पकड़ा गया था। जिन कुत्तों में रेबीज के लक्षण हैं या जो आक्रामक हैं, उन्हें शेल्टर में अलग रखा जाएगा। इतना ही नहीं सार्वजनिक जगहों पर कुत्तों को खाना खिलाने पर रोक रहेगी। इसके लिए नगर निगमों को हर वार्ड में फीडिंग ज़ोन बनाना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पशुपालन विभागों के सचिवों को नोटिस जारी कर इस मुद्दे पर राष्ट्रीय स्तर की नीति बनाने के लिए सुझाव मांगे हैं। देशभर की हाई कोर्ट्स में आवारा कुत्तों से जुड़े जितने भी मामले लंबित हैं, उन्हें सुप्रीम कोर्ट में स्थानांतरित करने का आदेश दिया गया है।

वहीं सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का पशु अधिकार कार्यकर्ताओं और डॉग लवर्स ने स्वागत किया है। पशु अधिकार कार्यकर्ता और बीजेपी नेता मेनका गांधी ने फैसले पर खुशी जताकर वैज्ञानिक फैसला बताया। उन्होंने कहा कि कुत्तों के काटने का कारण डर और विस्थापन होता है। उन्होंने जोर दिया कि आक्रामक कुत्ते की परिभाषा तय होनी चाहिए। मेनका गांधी ने फीडिंग जोन बनाने के कोर्ट के फैसले की सराहना कर बताया कि इस काम के लिए सरकार ने 2,500 करोड़ का बजट आवंटित किया है।

वहीं एक अन्य याचिकाकर्ता और सुप्रीम कोर्ट की वकील ननिता शर्मा ने फैसले को संतुलित आदेश बताया। उन्होंने कहा कि अब देशभर के आवारा कुत्तों से जुड़े मामले एक ही अदालत में सुने जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों से कुत्तों के प्रति थोड़ा और मानवीय होने की अपील की। शेल्टर होम चलाने वाली सोनाली गाबा ने कहा कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट पर पूरा भरोसा था कि वह उनके पक्ष में फैसला सुनाएगा। उन्होंने कहा कि हर कुत्ते को आक्रामक नहीं कहा जा सकता, इसका सबूत होना चाहिए। उन्होंने फीडिंग ज़ोन बनाने के फैसले पर खुशी जताई।

पिछला आदेश क्या था?

बता दें कि 11 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर की सड़कों को आवारा कुत्तों से पूरी तरह मुक्त करने का आदेश दिया था। उस आदेश में कहा गया था कि पकड़े गए किसी भी कुत्ते को वापस सड़कों पर नहीं छोड़ा जाएगा। यह फैसला जन-सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया था, क्योंकि अधिकारी इस गंभीर समस्या से निपटने में असफल रहे थे। हालाँकि, अब इस आदेश में बदलाव कर दिया गया है।

न्यायालय, डिस्ट्रीक जज XIth, धनबाद

सिविल अपील नं0- 59/2023

मेसर्स इस्टर्न कोल फिल्ड लिमिटेड .... अपीलेन्ट

बनाम्

जीवनन्दन प्रसाद यादव .... रेसपोनडेन्ट

सेवा में,

जीवनन्दन प्रसाद यादव,
पिता- श्री जगदीश यादव
पता- ग्राम- लोदीपुर बाजार,
पो0- बियरपुर, थाना- मनेर, जिला- पटना
वर्तमान पता- Ex-Cap-Lamp issue Clerk,
कुमारधुबी कोलियरी, नियर एजेन्ट ऑफिस,
पो0- चिरकुण्डा, थाना- चिरकुण्डा,
जिला- धनबाद (झारखण्ड)

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि अपीलेन्ट ने आपके खिलाफ मेरे न्यायालय में उक्त मुकदमा दाखिल किया है, उक्त मुकदमा में न्यायालय के पदचर एवं निबंधित डाक द्वारा समन भेजा गया लेकिन उसके बावजूद भी आप इस मुकदमा में हाजिर नहीं हुए।

अतः इस प्रकाशन के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि दिनांक 02.09.25 को 10:30 बजे पूर्वाह्न मेरे न्यायालय में आप स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें अन्यथा इस वाद की एकपक्षीय कार्यवाही की जायेगी।

इसे ताकिद जाने।

आज दिनांक 08.08.25 को मेरे न्यायालय से निर्गत किया गया।

डिस्ट्रीक जज XIth
धनबाद

CBC 04106/12/0023/2526

संपादकीय

कोयलांचल संवाद

अब तक का सबसे रोचक उपराष्ट्रपति पद का चुनाव?

संसद का मानसून सत्र शुरू होने के तुरंत बाद राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा हो गया। जिसके कारण रिक्त पद पर उपराष्ट्रपति पद का चुनाव होने जा रहा है। इस्तीफा देने के बाद से पूर्व उपराष्ट्रपति जयदीप धनखड़ अज्ञातवास में है। इस्तीफा के कारणों को लेकर भी तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। इसी बीच उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई। संसद के दोनों सदनों में पहले ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद एसआईआर को लेकर दोनों सदनों में हंगामा होता रहा। सरकार ने बिना चर्चा के एक दर्जन से ज्यादा बिल हंगामा के बीच पास कर दिये। ऑपरेशन सिंदूर में दोनों सदनों में लगभग 16-16 घंटे की चर्चा हुई। इसके अलावा संसद में कोई कामकाज नहीं हुआ। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में जिस तरह की तनातनी चल रही है। इस बीच सरकार ने एक नया बिल पेश किया। इस बिल को जेपीसी के पास भेज दिया गया है। यदि यह बिल पास हो जाता है, तो केंद्र में जो भी सरकार होगी। वह विपक्षी दलों की राज्य सरकारों को या किसी भी प्रदेश की राजनीति को अपने ढंग से चलाने में सक्षम हो जाएगी। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय द्वारा विपक्षी दलों के नेताओँ पर 5000 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिनकी जांच चल रही है। कई नेता और अधिकारी जो नया बिल सरकार लेकर आ रही है उसके अनुसार 30 दिन कोई भी मुख्यमंत्री, मंत्री अथवा प्रधानमंत्री हिरासत में रहता है। ऐसी स्थिति में उसे उसके पद से हटाया जा सकता है। ईड़ी का जो कानून है, उसके अनुसार न्यायालय से जमानत मिलने का कोई प्रावधान नहीं है। ईड़ी के पास असीमित शक्तियां हैं। पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों के नेताओं के ऊपर जिस तरीके की कार्रवाई हुई है। उन्हें न्यायालय से जमानत नहीं मिल पाई। कई राज्यों में ईड़ी के कारण विपक्षी दलों की सरकार गिर गई या राजनीतिक अस्थिरता फैल गई। इस बिल को सभी क्षेत्रीय राजनीतिक दलों और विपक्षी दलों में इस बात का भय उत्पन्न हो गया है। यह बिल पास हो जाएगा, उसके बाद देश में विपक्षी राजनीतिक दलों और क्षेत्रीय दलों का कोई काम नहीं रह जाएगा। ऐसे विषम स्थिति पर उपराष्ट्रपति पद का चुनाव होने जा रहा है। सत्ता पक्ष की ओर से महाराष्ट्र के राज्यपाल राधाकृष्णन को चुनाव मैदान में उतरा गया है। वह संघ एवं भाजपा से कई दशकों से जुड़े हुए हैं। झारखंड में हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री रहते हुए राजभवन से गिरफ्तार किया गया था। तब वह झारखंड के राज्यपाल थे। जगदीप धनखड़ भी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे। उन्हें प्रधानमंत्री मोदी ने उपराष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ाकर राज्यसभा का सभापति बना दिया था। राज्यसभा में उन्होंने किस तरीके से काम किया है। यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष जिस तरह से सरकार के ही इशारे पर संसदीय कार्य करते हैं। उससे संसदीय परंपरा मैं विपक्ष मरणासन्न अवस्था में पहुंच गया है। वर्तमान स्थिति में मोदी सरकार गठबंधन की सहायता से चल रही है। राहुल गांधी ने लोकसभा 2024 और विधानसभाओं के चुनावों में जिस तरह की गड़बड़ियों हुई हैं। इसको उजागर कर चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। सभी विपक्षी राजनीतिक दल, चुनाव आयोग के खिलाफ एकजुट है। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चल पा रही थी। इसी बीच सरकार द्वारा जो बिल संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत किया गया है। उसमें 30 दिन तक कोई भी मुख्यमंत्री अथवा मंत्री गिरफ्तार किया जाता है, 30 दिन हिरासत में रहता है। ऐसी स्थिति में उसे बर्खास्त किया जा सकता है। इसको लेकर एनडीए गठबंधन में शामिल राजनीतिक दल भी सरकार के इस बिल को लेकर कहीं ना कहीं संसय में आ गए हैं। सत्ता पक्ष ने तमिलनाडु के सीपी राधा कृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में उम्मीदवार बनाया है। इंडिया गठबंधन में फूट डालने और सत्ता पक्ष ने तमिल की राजनीति में एक दांव चला था। विपक्ष ने उसकी पहचाना, विपक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जो आंध्र प्रदेश से आते हैं। उन्हें उम्मीदवार बनाकर सत्ता पक्ष को कड़ी चुनौती दे दी है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में शह और मात का जो खेल शुरू हुआ है, उसका परिणाम क्या होगा, कहना मुश्किल है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के दोनों उम्मीदवार एक दूसरे को कड़ी प्रतिस्पर्धा दे रहे हैं। जिस तरह का संघर्ष सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच देखने को मिल रहा है वह रोमांचकारी है। विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ सीधी लड़ाई में जनता की अदालत में लड़ाई लड़ रहा है। सत्ता पक्ष अभी तक संवैधानिक संस्थाओं और अदालतों के पीछे छिपकर जो खेल खेल रहा था, उसे विपक्ष ने समझ लिया है। विपक्ष जनता की अदालत में जाकर आर-पार की लड़ाई लड़ने की तैयारी में जुट गया है। चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर को लेकर जो नियम और कानून बनाए थे। राहुल गांधी ने कर्नाटक की एक लोक सभा सीट के एक विधानसभा सीट में चुनाव आयोग द्वारा की गड़बड़ी उजागर किया है। संविधान और लोकतंत्र बचाने यह की एक लड़ाई बना दिया है। इस लड़ाई में उपराष्ट्रपति पद का चुनाव देश के भविष्य को तय करेगा। इसमें कोई संदेह नहीं है। विपक्षी एक जुटता ने सरकार के सामने कई चुनौतियां खड़ी कर दी है। खुदा ना खास्ता विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी यह चुनाव जीत जाते हैं, या बहुत कम वोटो से हारते हैं। ऐसी स्थिति में सरकार के लिए भविष्य में परेशानी खड़ी होगी। केन्द्र की अल्पमत की सरकार कितने दिन चलेगी। यह कहना मुश्किल होगा। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से जिस तरह से इस्तीफा लिया गया है। उसको लेकर भी सांसदों में एक डर और भय देखने को मिल रहा है। भविष्य में इसकी परणति किस रूप में होगी, कहना मुश्किल है। इतना तय है, सत्ता पक्ष और विपक्ष अपने अस्तित्व की अंतिम लड़ाई लड़ने जा रही है। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव परिणाम का ऊंट किस करवट बैठेगा। इसको लेकर सत्ता पक्ष की धड़कने तेज हो गई हैं।

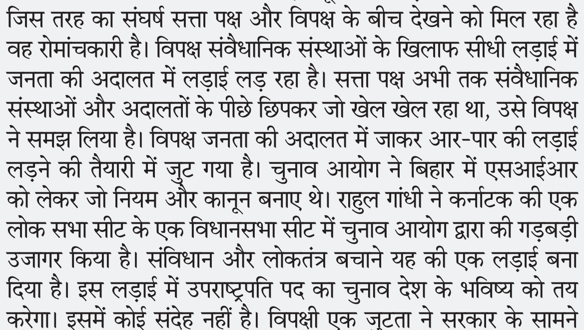

इच्छाओं को समर्पित करते जाओ

सभी इच्छाएं खुशी के लिए होती हैं। इच्छाओं का लक्ष्य ही यही है। किंतु इच्छा आपको कितनी बार लक्ष्य तक पहुंचाती है? इच्छा तुम्हें आनंद की ओर ले जाने का आभास देती है, वास्तव में वह ऐसा कर ही नहीं सकती। इसीलिए इसे माया कहते हैं। इच्छा कैसे पैदा होती है? किसी सुखद अनुभव की स्मृति या भूत के प्रभाव से इच्छा पैदा होती है। कुछ सुनने से भी इच्छा जागृत हो सकती है या किसी विशेष स्थान या व्यक्ति के संपर्क से। किसी और व्यक्ति की जरूरत या इच्छा भी तुम्हारी अपनी इच्छा के रूप में पैदा हो सकती है। मान लो कोई भूखा है, तो तुम्हें उसे खिलाने की इच्छा हो सकती है, या कोई तुमसे बात करना चाहता हो तो तुम्हारी भी उससे बात करने की इच्छा हो सकती है। कभी-कभी नियति या कोई घटना जिसमें तुम्हें भाग लेना है, तुममें इच्छा जाग्रत करती है, पर तुम अपने कृत्यों का कारण नहीं जानते।

इच्छाएं अपने आप उत्पन्न होती हैं, वे तुमसे पूछकर नहीं आतीं। जब इच्छाएं उत्पन्न होती हैं, तुम उनका क्या करते हो? यदि तुम सोचते हो कि तुम इच्छाहीन हो जाओ, तो यह भी एक और इच्छा है। मैं एक उपाय बताता हूं- सिनेमा देखने के लिए टिकट खरीदनी पड़ती है और यह टिकट प्रवेश द्वार पर देनी पड़ती है। यदि तुम उस टिकट को पकड़े रखोगे तो अंदर कैसे जाओगे? उसी प्रकार, यदि तुम किसी कॉलेज में दाखिल होना चाहते हो तो आवेदन पत्र की जरूरत है। उसे भरकर जमा करना पड़ता है। उसे पकड़कर नहीं रख सकते। इसी प्रकार जीवन-यात्रा में भी अपनी इच्छाओं को पकड़कर मत रखो, उन्हें समर्पित करते जाओ। जैसे-जैसे समर्पण करते जाओगे, इच्छाएं भी कम उत्पन्न होंगी। सौभाग्यवान वे हैं जिनमें इच्छा उत्पन्न ही नहीं होती, क्योंकि इच्छा जागृत होने के पहले ही वे तृप्त हैं।

अमेरिका, भारत-रूस और तेल व्यापार इसे इस नजरिए से भी देखिए !

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

आज की दुनिया में ऊर्जा सिर्फ एक वस्तु नहीं है, बल्कि हर देश की आर्थिक रीढ़ और सामरिक शक्ति का आधार है। तेल और गैस वैश्विक राजनीति के सबसे अहम औज़ार बन चुके हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए, लेकिन इसने रूस को रोकने के बजाय उसे नए बाज़ारों की ओर मोड़ दिया। भारत और चीन जैसे बड़े उपभोक्ता देशों के लिए यह एक अवसर बनकर आया। भारत, जो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है, उसने रूस से रिकॉर्ड स्तर पर सस्ता कच्चा तेल खरीदना शुरू किया। आज यही बात अमेरिका को खटक रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25% से बढ़ाकर 50% तक अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, सिर्फ इसलिए कि भारत अपनी जनता और उद्योग को रूस से सस्ता तेल खरीदकर राहत दे रहा था। जबकि चीन, जो रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है, उस पर अमेरिका ने अपेक्षाकृत नरमी बरती। यही नहीं, चीन के रिफाइनर रूस से पश्चिमी हिस्से का यूराल तेल खरीदकर और भी फायदा उठा रहे हैं। अगस्त 2025 के आँकड़ों के अनुसार, चीन ने लगभग 75,000 बैरल प्रतिदिन यूराल तेल खरीदा, जबकि उसका औसत पहले 40,000 बैरल था। दूसरी तरफ, भारत का आयात घटकर 4 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जबकि पहले यह 11.8 लाख बैरल प्रतिदिन था।

आज भारत के लिए रूस से तेल खरीदने के पीछे दो प्रमुख कारण हैं। पहला, कीमत। जब पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाए, तो रूस ने तेल पर भारी छूट देनी शुरू की। 2022–23 में रूस भारत को 20 लाख बैरल प्रतिदिन तक तेल बेच रहा था, और यह तेल मध्य पूर्व की तुलना में 20–30 डॉलर प्रति बैरल सस्ता था। दूसरा कारण है ऊर्जा सुरक्षा। भारत की कुल ऊर्जा खपत का 85% हिस्सा आयात से आता है। ऐसे में सस्ती सप्लाई पाना भारत के लिए सिर्फ विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता थी। अगर अमेरिका यह कहता है कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर मुनाफा कमा रहा है, तो इसमें गलत क्या है? क्या अमेरिका की तेल कंपनियाँ केवल मानव सेवा के लिए काम करती हैं? क्या अमेरिकी शेल ऑयल इंडस्ट्री सिर्फ घाटे में चलाने के लिए बनाई गई है? बिल्कुल नहीं। दुनिया का हर देश और हर कंपनी मुनाफे के लिए ही काम करती है, फिर भारत के मुनाफे पर अमेरिका की आपत्ति क्यों?

व्हाइट हाउस के सलाहकार पीटर नवारो ने भारत की तेल खरीद को "opportunistic and very bad" कहा। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने तो यहाँ तक कह दिया कि भारत रूसी तेल खरीदकर सिर्फ अमीर भारतीय परिवारों को फायदा पहुँचा रहा है। उन्होंने दावा किया कि भारत ने 16 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त मुनाफा कमाया है। लेकिन अगर यही तर्क मान लिया जाए, तो अमेरिका की शेल गैस कंपनियाँ, तेल निर्यातक, हथियार निर्माता और फार्मा कंपनियाँ भी तो मुनाफा ही कमा रही हैं। तो फिर भारत के मुनाफे पर इतनी तकलीफ क्यों? असलियत यह है कि अमेरिका दुनिया की ऊर्जा राजनीति पर अकेले अपना दबदबा बनाए रखना चाहता है।

यहाँ यह भी समझना जरूरी है कि भारत की रूस पर निर्भरता कोई स्थायी नहीं है, बल्कि व्यावहारिक है। भारत 2021 तक रूस से अपनी ज़रूरत का केवल 1% से भी कम तेल खरीदता था। लेकिन पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद रूस ने डिस्काउंट देना शुरू किया और भारत ने इसका फायदा उठाया। इससे भारतीय जनता को महंगे पेट्रोल-डीज़ल से कुछ राहत मिली और रिफाइनरी कंपनियों को भी प्रतिस्पर्धी बढ़त मिली। लेकिन जैसे ही अमेरिका ने दबाव बनाया और टैरिफ बढ़ाया, भारत की खरीद कम हो गई। परिणाम यह हुआ कि चीन ने यह अवसर तुरंत लपक लिया और रूस से ज्यादा तेल खरीदना शुरू कर दिया। क्या अमेरिका को इस पर आपत्ति है? नहीं। क्यों? क्योंकि चीन से टकराने की अमेरिका की हिम्मत नहीं है।

अमेरिका की नीति का एक और पहलू यह है कि वह भारत पर दबाव डालकर अपने तेल को बेचने का रास्ता साफ करना चाहता है। आंकड़े बताते हैं कि 2025 की पहली छमाही में भारत का अमेरिका से तेल आयात 51% बढ़कर 2.71 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुँच गया था, सबसे बड़ी बात यह है कि यह वृद्धि 2024 की पहली छमाही में 1.8 लाख बैरल प्रति दिन की तुलना में काफी अधिक है, फिर भी उसका मन नहीं भर रहा है। यानी, अमेरिका चाहता है कि भारत किसी भी सूरत में रूस से तेल न खरीदे और मजबूरी में उससे खरीदे। यह एक प्रकार का आर्थिक ब्लैकमेल है। भारत को सस्ते विकल्प छोड़कर महंगे विकल्प अपनाने के लिए मजबूर करना किसी भी तरह न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता।

भारत सरकार ने अमेरिका की इस नीति का विरोध भी किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत की तेल खरीद जरूरत के हिसाब से है, और पश्चिमी देश खुद भी रूस से कुछ व्यापार जारी रखे हुए हैं। यानी, जो काम अमेरिका और यूरोप खुद करें तो सही, लेकिन भारत करे तो गुनाह। भारत ने साफ कर दिया है कि वह अपनी जनता को सस्ता ऊर्जा स्रोत देने के लिए हर संभव कदम उठाएगा। यही भारत का अधिकार है और यही किसी भी संप्रभु राष्ट्र की स्वतंत्रता का हिस्सा है।

आज जिस तरह के आंकड़े सामने आ रहे हैं, उससे पता चलता है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज और अन्य निजी कंपनियाँ भी रूस से तेल खरीदकर अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में पेट्रोलियम उत्पाद बेच रही हैं। इससे भारत को विदेशी मुद्रा आय हुई है। अगर चीन यही काम करे तो उसे "व्यापारिक चतुराई" कहा जाता है, लेकिन भारत करे तो उसे "खतरनाक" कहा जाता है। यह भेदभाव अब दुनिया की नज़र से छिपा नहीं है।

वस्तुतः अमेरिका यह चाहता है कि ऊर्जा संसाधनों का उपयोग उसकी विदेश नीति के औज़ार के रूप में हो। रूस को कमजोर करना, चीन को नियंत्रित करना और भारत को अपने खेमे में बनाए रखना, यह उसकी रणनीति है। लेकिन नया विश्व, जिसे हम Global South कहते हैं, अब इस दबाव को स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है। भारत, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका जैसे देश अब बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं। इन देशों की आवाज़ अब संयुक्त राष्ट्र और जी-20 जैसे मंचों पर गूंज रही है। तेल पर प्रतिबंध लगाना या टैरिफ के माध्यम से दबाव बनाना वास्तव में विकासशील देशों को पीछे धकेलना है। ऊर्जा के बिना विकास असंभव है। यदि भारत को सस्ता तेल रूस से मिलता है, तो इससे उद्योग को राहत मिलेगी, महंगाई नियंत्रित होगी और विकास तेज़ होगा।

अमेरिका का यह कहना कि भारत मुनाफा कमा रहा है, दरअसल उसकी अपनी खीझ का परिणाम कहा जा सकता है। अमेरिका को आज यह स्वीकार करना होगा कि हर देश अपने हित में काम करता है। भारत का रूस से तेल खरीदना न तो अनुचित है और न ही गैरकानूनी। यह पूरी तरह व्यावहारिक और आवश्यक कदम है। इसलिए अमेरिका को भारत की तेल खरीद पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

विधेयक पर हंगामा क्यों, जब मुद्दा है राजनीतिक शुचिता का

ललित गर्ग

गंभीर आपराधिक आरोपों में घिरे नेता चाहे वे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं मंत्री ही क्यों न हो, उनकी गिरफ्तारी या हिरासत के बाद एक निश्चित अवधि बीत जाने पर हटाने की व्यवस्था वाले विधेयक को जब केन्द्र सरकार ने लोकसभा में प्रस्तुत किया तो जरूरत से ज्यादा हंगामा एवं विरोध समझ में नहीं आया। इस तरह ईमानदार, अपराधमुक्त राजनीति एवं चरित्रसम्पन्न-पवित्र राजनेताओं की पैरवी वाले विधेयक पर हंगामा लोकतंत्र की गरिमा को आहत करता है। गृहमंत्री अमित शाह ने सूझबूझ का परिचय देते हुए अपनी ओर से इन विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव रखा, जिसे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने स्वीकार भी कर लिया, अब तो विपक्ष को विरोध एवं हंगामें को विराम देते हुए इस पर विचार करना चाहिए कि आखिर ऐसी ईमानदार, समानतापूर्ण एवं आदर्श व्यवस्था क्यों नहीं बननी चाहिए, जिससे उच्च पदों पर बैठे नेताओं के गंभीर अपराधों में गिरफ्तारी अथवा हिरासत में लिये जाने पर उनके लिये पद छोड़ना आवश्यक हो जाये? आखिर इस आदर्श व्यवस्था में समस्या क्या है? क्यों विपक्ष नैतिक एवं आदर्श राजनीतिक व्यवस्था में अवरोधक बनकर अपने नैतिक चरित्र पर प्रश्न खड़े कर रहा है? क्या इस विधेयक का असर सत्तापक्ष के नेताओं पर नहीं होगा?

आजादी के बाद से कतितय राजनीतिक विसंगतियों के चलते राजनीति में अपराधी तत्वों का वर्चस्व बना रहा है। जनता यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वह अपना प्रतिनिधि चुनती है, वे अपराधमुक्त, निष्कलंक, ईमानदार और चरित्रवान हों। परन्तु स्थिति इसके विपरीत दिखती रही है। एक ओर जनप्रतिनिधि अपराधों में संलिप्त पाए जाते हैं, दूसरी ओर वे पद से इस्तीफा देने या सार्वजनिक जीवन से दूर रहने के बजाय सत्ता की कुर्सी से चिपके रहते हैं। यही प्रवृत्ति जनता के विश्वास को तोड़ती है और राजनीति को संदेह के घेरे में डाल देती है। यह प्रश्न अब और गंभीर हो उठा है कि क्या ऐसे व्यक्तियों को शासन और सत्ता के उच्च पदों पर बने रहने का अधिकार होना चाहिए? क्या लोकतंत्र का आधार अपराध और भ्रष्टाचार पर खड़ा किया जा सकता है? निश्चित ही नहीं। जब तक राजनीति से अपराधी तत्वों का निष्कासन नहीं होगा, तब तक न तो सुशासन स्थापित हो सकता है न ही नया भारत, विकसित भारत एवं आदर्श भारत बन सकता है और न ही राजनीति के प्रति जनता का भरोसा लौट सकता है।

आज समय आ गया है कि नए कानून बनाकर राजनीति को अपराधमुक्त बनाने की दिशा में ठोस एवं कारगर कदम उठाए जाएं। यह केवल चुनाव सुधार का मामला नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा को बचाने का प्रश्न है। ऐसे प्रावधान होने चाहिए कि जिस क्षण कोई जनप्रतिनिधि गंभीर अपराध में आरोपित होकर जेल भेजा जाए या आरोप सिद्ध होने तक हिरासत में रहे, वह स्वचालित रूप से अपने पद से मुक्त हो जाए। इस्तीफे की प्रतीक्षा या राजनीतिक दबाव की आवश्यकता ही न रहे। अनेक नेताओं ने ऐसा आदर्श प्रस्तुत भी किया, लेकिन आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा आदि अनेक पार्टियों के नेताओं ने जेल से सरकारें चलाने एवं मंत्री पद पर बने रहने के काले अध्याय रचे हैं, इसी के चलते इस नये विधेयक की अपेक्षा सामने आई।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में स्वच्छ राजनीति केवल आदर्श नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। जब सत्ता और शासन के केंद्र में अपराधी मानसिकता के लोग बैठते हैं, तो वे शासन को अपने स्वार्थ और अपराधों की ढाल बना लेते हैं। इससे न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था खोखली होती है, बल्कि आम जनता का जीवन भी संकट में पड़ता है। भ्रष्टाचार, धनबल, बाहुबल, भाई-भतीजावाद, हिंसा और अनैतिकता का वातावरण उसी समय पनपता है, जब राजनीति अपराधियों के कब्जे में जाती है। ईमानदार और स्वच्छ छवि वाले नेताओं की मांग आज पहले से अधिक बढ़ गई है। जनता ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो अपने आचरण से उदाहरण प्रस्तुत करे। राजनीति यदि सेवा और त्याग का माध्यम बनेगी तो ही समाज का कल्याण होगा। जिन नेताओं पर जरा भी संदेह का धुंधलका हो, उन्हें स्वयं स्वेच्छा से पद छोड़ देना चाहिए। यही परंपरा राजनीति को उच्चता और गरिमा प्रदान कर सकती है।

अपराधमुक्त राजनीति केवल नैतिक अपेक्षा नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूरी है। जब तक राजनीति में शुचिता और नैतिकता का स्थान नहीं बनेगा, तब तक सुशासन और ईमानदार प्रशासन की कल्पना अधूरी ही रहेगी। नए कानूनों का निर्माण कर अपराधियों के लिए राजनीति के दरवाजे बंद करना समय की सबसे बड़ी मांग है। यह कदम न केवल लोकतंत्र को सुदृढ़ करेगा, बल्कि जनता के भीतर यह विश्वास भी जगाएगा कि राजनीति वास्तव में लोककल्याण के लिए है, न कि अपराधियों की शरणस्थली। यही अपराधमुक्त राजनीति का दर्शन है, जहां सत्ता अपराधियों का आश्रय-स्थल न होकर समाज की नैतिक ऊर्जा का केंद्र बने। यही उसकी सबसे बड़ी उपयोगिता है कि वह लोकतंत्र को उसकी वास्तविक आत्मा लौटाए और राजनीति को सेवा, शुचिता और ईमानदारी का प्रतीक बनाए।

भारतीय लोकतंत्र में पिछले कुछ वर्षों से राजनीति और अपराध के गठजोड़ को लेकर गहरी चिंता लगातार उठती रही है। जनता बार-बार यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वे संसद और विधानसभा भेजते हैं, वे न केवल ईमानदार और पारदर्शी हों बल्कि उनके चरित्र और आचरण पर कोई दाग न हो। किंतु बार-बार यही देखने को मिलता है कि गंभीर आपराधिक मामलों में फंसे नेता भी उच्च पदों पर बने रहते हैं और शासन-सत्ता का उपयोग अपने बचाव के लिए करते हैं। इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार द्वारा संसद में पेश किया गया नया विधेयक (संविधान का 130वां संशोधन) एक ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है, केन्द्र सरकार इन विधेयकों को भ्रष्टाचार एवं अपराध विरोध बता रही है, जबकि विपक्ष इससे सहमत नहीं। उनकी असहमति अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रही है कि आखिर विपक्ष दागियों की वकालत करते हुए वह स्वयं भी दागी क्यों बन रही है? आशंका जताई जा रही है कि यदि यह संशोधन पारित हो गया तो विपक्ष-शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और मंत्री अस्थिर हो सकते हैं, उनके पद संकट में पड़ सकते हैं। दरअसल यह विरोध केवल विधेयक का नहीं बल्कि अपनी राजनीतिक सुविधा, अपनी सत्ता बचाने और सुरक्षा का है। प्रश्न यह उठता है कि क्या विपक्ष वास्तव में अपराधमुक्त राजनीति नहीं चाहता? क्या केवल सत्ता में बने रहने के लिए राजनीति को अपराधियों का अड्डा बनाए रखना आवश्यक है?

विपक्ष का तर्क है कि सरकार इस विधेयक का दुरुपयोग कर सकती है, और केवल आरोप लगाकर भी नेताओं को पद से हटाया जा सकता है। लेकिन सच्चाई यह है कि लोकतंत्र में जब तक कानून कठोर और स्पष्ट नहीं होगा, तब तक राजनीति से अपराध का सफाया संभव नहीं है। यदि किसी निर्दोष व्यक्ति पर आरोप गलत सिद्ध होता है तो उसके लिए पुनः प्रतिष्ठा अर्जित करने के रास्ते खुले रहेंगे, परंतु गंभीर आरोपियों को शासन की कुर्सी पर बने रहने देना लोकतंत्र के साथ अन्याय है, उसकी मूल आत्मा को ध्वस्त करना है। ऐसा अरविन्द केजरीवाल ने पहली बार किया और जेल से ही सरकार चलाने का दम भरते रहे।

आज देश 'विकसित भारत' के संकल्प की ओर बढ़ रहा है। विकसित भारत का सपना केवल तकनीकी प्रगति या आर्थिक मजबूती से पूरा नहीं होगा, बल्कि इसके लिए स्वच्छ, ईमानदार और पारदर्शी राजनीति आवश्यक है। राजनीति में अपराधियों की घुसपैठ न केवल लोकतंत्र की नींव को कमजोर करती है बल्कि जनता के विश्वास को भी तोड़ती है। अपराधमुक्त राजनीति न केवल आदर्श है बल्कि सुशासन और विकास की बुनियादी शर्त है। इसलिए आवश्यक है कि ऐसे विधेयक का स्वागत किया जाए, क्योंकि यह राजनीति को शुचिता, नैतिकता और जनहित के मार्ग पर ले जाने का प्रयास है। राजनीति में एक नये सूरज का उदय है। विपक्ष यदि इसका विरोध करता है तो यह सवाल स्वतः उठता है कि क्यों विपक्ष अपराधमुक्त राजनीति का विरोध करके अपराधियों का संरक्षण कर रहा है? क्या उसे अपने ही दागी नेताओं के लिए भय है? लोकतंत्र को बचाने और मजबूत करने के लिए यह विधेयक समय की मांग है। नया भारत तभी विकसित भारत बनेगा जब उसकी राजनीति अपराधियों से मुक्ति होगी। अपराधमुक्त राजनीति से ही सुशासन आएगा, ईमानदार नेतृत्व पनपेगा और जनता के बीच विश्वास की नई रोशनी जगेगी। यही लोकतंत्र की असली जीत होगी।

आध्यात्मिकता में माता-पिता का सर्वश्रेष्ठ स्थान-बड़े बुजुर्ग वृद्धजन ईश्वर अल्लाह का रूप

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता में आस्था जग प्रसिद्ध है। अपने माता- पिता और बड़े बुजुर्गों का जितना सम्मान भारतीय संस्कृति में सदियों से प्रवाहित हो रहा है, शायद दुनियाँ में कहीं नहीं देखने को मिलेगा। परंतु दुर्भाग्य से कहना पड़ रहा है कि माता-पिता बड़े बुजुर्गों के सम्मान की इतनी धारदार कट्टरता अभी कुछ वर्षों से तीव्रता से कम होती जा रही है। याने पाश्चात्य संस्कृति की छाया भारतीय समाज में तीव्रता से बढ़ती जा रही है। आज माता-पिता अपने बच्चों को अपना पेट काटकर ऊंचे से ऊंची शिक्षा दिलाकर डॉक्टर इंजीनियर सीए सहित अनेक प्रोफेशनल डिग्रियां दिलाकर उच्च मुकाम पर पहुंचा रहे हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि कुछ अपवादों को छोड़कर उन्हीं नवयुवकों द्वारा अपने अपने माता-पिता को छोड़कर अपनें भविष्य, अपनी जिंदगी,अपनी लाइफ स्टाइल के नाम पर बड़े शहरों, विदेशों में जॉब के नाम पर जाकर वही सेट हो जाते हैं। अनेक युवा वही शादी कर लेते हैं तो कुछ अपने नाटिव स्थान पर शादी करके फैमिली सहित वापस बड़े शहर या विदेश में चले जाते हैं और बेचारे मां-बाप वही अपनी तंगी हालत में जीते हैं। ऐसे अनेक हकीकत किस्से हर शहर, गांव में आम होते जा रहे हैं हमारी कॉलोनी में भी कई किस्से मेरी नजरों के सामने हैं जो बेचारे फटी पेंट या धोती पहन कर गुजारा कर रहे हैं और उनके बच्चे ब्रांडेड चीजों को वापरकर अपनी पाश्चात्य लाइफ स्टाइल जी रहे हैं जिसका कोई फायदा नहीं है। मेरा मानना है कि ऐसे युवक इस नाइंसाफी का बीज बो रहे हैं जो आगे चलकर अपने बच्चों से वटवृक्ष के रूप में परेशानियों से भरा पाएंगे। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे आओ अपने माता-पिता बड़े बुजुर्गों वृद्धजनों का सम्मान और उनकी देखभाल करें।

साथियों बात अगर हम आध्यात्मिक आस्था की करें तो, हम लोग पूजा-पाठ बहुत करते हैं, लेकिन हमें सकारात्मक फल नहीं मिल पाते हैं। मेरा मानना है कि सिर्फ पूजा से जीवन में सुख-शांति नहीं मिल सकती है। अपना आचरण भी अच्छा बनाए रखना जरूरी है। हम लोग माता-पिता का सम्मान नहीं करते हैं और सिर्फ पूजा-पाठ करते हैं, तो हमें सुख शांति नहीं मिल पाती है। देवी-देवता भी उन्हीं लोग पर कृपा करते हैं जो अपने माता-पिता का पूरा सम्मान करते हैं और उनके सुख-दुख का ध्यान रखते हैं। साथियों बात अगर हम हमारे शास्त्रों में बुजुर्गों के सम्मान की करें तो,यजुर्वेद का उल्लेख, हमारे शास्त्रों में भी बुजुर्गों का सम्मान करने की राह दिखलायी गई है यजुर्वेद का निम्न मंत्र संतान को अपने माता-पिता की सेवा और उनका सम्मान करने की शिक्षा देता है-

यदापि पोष मातरं पुत्रः प्रभुदितो धयान्।
इतदगे अनृणो भवाम्यहतौ पितरौ ममां॥

अर्थात् जिन माता-पिता ने अपने अथक प्रयत्नों से पाल पोसकर मुझे बड़ा किया है, अब मेरे बड़े होने पर जब वे अशक्त हो गये हैं तो वे जनक-जननी किसी प्रकार से भी पीड़ित न हों, इस हेतु मैं उसी की सेवा सत्कार से उन्हें संतुष्ट कर अपा आनृश्य (ऋण के भार से मुक्ति) कर रहा हूँ। आज अंतरराष्ट्रीय स्तरपर हम मनीषियों को को यह समझने की जरूरत है कि वरिष्ठ नागरिक, वृद्धजन, बड़े बुजुर्ग हमारे समाज की अनमोल विरासत होते हैं, उन्होंने अपने समाज और देश को बहुत कुछ दिया है। वह हमारी धरोहर हैं, अनुभवों का एक खजाना है जो किसी भी देश की उन्नति के लिए मूल्यवान मंत्र है जिसका सही दिशा में उपयोग किया जाए तो उस देश को सामाजिक- आर्थिक नैतिक संपन्नता से नवाज़ने से कोई नहीं रोक सकता क्योंकि उनके अनुभवों के साथ उनका आशीर्वाद भी काम करता है जिसमें स्वयं ईश्वर अल्लाह भी हस्तक्षेप नहीं कर सकते इतनी ताकत होती है आशीर्वाद या दुआ में,इसलिए हमें चाहिए कि बड़े बुजुर्गों के अनुभवों और सीख़ से हम जीवन में आई विपत्तियों से पार पाने में सक्षम हों।आओ वृद्धावस्था को सुखी बनाएं-उनका आशीर्वाद लें।

साथियों बात अगर हम माता पिता बड़े बुजुर्ग वृद्धजनों के सम्मान की करें तो, बचपन से ही हमें घर में शिक्षा दी जाती है कि हमें अपने से बड़ो का सम्मान करना चाहिए। वरिष्ठजन हमारे घर की नींव होते हैं। बुजुर्गों का आशीर्वाद बहुत भाग्य वालों को मिलता है इसलिए सभी को अपने से बड़ों और वरिष्ठजनों का सम्मान करना चाहिए। लेकिन आज के समय में ये कहना अनुचित नहीं होगाकि अबये मात्र औपचारिकता रह गई है। लेकिन हर व्यक्ति को वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान और आदर की भावना रखनी चाहिए। हमारे देश में बड़े लोगों को ईश्वर अल्लाह के तुल्य और उनके आशीर्वाद को किसी भी काम में सबसे बड़ा सहायक माना जाता है, इसलिए हमारे देश में सभी अपने से बड़ों का सम्मान और आदर करते हैं। फिलहाल अब हालात काफी बदल गए हैं। कई मामलों में वृद्धजनों को अपनी संतानों द्वारा मुश्किलें और दिक्कतें झेलते देखा गया है.

जॉली एलएलबी 3 में अक्षय कुमार के साथ होंगे अरशद वारसी और सौरभ शुक्ला

बालीवुड के खतरों के खिलाडी अक्षय कुमार एक बार फिर वकील के गाउन में लौट रहे हैं। साल की सबसे बेसब्री से इंतज़ार की जाने वाली फ़िल्म – जॉली एलएलबी 3 में वह वकील का रोल निभाएंगे। परफॉर्मेंस में अक्षय कुमार बार-बार साबित कर चुके हैं कि कोर्टरूम ड्रामा में वो नैचुरल फिट हैं।
अक्षय के पास वो अनोखी कला है जिसमें एक फ्रेम में हीरो जैसा टशन और इमोशन का तूफ़ान दोनों आ जाते हैं – चाहे कोर्ट में गरमागरम बहस की इमोशनल गंभीरता हो या फिर टाइमिंग पर दिया हुआ ऐसा पंच जो माहौल हल्का कर दे। यही बैलेंस उन्हें बार-बार अलग खड़ा करता है – और जॉली एलएलबी 3 में भी फैंस को यही तड़का मिलने वाला है। जॉली एलएलबी 3 के टीज़र को पहले ही ऑडियंस और इंडस्ट्री से जबरदस्त प्यार मिल चुका है – वादा है कि इस बार भी कोर्ट में भिड़ंत होगी, लेकिन साथ में मिलेगा ह्यूमर का नमक, ड्रामा का मसाला और कॉमेडी का चटपटा तड़का – जो इस फ्रेंचाइज़ी की पहचान है।
इस बार साथ होंगे अरशद वारसी और सौरभ शुक्ला अपने फेमस किरदारों में – यानी तैयार हो जाइए जॉली बनाम जॉली के धांसू टकराव के लिए! सबहाश

कपूर के लिखे और डायरेक्ट किए, और आलोक जैन व अजीत अंधारे के प्रोड्यूस किए हुए जॉली एलएलबी 3 में दांव पहले से कहीं ज्यादा ऊंचे हैं – रेज़र-शार्प ह्यूमर और सोचने पर मजबूर करने वाली कहानी का कॉम्बिनेशन। कोर्टरूम के इस अखाड़े में ऑडियंस की नज़रें लगी रहेंगी आख़िरी फैसले तक।

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, भादो कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, 30, शनिवार, मघा नक्षत्रे, वल योगे, नाम करणे, सिंह की चंद्रमा, स्नान दान, अमावस्या 30, ओम हूं फट इति मंत्रेण कुशोत्पाटनम सांय कन्यायाम भानु तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल..........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर किन्तु जिद्दी-हठी, स्वतंत्र विचार का मुहफट, उद्देश्यपूर्ण करने वाला, बड़ा कुशल, उद्यमी, वक्ता-अधिवक्ता, राजनीतिज्ञ तथा सैनिक, सिपाही, कमांडर होगा।

मेष :- आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, दैनिक कार्यगति में सुधार होगा, कार्ययोजना अवश्य बनेगी।

वृष :- समय की अनुकूलता से लाभांवित होंगे, विवादग्रस्त होने से अवश्य बचें।

मिथुन :- मनोबल उत्साह वर्धक होगा, इष्ट मित्र सुखवर्धक रहें, विशेष कार्य अवश्य ही बनेंगे।

कर्क :- स्वास्थ्य हानि से बेचैनी, मानसिक उद्विघ्नता, शरीर क्षमता कमजोर पड़ेगी, ध्यान रखें।

सिंह :- आशानुकूल सफलता का हर्ष, कार्यवृत्ति में सुधार के योग बनेंगे, समय का ध्यान अवश्य रखें।

कन्या :- समय पर सोचे हुए कार्य बनेंगे किन्तु कुछ बाधा व विलम्ब अवश्य होगा।

तुला :- मानसिक क्लेश व अशांति, मनोवृत्ति मलिन रहे तथा विरोधी तत्व परेशान अवश्य करें।

वृश्चिक :- आर्थिक योजना पूर्ण हों, सफलता के साधन जुटायें, कार्य संतोष की चिन्ता होगी।

धनु :- कार्य योजना फलीभूत होगी, आशानुकूल सफलता से हर्ष होगा, रुके कार्य बनेंगे।

मकर :- इष्ट मित्रों से सुख-ऐश्वर्य की प्राप्ति, स्त्री वर्ग से हर्ष, तनाव तथा क्लेश, अशांति बनेगी।

कुम्भ :- मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि, कार्य कुशलता से संतोष एवं रुके कार्य बनेंगे।

मीन :- दैनिक कार्यगति में सुधार, प्रत्येक कार्य में बाधा उद्विघ्नता अवश्य बनेगी।

अब 'द बंगाल फाइल्स' लेकर आ रहे विवेक रंजन अग्निहोत्री

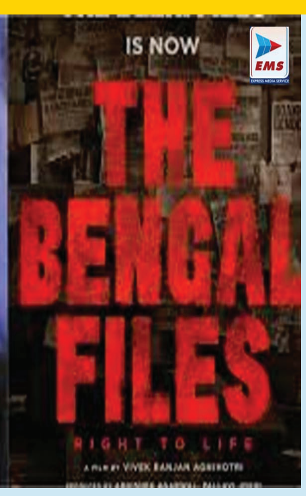

रक्तरंजित गलियां, धर्मांध लोग और एक दूसरे को खत्म करने के इरादे से ललकारते लोग सीन दर सीन नजर आते हैं। घुसपैठियों से लेकर जिन्ना और महात्मा गांधी के मध्य हुई बातचीत का भी एक अंश है। फिल्मकार विवेक रंजन अग्निहोत्री ने कोलकाता में ट्रेलर लॉन्च इवेंट में कहा, द बंगाल फाइल्स एक चेतावनी है, एक हुंकार कि हम बंगाल को दूसरा कश्मीर नहीं बनने देंगे। हिंदू नरसंहार की अनकही कहानी को प्रामाणिकता प्रदान करने के लिए हमने कोलकाता में ट्रेलर लॉन्च करने का फैसला किया, और आप ट्रेलर में इसकी एक झलक देखेंगे। देश को तैयार रहना चाहिए क्योंकि अगर कश्मीर ने आपको चोट पहुंचाई, तो बंगाल आपको परेशान करेगा।
वहीं, फिल्म के कलाकार मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, द बंगाल फाइल्स में वह सब कुछ है जिसकी दर्शकों ने कभी उम्मीद नहीं की थी। मेरे लिए सिनेमा का यही उद्देश्य है, बदलाव लाना और वह दिखाना जो लोगों को देखने की जरूरत है। मैं आपको बता दूं, मैं आप सभी का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं। इस किरदार ने मुझे हमेशा आपके करीब पहुंचाया है और यह आपके लिए भी ऐसा ही करेगा। फिल्ममेकर विवेक रंजन अग्निहोत्री की द बंगाल फाइल्स इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। फिल्ममेकर की सच उजागर करने वाली फाइल्स ट्रिलॉजी का यह तीसरा पार्ट है; इससे पहले द कश्मीर फाइल्स और द ताशकंद फाइल्स आ चुकी हैं। इसमें मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, अनुपम खेर और दर्शन कुमार नजर आएंगे।

मशहूर फिल्ममेकर विवेक रंजन अग्निहोत्री की आने वाली फिल्म द बंगाल फाइल्स में पश्चिम बंगाल के हिंसक राजनीतिक अतीत पर से पर्दा उठाने की कोशिश की गई है। फिल्म का ट्रेलर रीलिज हो गया है। यह फिल्म 16 अगस्त 1946 डायरेक्ट एक्शन डे की क्रूरता को भी दर्शाती है।

ट्रेलर में इतिहास के काले अध्याय की झलक है। निर्माताओं के मुताबिक फिल्म सच्ची घटनाओं पर केंद्रित है। इसकी शुरुआत डाइनिंग टेबल पर बैठे बच्चे का नाम पूछने से होती है। धीरे-धीरे ट्रेलर आगे बढ़ता है तो 1946 और वर्तमान के पश्चिम बंगाल की दुविधा को दर्शाया गया है।

तेलुगु ड्रामा सीरीज में नजर आएगी दिव्या दत्ता

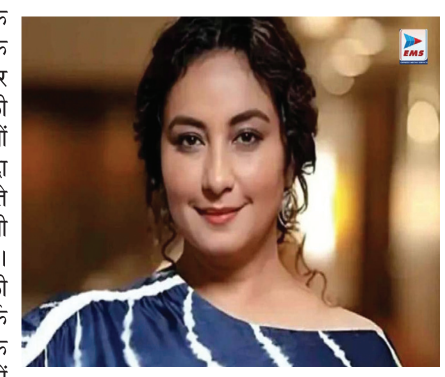

बालीवुड अभिनेत्री दिव्या दत्ता जल्द ही तेलुगु राजनीतिक ड्रामा सीरीज 'मायासभाः द राइज ऑफ द टाइटन्स' में एक मजबूत और चतुर राजनीतिक नेता इरावती बोस के किरदार में नजर आएंगी। इस सीरीज में दिव्या एक ऐसी नेता की भूमिका निभा रही हैं जो अपने लक्ष्य को पाने के लिए लोगों को अपनी बातों में उलझाकर, चतुराई से उनका फायदा उठाती है। दिव्या ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बताया कि इरावती ताकतवर होने के साथ-साथ अपनी कमजोरियों को छुपाकर आगे बढ़ने में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा, "उसकी चालाकी, उसकी योजना बनाने की क्षमता और परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना सिर्फ उसकी ताकत या कमजोरी नहीं है, बल्कि उसके जीवन के अनुभवों को समझने का तरीका है।" एक अभिनेत्री के रूप में दिव्या दत्ता अपने किरदारों में गहराई और बारीकी लाने के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने कहा, "जब हम कोई किरदार निभाते हैं, तो जरूरी होता है कि उसके हर पहलू को अलग-अलग ढंग से दिखाएं – चाहे वह शब्दों की टोन हो, चेहरे के हाव-भाव हों या फिर संवादों की अदायगी में सूक्ष्म परिवर्तन। इससे किरदार दर्शकों के लिए ज्यादा सजीव और प्रभावशाली बनता है।" दिव्या ने 1994 में 'इश्क में जीना, इश्क में मरना' से फिल्मी करियर की शुरुआत की थी और तब से उन्होंने अपने अभिनय से कई जटिल और भावनात्मक भूमिकाओं को बखूबी निभाया है। उनका मानना है कि हर किरदार में थोड़ा-सा मस्ती, चालाकी, समझदारी और इमोशन जोड़ने से वह अधिक मानवीय और जुड़ाव भरा बनता है। 'मायासभाः द राइज ऑफ द टाइटन्स' एक राजनीतिक वेब सीरीज है, जिसका निर्देशन देवा कट्टा और किरण जय कुमार ने किया है। इस सीरीज में दिव्या के साथ-साथ चैतन्य राव, आधी, रवींद्र विजय, नासर, साई कुमार और चरिता वर्मा जैसे अनुभवी कलाकार भी नजर आएंगे। यह सीरीज 1990 के दशक के आंध्र प्रदेश की राजनीति पर आधारित है और इसमें नारा चंद्रबाबू नायडू और वाई. एस. राजशेखर रेड्डी के बीच राजनीतिक रिश्तों और उनके बदलते समीकरणों को नाटकीय अंदाज में दर्शाया गया है। तेलुगु ड्रामा सीरीज में नजर आएगी दिव्या दत्ता बालीवुड अभिनेत्री दिव्या दत्ता जल्द ही तेलुगु राजनीतिक ड्रामा सीरीज 'मायासभाः द राइज ऑफ द टाइटन्स' में एक मजबूत और चतुर राजनीतिक नेता इरावती बोस के किरदार में नजर आएंगी। इस सीरीज में दिव्या एक ऐसी नेता की भूमिका निभा रही हैं जो अपने लक्ष्य को पाने के लिए लोगों को अपनी बातों में उलझाकर, चतुराई से उनका फायदा उठाती है। दिव्या ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बताया कि इरावती ताकतवर होने के साथ-साथ अपनी कमजोरियों को छुपाकर आगे बढ़ने में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा, "उसकी चालाकी, उसकी योजना बनाने की क्षमता और परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना सिर्फ उसकी ताकत या कमजोरी नहीं है, बल्कि उसके जीवन के अनुभवों को समझने का तरीका है।" एक अभिनेत्री के रूप में दिव्या दत्ता अपने किरदारों में गहराई और बारीकी लाने के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने कहा, "जब हम कोई किरदार निभाते हैं, तो जरूरी होता है कि उसके हर पहलू को अलग-अलग ढंग से दिखाएं – चाहे वह शब्दों की टोन हो, चेहरे के हाव-भाव हों या फिर संवादों की अदायगी में सूक्ष्म परिवर्तन। इससे किरदार दर्शकों के लिए ज्यादा सजीव और प्रभावशाली बनता है।" दिव्या ने 1994 में 'इश्क में जीना, इश्क में मरना' से फिल्मी करियर की शुरुआत की थी और तब से उन्होंने अपने अभिनय से कई जटिल और भावनात्मक भूमिकाओं को बखूबी निभाया है। उनका मानना है कि हर किरदार में थोड़ा-सा मस्ती, चालाकी, समझदारी और इमोशन जोड़ने से वह अधिक मानवीय और जुड़ाव भरा बनता है। 'मायासभाः द राइज ऑफ द टाइटन्स' एक राजनीतिक वेब सीरीज है, जिसका निर्देशन देवा कट्टा और किरण जय कुमार ने किया है। इस सीरीज में दिव्या के साथ-साथ चैतन्य राव, आधी, रवींद्र विजय, नासर, साई कुमार और चरिता वर्मा जैसे अनुभवी कलाकार भी नजर आएंगे। यह सीरीज 1990 के दशक के आंध्र प्रदेश की राजनीति पर आधारित है और इसमें नारा चंद्रबाबू नायडू और वाई. एस. राजशेखर रेड्डी के बीच राजनीतिक रिश्तों और उनके बदलते समीकरणों को नाटकीय अंदाज में दर्शाया गया है।

अपनी पहली फिल्म से अभिनेत्री अनीत पड्डा ने बनायी पहचान

अपनी पहली फिल्म 'सैयारा' से ही अभिनेत्री अनीत पड्डा ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली है। कम समय में ही सोशल मीडिया पर उन्हें 'नेशनल क्रश' कहा जाने लगा है। इस अपार प्यार से भावुक होकर अनीत ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने अपने फैंस के लिए दिल छू लेने वाला संदेश लिखा है।

अनीत ने फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें साझा कीं और लिखा, "अब धीरे-धीरे सपने जैसा एहसास खत्म हो रहा है। मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि मैं आपसे प्यार करती हूं। मैं आपको जानती नहीं हूं, लेकिन फिर भी मुझे आपसे प्यार है।" उन्होंने आगे कहा, "आपके प्यार ने मुझे अंदर तक छू लिया है। अब मैं समझ नहीं पा रही कि बदले में क्या करूं, सिवाय इसके कि वो प्यार आपको लौटाऊं।" अपने अभिनय के उद्देश्य पर बात करते हुए अनीत ने कहा, "अगर मेरा काम आपको हंसाए, रुला दे, कुछ ऐसा याद दिलाए जो आप भूल चुके थे या फिर आपका अकेलापन थोड़ा कम करे, तो मैं समझूंगी कि मैं सही दिशा में हूं।" उन्होंने यह भी जोड़ा कि वह हर भूमिका को पूरी मेहनत और सच्चाई के साथ निभाना चाहेंगी, क्योंकि यह उनके और दर्शकों के बीच एक गहरा जुड़ाव बनाता है।

'सैयारा' को मोहित सूरी ने निर्देशित किया है और यह एक म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा फिल्म है।

फिल्म में अनीत ने एक युवा लेखिका वाणी बत्रा का किरदार निभाया है, जो अल्जाइमर से पीड़ित होती है। अनीत की जोड़ी फिल्म में अभिनेता अहान पांडे के साथ बनाई गई है, जिसे दर्शकों से भरपूर प्यार मिला। फिल्म में गीता अग्रवाल, राजेश कुमार, वरुण बडोला, शाद रंधावा और अन्य कलाकारों ने भी अहम भूमिकाएं निभाई हैं। संगीत की बात करें तो इसमें मिथुन, तनिष्क बागची, विशाल मिश्रा और अन्य संगीतकारों ने सुरों का जादू बिखेरा है। अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल की आवाजों ने फिल्म को और भी भावनात्मक बना दिया।

बोल्ड और संवेदनशील नाटक है ड्रामा 'कॉक'

मुंबई और दिल्ली में दर्शकों द्वारा ड्रामा 'कॉक' प्राइड मंथ के दौरान खूब सराहा गया। अभिनेत्री और निर्माता श्वेता त्रिपाठी का यह नाटक न केवल अपनी प्रस्तुति बल्कि विषयवस्तु के कारण भी चर्चा में रहा। इस मौके पर श्वेता त्रिपाठी ज़ोर देते हुए कहा कि क्वीर कहानियां केवल किसी महीने या मौके के लिए नहीं होतीं, बल्कि ये मानवीय अनुभव हैं, जिन्हें साल भर सम्मान और मंच मिलना चाहिए।

'कॉक', ब्रिटिश लेखक माइक बार्टलेट द्वारा लिखित और निर्देशक मनीष गांधी द्वारा निर्देशित एक बोल्ड और संवेदनशील नाटक है। इसकी कहानी एक पुरुष के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपने पुरुष साथी और एक महिला के बीच के भावनात्मक और यौन आकर्षण को लेकर उलझन में है। यह नाटक प्यार, पहचान और सेक्सुअलिटी जैसे विषयों को गहराई से छूता है, और भारतीय रंगमंच में एलजीबीटीक्यू प्लस प्रतिनिधित्व को लेकर अहम बातचीत की शुरुआत करता है।

श्वेता त्रिपाठी ने इस नाटक को अपनी स्टेज प्रोडक्शन कंपनी ऑलमायटी के बैनर तले प्रस्तुत किया है। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट उनके दिल के बेहद करीब है और वो चाहती हैं कि ऐसी कहानियों को सीमित आयोजनों तक न रखा जाए। उन्होंने कहा, "एक कलाकार और सहयोगी के तौर पर हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम ऐसी इंसानी कहानियों को मंच दें और उनका सम्मान करें। यह दुनिया विविधताओं से भरी है, और हमें उन्हें दिखाना चाहिए।" श्वेता अब इस नाटक को देश के अन्य हिस्सों में ले जाने की योजना बना रही हैं। उनका इरादा 2025 और 2026 तक 'कॉक' को और अधिक शहरों में प्रस्तुत करने का है, ताकि ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक इसकी भावनात्मक पहुंच बनाई जा सके।

नाटक के अलावा श्वेता एक क्वीर प्रेम कहानी पर आधारित अपनी पहली फिल्म के निर्माण की तैयारी भी कर रही हैं। यह फिल्म एक संवेदनशील विषय को छूने के साथ-साथ क्वीर समुदाय की भावनाओं को भी एक व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास होगी। श्वेता त्रिपाठी का यह सफर यह बताता है कि विविधता को मंच देना, केवल प्रतिनिधित्व का सवाल नहीं, बल्कि संवेदना और सच्चाई को स्वीकारने का जरिया भी है। अभिनय की बात करें तो, श्वेता त्रिपाठी को हाल ही में साल 2023 में रिलीज़ हुई कॉमेडी फिल्म 'कंजूस मखीचूस' में देखा गया था। यह फिल्म प्रसिद्ध गुजराती नाटक 'सजन रे झूठ मत बोलो' पर आधारित है।

संक्षिप्त खबरें

रेखा झुनझुनवाला ने गेमिंग के शेयर बेचकर करोड़ों कमाए

मुंबई (ईएमएस)। शेयर बाजार में जानकार ही पैसा कमा सकते हैं। इस बात को सिद्ध किया रेखा झुनझुनवाला ने। उन्होंने कुछ महीने पहले ही ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग कंपनी के शेयर बेचकर भारी कमाई कर ली। मार्च 2025 तक रेखा झुनझुनवाला के पास 7.6 फ़ीसदी की हिस्सेदारी थी। उनके पास 61.8 लाख शेयर थे। 13 जून को उन्होंने अपने सारे शेयर 1225 रुपए प्रति शेयर में बेच दिए थे। जिससे उन्हें 334 करोड रुपए मिले। अन्य निवेशकों ने जिन्होंने अपने शहर नहीं बेचे थे।उन्हें केंद्र सरकार द्वारा लाये गए बिल के बाद भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। प्रतिबंध के बाद 13 फ़ीसदी की गिरावट गेमिंग कंपनी नजारा टेक मे आई है। इसी कंपनी के शेयर रेखा झुनझुनवाला ने बेचे थे। यह शेयर उन्हें पति राकेश झुनझुनवाला की मृत्यु के बाद प्राप्त हुए थे। सही समय पर उन्होंने सही निर्णय लिया।

भारत में पहला कार्यालय दिल्ली में खोलेगा ओपनएआई

तेजी से बढ़ते एआई बाजार को देखते हुए बड़ा कदम

नई दिल्ली (ईएमएस)। कृत्रिम मेधा (एआई) तकनीक में अग्रणी अमेरिकी कंपनी ओपनएआई ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह साल 2025 के अंत तक राजधानी दिल्ली में अपना पहला कार्यालय खोलने जा रही है। यह कदम भारत में उसके एआई उत्पादों की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता को ध्यान में रखकर उठाया गया है। भारत, अमेरिका के बाद चैटजीपीटी का दूसरा सबसे बड़ा और तेजी से बढ़ता उपयोगकर्ता आधार बन चुका है। कंपनी ने बताया कि उसने भारत में आधिकारिक रूप से अपनी स्थानीय इकाई स्थापित कर दी है और एक समर्पित भारतीय टीम की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस कार्यालय के जरिए ओपनएआई भारत सरकार, व्यवसायों, डेवलपर्स, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य साझेदारों के साथ मिलकर काम करेगी। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि भारत में एआई को लेकर जोश और संभावनाएं अविश्वसनीय हैं। यहां की तकनीकी प्रतिभा, विकसित डेवलपर समुदाय और सरकारी समर्थन इसे वैश्विक एआई नेता बनने की दिशा में अग्रसर करते हैं। यह निर्णय भारत में चेटजीपीटी गो, ओपनएआई एकडमी और इंडिक भाषा समर्थन जैसी पहलों की घोषणा के बाद आया है। इन पहलों का उद्देश्य भारत के उपयोगकर्ताओं को और अधिक अनुकूल सेवाएं प्रदान करना है।

अब एप्पल के डिवाइस भी नहीं रहे सुरक्षित

मुंबई (ईएमएस)। आज के डिजिटल युग में हम हमेशा सोचते हैं कि एप्पल के डिवाइस सबसे सुरक्षित होते हैं, लेकिन हाल ही में एक गंभीर सुरक्षा जोखिम सामने आया, जिसने इस धारणा को कमजोर कर दिया। एप्पल ने आईफोन, आईपैड और मैक यूजर्स के लिए एक सुरक्षा अपडेट जारी किया है। यह अपडेट एक सीवीई-2025-43300 खतरे के चलते बेहद जरूरी हो गया है। यह जोखिम एक हैक किए गए विशेष हमले की वजह से उजागर हुआ, जिसमें एक 'मैलिशियस इमेज फाइल' के जरिए मेमोरी करप्शन का प्रयास हुआ था। अपने डिवाइस को सुरक्षित रखने के लिए अपडेट अभी इंस्टॉल करना जरूरी है।
सीवीई-2025-43300 सुरक्षा खामी एक खास तरह की समस्या है, जहां किसी खराब कोड वाले इमेज फाइल को प्रोसेस करते समय डिवाइस मैमोरी करप्ट होने का खतरा होता है। अगर हैकर्स सही तरीके से एक्स्प्लायट कर लेते, तब वे आपके डेटा तक पहुंच सकते थे और सिस्टम पर नियंत्रण भी कर सकते थे। एप्पल ने इस बाउंड चेक सुधाकर ठीक किया है।

किन डिवाइसेस को है खतरा

आईफोन एक्सएस से लेकर आईफोन 16 सीरीज तक
प्रो,एयर, 6वीं जनरेशन और बाद के मॉडल्स
डाउनलोड के बाद आपके डिवाइस को कुछ समय के लिए रिस्टार्ट करना होता है, और फिर यह पूरी तरह सुरक्षित हो जाएगा। अपडेट के बाद डिवाइस को रिस्टार्ट करें, जिससे नई सुरक्षा लागू हो जाए। भविष्य में आने वाले एप्पल सुरक्षा अपडेट्स भी जरूर इंस्टॉल करते रहें।

आईडीबीआई बैंक का जल्द होगा निजीकरण

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकारी बैंक आईडीबीआई के निजीकरण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। सरकार और एलआईसी की 95 फीसदी हिस्सेदारी में से लगभग 60.72 फीसदी शेयरों की बिक्री चरणबद्ध तरीके से की जाएगी। वित्त विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि इच्छुक निवेशकों को योग्य घोषित कर दिया गया है और वैल्यूएशन लगभग तय हो चुका है। इस कदम के तहत आईडीबीआई जल्द ही सरकारी नियंत्रण से बाहर आ जाएगा। अगर डील फाइनल होती है तो 2025 की शुरुआत में आईडीबीआई प्राइवेट बैंक बन जाएगा। इस खबर के बाद बैंक के शेयरों में जबरदस्त उछाल देखा गया है, जिससे निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है। यह कदम भारतीय बैंकिंग सेक्टर के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है। सरकार जल्द ही अंतिम बोलीदाताओं के नाम सार्वजनिक कर सकती है, जिससे आगे की प्रक्रिया और स्पष्ट होगी।

सीसीपीए ने रैपिडो पर लगाया 10 लाख का जुर्माना

- भ्रामक विज्ञापन का आरोप

नई दिल्ली (ईएमएस)। सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी (सीसीपीए) ने रैपिडो पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कंपनी ने 5 मिनट में ऑटो न मिलने पर 50 रुपए देने और गारंटीड ऑटो जैसे भ्रामक विज्ञापन दिए थे। जांच में पता चला कि 50 रुपए की जगह ग्राहकों को रैपिडो कॉइन दिए गए, जो केवल 7 दिन में खत्म हो जाते थे और बाइक राइड्स पर ही इस्तेमाल हो सकते थे। विज्ञापनों में डिस्क्लेमर छोटे फॉन्ट में थे, जिससे उपभोक्ता उन्हें पढ़ नहीं सके। जून 2024 से जुलाई 2025 के बीच रैपिडो के खिलाफ 1,200 से अधिक शिकायतें दर्ज हुईं। सीसीपीए ने कंपनी को आदेश दिया है कि जिन ग्राहकों को वादा के अनुसार मुआवजा नहीं मिला, उन्हें पैसे लौटाए जाएं।

बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर में बढ़े रोजगार के अवसर

मिलेंगी 2.5 लाख नई नौकरियां

नई दिल्ली (ईएमएस)। एक रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर इस वित्त वर्ष में 8.7 फीसदी और 2030 तक लगभग 10 फीसदी की दर से बढ़ेगा। इस वृद्धि से लगभग 2.5 लाख स्थायी नौकरियों के सृजन की उम्मीद है। खास बात यह है कि हायरिंग केवल मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी तेजी से भर्ती होगी। 2025 की पहली छमाही में इस सेक्टर में हायरिंग पिछले साल की तुलना में 27 फीसदी बढ़ी है। सबसे अधिक मांग फ्रंटलाइन, डिजिटल और कम्प्लायंस से जुड़ी नौकरियों में देखी जा रही है। मिडिल और सीनियर लेवल पर ईएसजी स्ट्रैटेजी, डिजिटल वेल्थ मैनेजमेंट और एआईएफ या पीएमएस कम्प्लायंस जैसे नए क्षेत्रों में 30 फीसदी तक हायरिंग बढ़ी है। पब्लिक और प्राइवेट बैंक अपने कोर सिस्टम्स को मॉडर्न बनाने, क्लाउड बेस्ड टेक्नोलॉजी और डिजिटल ऐप्स के लिए टैलेंटेड टीम बना रहे हैं। एमएसएमई और ग्रामीण इलाकों में लोन की बढ़ती मांग ने अंडरराइटिंग, कलेक्शन और रेगुलेटरी कम्प्लायंस से जुड़े जॉब्स को बढ़ावा दिया है। म्यूचुअल फंड, ब्रोकरेज और फिनटेक कंपनियां अपने नेटवर्क और टेक टीम्स को मजबूत कर रही हैं। साथ ही, रेगुलेटरी और साइबर रिस्क्स के कारण कम्प्लायंस और फ्रॉड डिटेक्शन एक्सपर्ट्स की मांग भी लगातार बढ़ रही है। इंश्योरेंस इंडस्ट्री में डिजिटल अंडरराइटर्स, एआई क्लेम स्पेशलिस्ट्स और फ्रॉड एनालिस्ट्स की नौकरी में 6-9 फीसदी तक की ग्रोथ दर्ज की गई है। आने वाले वर्षों में हर साल 5-7 फीसदी नई भर्ती होने की उम्मीद है। बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर में करियर के लिए यह सुनहरा मौका है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 693 , निफ्टी 213 अंक नीचे आया

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी के साथ ही पिछले दिनों से जारी तेजी पर अंकुश लग गया। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आयी है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 693.86 अंक की गिरावट के साथ ही 81,306.85 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 213.65 अंक टूटकर 24,870.10 पर बंद हुआ। सबसे ज्यादा गिरावट धातु शेयरों में आई। इससे निफ्टी मेटल इंडेक्स 1.25 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। इसके अलावा, एफएमसीजी, प्राइवेट बैंक और पीएसयू बैंक इंडेक्स में एक फीसदी से अधिक की गिरावट रही। केवल फार्मा, मीडिया, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थकेयर और डिफेंस के शेयर बढ़त पर बंद हुए।
लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी बिकवाली दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 79.20 अंक या 0.14 फीसदी की कमजोरी के साथ 57,629.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 46.85 अंक तकरीबन 0.26 फीदसी की गिरावट के साथ 17,919.50 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में एमएंडएम, मारुति सुजुकी,

बीईएल, सन फार्मा, भारती एयरटेल और टाइटन के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, एचसीएल टेक, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, एसबीआई, इटरनल, एक्सिस बैंक और टाटा मोटर्स के शेयर सबसे अधिक गिरे।
इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। सुबह सेंसेक्स 81,951 अंक पर खुला और शुरुआती कारोबार में 227.24 अंक गिरकर 81,773.47 पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी ने 25,064.15 पर शुरुआत की और बाद में ये 24,996 पर कारोबार कर रहा था। आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज में बिकवाली से प्रमुख सूचकांकों पर दबाव रहा। इससे पहले गुरुवार को बाजार में मामूली बढ़त देखने को मिली थी। वहीं एशियाई बाजारों में भी मिलाजुला रुख देखने को मिला। कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.06 फीसदी चढ़ा, जापान का निक्केई 0.13 फीसदी और हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग 0.33 फीसदी ऊपर रहा। लेकिन ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 मामूली गिरावट में रहा। इस बीच पॉवेल के भाषण से पहले गुरुवार को अमेरिकी बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। एसएंडपी 500 में 0.4 फीसदी, नैस्डैक कंपोजिट में 0.34 फीसदी और डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.34 फीसदीकी गिरावट दर्ज की गई।

देश में दूध का उत्पादन पांच फीसदी बढ़ने की संभावना

वित्त वर्ष 24 में दूध उत्पादन 3.78 फीसदी बढ़कर 239.3 मिलियन टन तक पहुंचा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में डेयरी उद्योग तेजी से बढ़ रहा है और आने वाले कुछ वर्षों में दूध उत्पादन सालाना 5 फीसदी की दर से बढ़ने की संभावना है, जो वैश्विक औसत से कहीं अधिक है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025 में भी दूध उत्पादन में 5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 24 में भारत का कुल दूध उत्पादन 3.78 फीसदी बढ़कर 239.3 मिलियन टन तक पहुंच गया। डेयरी उद्योग ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। खासकर छोटे और सीमांत किसान तथा महिलाएं इस क्षेत्र की मजबूत आधारशिला हैं। ये किसान डेयरी के माध्यम से अपनी आय बढ़ा रहे हैं, जिससे ग्रामीण आर्थिक

विकास को भी मजबूती मिली है। वित्त वर्ष 24 में दूध उत्पादन कुल कृषि उत्पादन का लगभग 19.8 फीसदी हिस्सा था। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता और खपत में वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 20 से 24 के बीच प्रति व्यक्ति दूध की खपत में 3.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जबकि 24 में औसतन हर व्यक्ति के लिए 471 ग्राम दूध प्रतिदिन खपत हुई, जो 20 में 406 ग्राम थी। घरेलू खपत दूध और डेयरी उत्पादों की मांग का मुख्य कारण है। विशेषज्ञों के अनुसार वित्त वर्ष 27 तक डेयरी उत्पादों का उत्पादन 10.8 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 4,200.6 बिलियन तक पहुंच सकता है। सहकारी समितियां और संगठित क्षेत्र दूध की खरीद में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भारत में कुल दूध उत्पादन का लगभग 63 फीसदी बिक्री के लिए होता है, जिसमें से 32 फीसदी हिस्सा संगठित क्षेत्र के पास है। वित्त वर्ष 24 में सहकारी समितियों ने अकेले 24 मिलियन टन दूध का प्रबंधन किया और किसानों को उनकी दूध की कीमत का 80-82 फीसदी सीधे भुगतान किया, जिससे उन्हें नियमित और समय पर आय प्राप्त होती है। यह रिपोर्ट भारतीय डेयरी उद्योग की मजबूती और ग्रामीण विकास में इसके योगदान को उजागर करती है।

संसद में पारित हुआ ऑनलाइन गेमिंग विनियमन विधेयक

ई-स्पोर्ट्स को मिलेगा बढ़ावा, मनी गेम्स पर लगेगी रोक

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के दोनों सदनों में पारित ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025 की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह विधेयक भारत को गेमिंग, नवाचार और रचनात्मकता का केंद्र बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह कानून ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेम्स को प्रोत्साहन देगा और समाज को ऑनलाइन मनी गेम्स के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखेगा। राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा पेश किए गए इस विधेयक का उद्देश्य है धन आधारित और सट्टा आधारित ऑनलाइन गेम्स पर रोक लगाना और युवाओं के लिए एक सुरक्षित व रचनात्मक गेमिंग वातावरण तैयार करना। यह कानून समाज, विशेषकर युवाओं और संवेदनशील वर्गों को आर्थिक, मानसिक, और निजता से जुड़े खतरों से बचाने के उपाय करता है। विधेयक में लोक व्यवस्था, जनस्वास्थ्य और वित्तीय प्रणाली की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी प्रावधान है। इसके अलावा यह अवैध सट्टेबाजी और विदेशी वेबसाइटों से चलने वाले मनी गेम्स पर सख्त नियंत्रण लगाएगा। सरकार का उद्देश्य है कि भारत में ऑनलाइन गेमिंग उद्योग को एक सुनियोजित, पारदर्शी और जिम्मेदार फ्रेमवर्क के तहत विकसित किया जाए। साथ ही ई-स्पोर्ट्स और शैक्षणिक खेलों को सुरक्षित वातावरण प्रदान कर उन्हें नवाचार और रोजगार के अवसरों से जोड़ा जाए। यह विधेयक भारत के डिजिटल भविष्य को सुरक्षित और समावेशी बनाने की दिशा में एक अहम पहल मानी जा रही है।

जेआईसीए ने ग्लोबल सप्लाई चेन फंड में 4 करोड़ डॉलर का निवेश किया

एशिया-अफ्रीका में व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

मुंबई (ईएमएस)। जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) ने शुक्रवार को आविष्कार कैपिटल के ग्लोबल सप्लाई चेन सपोर्ट फंड में 4 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की। यह निवेश भारत, अफ्रीका और एशिया के उभरते बाजारों में आपूर्ति श्रृंखला को सशक्त करने और स्थानीय उद्यमों को सहयोग देने के उद्देश्य से किया गया है। आविष्कार कैपिटल के अनुसार इस निवेश से जेआईसीए को भारत के साथ-साथ अफ्रीका और एशिया में भी विस्तार करने में मदद मिलेगी, जिससे व्यापक हिंद महासागर क्षेत्र और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी। इस निर्णय की घोषणा जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने जापान के योकोहामा में आयोजित टीआईसीएडी-9 (अफ्रीकी विकास पर टोक्यो अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन) के दौरान की। इस अवसर पर हिंद महासागर में आर्थिक भागीदारी – अफ्रीका फोरम का आयोजन भी किया गया। जेआईसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह निवेश भारत-जापान की मजबूत साझेदारी को और आगे बढ़ाएगा और अफ्रीका व एशिया में सतत विकास को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने इसे जेआईसीए और आविष्कार कैपिटल के बीच सहयोग के एक नए अध्याय की शुरुआत बताया। यह कदम वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में स्थायित्व और विविधता लाने की दिशा में एक रणनीतिक पहल माना जा रहा है।

आंध्र प्रदेश को लॉजिस्टिक्स हब बनाएगी सरकार

बंदरगाह विकास में 9,000 करोड़ का होगा निवेश

अमरावती (ईएमएस)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बताया कि आंध्र प्रदेश की 1,053 किलोमीटर लंबी तटरेखा को देखते हुए सरकार ने हर 50 किलोमीटर पर एक बंदरगाह या हार्बर विकसित करने की रणनीति बनाई है। उन्होंने हाल ही में यह बात आंध्र प्रदेश मैरीटाइम बोर्ड और एक वैश्विक शिपिंग एवं पोर्ट मैनेजमेंट कंपनी की सहायक इकाई के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर समारोह में कही। इस समझौते के तहत लगभग 9,000 करोड़ रुपये के निवेश से रामयपट्टनम, मछलीपट्टनम और मुलपेटा बंदरगाहों का विकास और आधुनिकीकरण किया जाएगा। कंपनी इन बंदरगाहों पर आधुनिक टर्मिनल और कार्गो हैंडलिंग सिस्टम स्थापित करेगी। इस पहल से लगभग 10,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है। राज्य सरकार का कहना है कि आंध्र प्रदेश को ईस्ट कोस्ट गेटवे के रूप में विकसित करने का लक्ष्य अब हकीकत बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री नायडू ने जोर देकर कहा कि कंपनी की सेवाओं से न केवल अंतरराष्ट्रीय बल्कि घरेलू कार्गो परिवहन को भी लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि बंदरगाहों के आसपास आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य का लक्ष्य विश्वस्तरीय बंदरगाहों और लॉजिस्टिक्स के माध्यम से आंध्र प्रदेश को भविष्य के लिए तैयार अर्थव्यवस्था बनाना है। नायडू ने कंपनी से रेल, सड़क, अंतर्देशीय जलमार्ग और हवाई मार्गों के जरिए एकीकृत कार्गो परिवहन योजना तैयार करने में सहयोग देने का भी अनुरोध किया। इस अवसर पर मंत्री बी.सी. जनार्दन रेड्डी, मैरीटाइम बोर्ड के चेयरमैन दमचारला सत्य, उद्योग विभाग के सचिव युवराज, वरिष्ठ अधिकारी और कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

स्नेहा ऑर्गेनिक्स का आईपीओ 29 अगस्त को खुलेगा

मूल्य दायरा 115-122 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली (ईएमएस)। हरित एवं टिकाऊ समाधान प्रदाता स्नेहा ऑर्गेनिक्स ने अपने आगामी आईपीओ के लिए प्रति शेयर 115 रुपये से 122 रुपये का मूल्य दायरा निर्धारित किया है। यह आईपीओ 29 अगस्त से अभिदान के लिए खुलेगा और 2 सितंबर को बंद होगा। कंपनी 27 लाख नए शेयर जारी कर कुल 32.68 करोड़ रुपये जुटाएगी। स्नेहा ऑर्गेनिक्स इस राशि का उपयोग अपनी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने तथा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। कंपनी का यह आईपीओ एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होगा, जो 5 सितंबर को संभव है। हरित समाधान क्षेत्र में कार्यरत इस कंपनी के इस कदम से निवेशकों को टिकाऊ और पर्यावरण-हितैषी कंपनियों में निवेश का अवसर मिलेगा। आगामी सूचीबद्धता से कंपनी की पूंजी वृद्धि और व्यवसाय विस्तार की संभावना बढ़ेगी।

मारुति सुजुकी डिजायर कार बिक्री में बनी नंबर-1

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय ऑटोमोबाइल मार्केट में भले ही एसयूवी सेगमेंट का दबदबा हो, लेकिन सेडान कारों की लोकप्रियता अब भी खत्म नहीं हुई है। इसका सबसे बड़ा सबूत जुलाई 2025 की सेल्स रिपोर्ट में सामने आया, जब मारुति सुजुकी डिजायर ने बिक्री में सभी कारों को पीछे छोड़ते हुए न सिर्फ सेडान सेगमेंट बल्कि पूरे देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार का खिताब हासिल कर लिया।
कंपनी ने जुलाई में डिज़ायर की कुल 20,895 यूनिट्स बेचीं, जो पिछले साल की तुलना में 79 प्रतिशत ज्यादा है। यह प्रदर्शन इस बात का प्रमाण है कि घटते सेडान बाजार में भी डिज़ायर ग्राहकों की पहली पसंद बनी हुई है। वहीं, हुंडई ऑरा 4,636 यूनिट्स के साथ दूसरे स्थान पर रही, हालांकि इसकी बिक्री में 3प्रतिशत की गिरावट आई। होंडा अमेज 2,009 यूनिट्स की बिक्री के साथ तीसरे स्थान पर रही, जिसमें 14प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। फॉक्सवैगन वर्टस ने 1,797 यूनिट्स के साथ मामूली 2प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की और चौथे स्थान पर रही। स्कोडा स्लाविया 1,168 यूनिट्स बेचकर 47प्रतिशत की बढ़त के साथ पांचवें स्थान पर रही। इसके अलावा टाटा टिगोर की बिक्री 35प्रतिशत घटकर 968 यूनिट्स पर सिमट गई और वह छठे नंबर पर रही। हुंडई वरना 826 यूनिट्स के साथ सातवें

स्थान पर रही और इसमें 42प्रतिशत की गिरावट हुई। होंडा सिटी की बिक्री 32प्रतिशत घटकर 646 यूनिट्स रही और वह आठवें स्थान पर रही।
मारुति सुजुकी सियाज़ की बिक्री 71प्रतिशत गिरकर 173 यूनिट्स रह गई, जबकि टोयोटा कैमरी ने 161 यूनिट्स बेचकर 28 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी दर्ज की और टॉप-10 में आखिरी स्थान पर रही। ग्राहकों को डिज़ायर की सबसे ज्यादा पसंद इसका बेहतरीन माइलेज और किफायती दाम है। पेट्रोल वेरिएंट में यह कार 25 केएमपीएल तक और सीएनजी वेरिएंट में 33 किमी/केजी से ज्यादा माइलेज देती है। कीमत की बात करें तो यह रुपए 6.84 लाख से शुरू होकर रुपए 10.19 लाख (एक्स-शोरूम) तक जाती है।

संक्षिप्त ख़बरें

थाईलैंड के पूर्व पीएम ने राजशाही मानहानि मामले में खुद के बरी होने का किया दावा

बैंकॉक,(ईएमएस)। थाईलैंड के पूर्व पीएम थाकसिन शिनावात्रा ने दावा किया है कि शुक्रवार को एक कोर्ट ने उन्हें राजशाही की मानहानि के मामले में बरी कर दिया है। उनके वकील ने भी फैसले की पुष्टि की है, लेकिन बैंकॉक आपराधिक न्यायालय ने अभी इसको लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है। बता दें राजशाही को बदनाम करने से संबंधित कानून में तीन से 15 साल तक की जेल की सजा का प्रावधान है। यह दुनियाभर में इस तरह के सबसे कठोर कानूनों में से एक है और थाईलैंड में सरकार के आलोचकों को सजा देने के लिए इसका इस्तेमाल बढ़ रहा है।

गिनी में भूस्खलन, 11 की मौत, 10 लोग घायल, कई घर मलबे में दबे

कोनाक्री,(ईएमएस)। पश्चिम अफ्रीकी देश गिनी की राजधानी कोनाक्री से 50 किलोमीटर दूर कोयाह प्रांत में भारी बारिश से भूस्खलन में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 10 घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि भूस्खलन बुधवार रात कोयाह प्रांत के ग्रामीण क्षेत्र मानेह में हुआ था। स्थानीय निवासी ने बताया कि गुरुवार शाम करीब सात बजे बारिश हो रही थी। अचानक पहाड़ टूटकर तलहटी में बने घरों पर गिर गया। इसके मलबे में कई घर दब गए। कोई भी जीवित नहीं बचा। खोज और बचाव अभियान चलाया गया। शहरी नियोजन एवं आवास मंत्री ने घटनास्थल का दौरा किया और कहा कि बारिश के कारण पहाड़ का एक हिस्सा ढह गया और इमारतों पर गिर गया। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में कुछ की हालत गंभीर है जिससे मृतक संख्या बढ़ सकती है।

चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने की पाक विदेश मंत्री डार के साथ बैठकें

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। रूस की राजधानी मॉस्को में भारत और रूस के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी। इसी समय पाकिस्तान और चीन के विदेश मंत्रियों ने भी इस्लामाबाद में मुलाकात की। चीनी विदेश मंत्री वांग यी 20 अगस्त को पाकिस्तान पहुंचे थे। उन्होंने हाल ही में भारत के विदेश मंत्री, डोभाल और पीएम मोदी के साथ उच्च-स्तरीय बैठकें की थीं। इसके बाद वह अफगानिस्तान भी गए थे। वहां से पाकिस्तान पहुंचे।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामाबाद में वांग यी ने पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री इशाक डार के साथ बैठकें कीं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक दोनों पक्षों ने पाकिस्तान-चीन संबंधों की पूरी समीक्षा की और महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) 2.0, व्यापार और आर्थिक संबंधों, बहुपक्षीय सहयोग और द्विपक्षीय सहयोग के कई पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श किया। पाकिस्तान और चीन के नेताओं ने सहमति जताई कि दोनों देशों के बीच दोस्ती क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए अहम है।यह बैठक भारत के लिए अहम है, खासकर इसलिए क्योंकि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा पीओके से होकर गुजरता है। भारत इसे अपना क्षेत्र मानता है। भारत लगातार इस परियोजना का विरोध कर रहा है और इसे अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताता है। विशेषज्ञों का कहना है कि सीपीईसी के ढांचे के तहत पाकिस्तान और चीन के बीच बढ़ती नजदीकी भारत के लिए एक नई सुरक्षा चुनौती पेश करती है। यह खासकर ऐसे समय में हो रहा है जब भारत-चीन सीमा पर तनाव बना हुआ है और भारत और पाकिस्तान के संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल के प्रोफेसर ने सीपीईसी के भारत के लिए सामरिक निहितार्थों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सीपीईसी सिर्फ एक आर्थिक पहल नहीं है, यह भारत के लिए, एक रणनीतिक चुनौती है। उन्होंने बताया कि यह गलियारा करीब 3,000 किलोमीटर तक फैला हुआ है, जो चीन के शिनजियांग प्रांत में काशगर को पाकिस्तान के बलूचिस्तान में ग्वादर से जोड़ता है। इसमें सड़कें, रेलवे, पाइपलाइन, ऊर्जा बुनियादी ढांचा और ग्वादर बंदरगाह का विकास शामिल है। सबसे अहम बात यह है कि यह गलियारा मुख्य पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले पीओके और कश्मीर से होकर गुजरता है, जिस क्षेत्र को भारत अपना अभिन्न अंग मानता है। उन्होंने कहा कि कानूनी तौर पर यह भारत की संप्रभुता का उल्लंघन है।

गर्भवती सुनाली बीबी को दिल्ली पुलिस ने अवैध प्रवासी बता बांग्लादेश भेजा

ढाका,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले की रहने वाली गर्भवती सुनाली बीबी को दिल्ली पुलिस ने अवैध बांग्लादेशी प्रवासी होने के शक में हिरासत में लिया था। इसके बाद उन्हें 26 जून को बांग्लादेश भेज दिया गया था। उनके साथ उनके पति दानिश शेख और 8 साल के बेटे को भी भेजा था। अब उनकी मुसीबत और बढ़ गई है। सीमा पार जाने के कुछ सप्ताह बाद, उन्हें गुरुवार को बांग्लादेश पुलिस ने अवैध घुसपैठिया बताकर गिरफ्तार कर लिया है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चपाइनवाबगंज जिले में पुलिस ने सुनाली बीबी, उनके पति और बेटे को हिरासत में लिया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि उनके पास से भारतीय दस्तावेज मिले हैं। उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा। अदालत ही आगे का फैसला करेगी। इसमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं, इसलिए पूरे सम्मान और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की जा रही है। इसी जिले से पश्चिम बंगाल की एक और महिला, स्वीटी बीबी (32) और उनके दो बेटे (6 व 16 साल) को भी गिरफ्तार किया गया।जानकारी के मुताबिक दोनों परिवारों के सदस्य लंबे समय से दिल्ली में रहकर घरेलू काम करके जीविका चला रहे थे। कुछ सप्ताह पहले दिल्ली के केएन कटजू मार्ग थाना क्षेत्र से सुनाली और स्वीटी के परिवारों को हिरासत में लेकर असम से लगे कुरिग्राम बॉर्डर के रास्ते बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया था। इसके बाद वे कुछ दिन ढाका में सड़कों पर भटकते रहे और पिछले एक महीने से चपाइनवाबगंज जिले में रह रहे थे। उनकी मदद की अपील वाला एक वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।इस घटना पर पश्चिम बंगाल प्रवासी मजदूर कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष और टीएमसी राज्यसभा सांसद समीरुल इस्लाम ने कहा कि यह बेहद चिंताजनक है। सुनाली गर्भवती हैं और छोटे-छोटे बच्चे उसके साथ हैं। वे सभी पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। राज्य सरकार उन्हें वापस लाने के लिए हर संभव कानूनी प्रयास करेगी। मामला अदालत में भी विचाराधीन है।कोलकाता हाईकोर्ट में दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई थी। केंद्र सरकार का पक्ष रख रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने दलील दी थी कि मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए हाईकोर्ट सुनवाई नहीं कर सकता, लेकिन न्यायमूर्ति तपव्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति रीतोब्रतो कुमार मित्रा की खंडपीठ ने इसे "बेहद गंभीर मुद्दा" मानते हुए 10 सितंबर को सुनवाई तय की है।

मलेशिया में लड़ाकू जेट क्रैश, दो पायलट घायल अस्पताल में भर्ती

कुआलालंपुर,(ईएमएस)। मलेशिया की रॉयल एयर फोर्स का एक एफ/ए-18डी हॉर्नेट फाइटर जेट गुरुवार रात हादसे का शिकार हो गया। यह घटना सुल्तान हाजी अहमद शाह एयरपोर्ट (कुआंटन) के रनवे पर रात 9:05 बजे हुई। मीडिया रिपोर्ट में रॉयल मलेशियन एयर फोर्स के पब्लिक रिलेशन डिवीजन ने बयान जारी कर बताया कि हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिए गए। दुर्घटना की वजह पता नहीं चल सकी है और वायुसेना ने लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाह या अपुष्ट जानकारी न फैलाएं। इस घटना का वीडियो सामने आया है, जिसमें देख जा सकता है कि रात के अंधेरे में फाइटर जेट उड़ान भर रहा था। इसके थोड़ी देर बाद ही विमान के पीछे के हिस्से में आग का एक तेज प्रकाश दिख रहा है। जैसे ही यह टेक-ऑफ करने वाला था, वैसे ही इसके इंजन में आग दिख रही है। रिपोर्ट के मुताबिक पायलटों का नियंत्रण जैसे ही इससे छूटा उन्होंने तुरंत खुद को इजेक्ट कर लिया। हादसे में शामिल दोनों पायलट को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पायलटों की हालत कैसी है, इसे लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन वायुसेना और सेना के अधिकारी अस्पताल में मौजूद हैं।घटना के बाद से एयरबेस और शहर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। हादसे की जांच वायुसेना के उच्च अधिकारी कर रहे हैं। एफ/ए-18डी असल में अमेरिका के मशहूर एफ/ए-18 हॉर्नेट लड़ाकू विमान का ही वेरिएंट है। इसे मैकडोनल डगलस कंपनी ने बनाया, जिसे अब बोइंग के नाम से जाना जाता है। यह दो सीट वाला मॉडल है, जिसमें आगे वाला पायलट उड़ान संभालता है और पीछे वाला हथियार व मिशन कंट्रोल से जुड़ी चीजें देखता है। यही वजह है कि यह रात में हमला करने, लंबी दूरी के स्ट्राइक ऑपरेशन और हर मौसम में उड़ान के लिए बेहद कारगर माना जाता है। यह जेट माक-1.8 तक की रफ्तार से उड़ सकता है और 50,000 फुट तक की ऊंचाई पर ऑपरेशन करने में सक्षम है।

भारत और अमेरिकी टैरिफ तनाव के बीच पूर्व एनएसए जॉन बोल्टन ने कहा, ट्रंप राष्ट्रपति पद के लिए ठीक नहीं

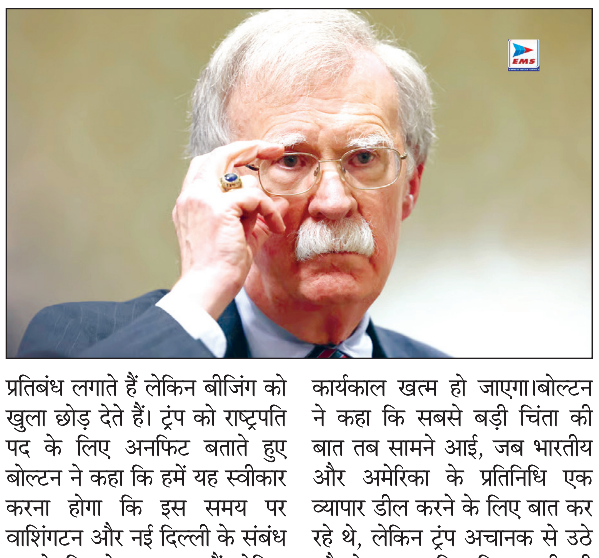

वाशिंगटन,(ईएमएस)। भारत और अमेरिका पिछले दो दशकों के बेहतर रिश्तों के बाद एक बार फिर से आमने-सामने हैं। दोनों की साझेदारी सामान्य है, लेकिन वैश्विक मुद्दों और टैरिफ को लेकर तनाव बना हुआ है। इसको लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 50 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया है। अब ट्रंप के इस टैरिफ को लेकर उनके पूर्व एनएसए जॉन बोल्टन ने कहा है कि ट्रंप की नीतियां किसी भी पार्टी की सोच के हिसाब से नहीं है। इसलिए इन नीतियों का असर ट्रंप के साथ ही चला जाएगा।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बोल्टन ने कहा कि ट्रंप ऐसे अजीबोगरीब फैसले लेते रहते हैं। एक इंटरव्यू में बोल्टन ने कहा कि ट्रंप प्रशासन की नीति बहुत ही असमंजस वाली है। वह नई दिल्ली पर रूसी तेल खरीदने के लिए प्रतिबंध लगाते हैं लेकिन बीजिंग को खुला छोड़ देते हैं। ट्रंप को राष्ट्रपति पद के लिए अनफिट बताते हुए बोल्टन ने कहा कि हमें यह स्वीकार करना होगा कि इस समय पर वाशिंगटन और नई दिल्ली के संबंध सबसे निचले स्तर पर हैं लेकिन ट्रंप की नीतियों का असर ठीक उस समय खत्म हो जाएगा, जब उनका कार्यकाल खत्म हो जाएगा।बोल्टन ने कहा कि सबसे बड़ी चिंता की बात तब सामने आई, जब भारतीय और अमेरिका के प्रतिनिधि एक व्यापार डील करने के लिए बात कर रहे थे, लेकिन ट्रंप अचानक से उठे और ऐलान कर दिया कि 25 फीसदी टैरिफ लगेगा। इसके अलावा रूसी तेल को लेकर भी जो टैरिफ लगाया, वह भी कुछ ऐसा ही था। रूस पर कोई नया प्रतिबंध नहीं लगा है, चीन पर नहीं लगा लेकिन भारत पर लगा दिया। यह ट्रंप की असमंजस वाली नीति का ही परिणाम है। हालांकि हमें यह मानना होगा कि ट्रंप की नीतियों की वजह से रिश्ते आज बहुत खराब स्थिति में हैं।अमेरिकी प्रशासन द्वारा लाई गई नीतियों के फलस्वरूप दुनिया के कई देशों में अमेरिका के प्रति एक अविश्वास की भावना पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से टैरिफ के मामले में ट्रंप ने जो किया है वह कई देशों के साथ हमारे दशकों की मेहनत के बाद बनाए गए संबंधों को खराब कर रहा है। इसे सुधारने में अब फिर समय लगेगा, लेकिन इस मुद्दे की सबसे अहम बात यह है कि ट्रंप एक अलग ही सोच रखते हैं। उनकी इस सोच का प्रतिनिधित्व न तो डेमोक्रोटिक पार्टी करती है और न ही रिपब्लिकन, कम से कम मैं तो ऐसे किसी को नहीं जानता, जो इस तरह का व्यवहार करे।बोल्टन ने कहा कि इस मुद्दे पर ट्रंप की कोई फिलॉसिफी नहीं है। इसलिए उनके उत्तराधिकारियों के लिए इसमें कुछ भी विरासत नहीं है। ट्रंप जो कर रहे हैं, वह ज्यादातर अमेरिका की सोच नहीं है। ऐसे में ट्रंप के कार्यकाल के खत्म होने के साथ ही उनकी इन नीतियों का असर भी खत्म होना शुरू हो जाएगा। बोल्टन या कोई कुछ भी कहे लेकिन एक बात साफ है कि ट्रंप राष्ट्रपति पद पर हैं। वह एक बार नहीं दो बार चुनाव जीतकर वहां पहुंचे हैं। ऐसे में अगर वह कोई फैसला लेते हैं, तो वह उनकी एक बड़ी फॉलोइंग के साथ होता है। ट्रंप की इन नीतियों ने नई दिल्ली के साथ वाशिंगटन के संबंधों में खटास तो पैदा की है।

चीन में शादी के बाद पता चला ये तो दूल्हे की बहन है मच गया हड़कंप

बीजिंग (ईएमएस)। चीन के सुज़ौ शहर से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। मामला 2021 का है लेकिन सोशल मीडिया पर अभी वायरल हुआ है। दरअसल,सुज़ौ शहर में एक शादी समारोह धूमधाम से चल रहा था। दूल्हे की मां खुशी-खुशी दुल्हन को निहार रही थी। तभी उसकी नजर दुल्हन की हाथ पर गई, जिस पर मौजूद निशान देखकर उसे कुछ शक हुआ वो निशान ठीक वैसा ही था जैसा उनकी सालों पहले गुम हुई बेटी के हाथ पर था। महिला ने फिर शक होने पर दुल्हन के माता-पिता से पूछा कि क्या वह उनकी जैविक संतान नहीं है। इस पर दुल्हन के माता-पिता ने बताया कि उन्होंने उसे बचपन में सड़क किनारे लावारिस हालत में पाया था और गोद लेकर पाला था। सच्चाई सामने आते ही दूल्हे की मां रो पड़ीं और दुल्हन को गले लगाकर कहा कि वही उनकी बरसों से बिछड़ी बेटी है।

पुतिन की वायुसेना में शामिल हुआ हवा का "शेर" एसयू-35एस मल्टीरोल फाइटर जेट

मॉस्को,(ईएमएस)। दुनिया के ताकतवर देशों की नजरें हमेशा इस पर होती हैं कि किसके पास आसमान पर राज करने वाला सबसे घातक हथियार है। रूस ने दौड़ में फिर अपनी बढ़त हासिल कर ली है। हाल ही में रूस को मिला है एसयू-35एस मल्टीरोल फाइटर जेट, जिसे रूसी वायुसेना में शामिल किया गया है। ये वहीं जेट है, जिसे पायलट हवा का "शेर" मानते हैं और जिसकी दहाड़ सुनकर दुश्मन पसीने-पसीने हो जाता है।यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएससी) ने यह बैच आधिकारिक तौर पर रूसी रक्षा मंत्रालय को सौंप दिया है। खास बात यह है कि यह डिलीवरी तब हुई है, जब रूस पर कड़े पश्चिमी प्रतिबंध लगे हुए हैं। इसके बावजूद मैन्युफैक्चरिंग लाइन बिना रुके चल रही है और लगातार नए जेट वायुसेना को दिए जा रहे है। इससे साफ है कि रूस किसी भी हालत में अपनी हवाई ताकत को कमजोर नहीं होने देना चाहता।एसयू-35एस को 4प्लस प्लस पीढ़ी का मल्टीरोल फाइटर कहा जाता है। यह विमान मैक 2.25 यानी करीब 2400 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से उड़ान भर सकता है। 18000 मीटर की ऊंचाई तक पहुंचने की क्षमता और 3600 किलोमीटर की रेंज एसयू-35एस को बेहद खतरनाक बनाती है। खास बात यह है कि यह सुपरक्रूज टेक्नोलॉजी से लैस है, यानी आफ्टरबर्नर का इस्तेमाल किए बिना भी सुपरसोनिक स्पीड से उड़ सकता है।यह विमान केवल गति में ही नहीं बल्कि हथियारों के मामले में भी किसी से कम नहीं। इसमें 12 हार्डप्वाइंट्स हैं, जिन पर एक साथ मिसाइलों और बमों का जखीरा लाद सकते है। हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें दुश्मन के जेट्स को आसमान से गिराने में सक्षम हैं, वहीं एयर-टू-ग्राउंड और एंटी-शिप मिसाइलें इस जमीन और समुद्र दोनों पर खतरनाक बनाती हैं। इसके अलावा इसमें लगा 30 मिमी का ऑटो कैनन नज़दीकी लड़ाई में दुश्मन के लिए काल साबित हो सकता है।एसयू-35एस का सबसे घातक हथियार सिर्फ मिसाइलें नहीं बल्कि इसका दिमाग भी है—यानि इसका रडार सिस्टम। इसमें लगा रडार 400 किलोमीटर दूर तक लक्ष्य पकड़ने की क्षमता रखता है। यह एक साथ 30 टारगेट्स पर नजर रख सकता है और आठ पर हमला कर सकता है। इसके साथ-साथ इसमें लगे इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम और ऑप्टिकल सेंसर इस किसी भी हालात में दुश्मन से दो कदम आगे रखते हैं।

एसयू-35एस की एक और खासियत है इसकी सुपर मैन्यूवरेबिलिटी। इसके थ्रस्ट-वेक्टरिंग इंजन हवा में इसतरह घुमाते हैं जैसे कोई बाज़ अपने शिकार पर झपट्टा मार रहा हो। कोबरा मैन्यूवर' और 'टेल स्लाइड' जैसी हरकतें यह जेट आसानी से कर सकता है, जिन्हें देख कर दुश्मन पायलट दंग रह जाते हैं।

फ्लोरिडा में भारतीय ट्रक ड्राइवर की लापरवाही, ट्रंप प्रशासन ने नए वर्किंग वीजा जारी करने पर रोक

विदेश मंत्री मार्को रुबियो का तर्क, लोकल ड्राइवरों की आजीविका को नुकसान पहुंचा रहे

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के फ्लोरिडा में एक भारतीय ट्रक ड्राइवर की लापरवाही से हुए भीषण हादसे के बाद, ट्रंप प्रशासन ने कमर्शियल ट्रक ड्राइवरों के लिए नए वर्किंग वीजा जारी करने पर रोक लगा दी है। इस फैसले के पीछे अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का तर्क है कि विदेशी ड्राइवरों की बढ़ती संख्या अमेरिकी सड़कों के लिए खतरा है और लोकल ड्राइवरों की आजीविका को नुकसान पहुंचा रही है।यह घटना तब हुई जब पंजाब के हरजिंदर सिंह नामक एक भारतीय ट्रक ड्राइवर ने फ्लोरिडा के एक हाईवे पर गैरकानूनी यू-टर्न लिया। इस यू-टर्न से एक मिनीवैन टकरा गई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई।जांच में पता चला कि: भारत के पंजाब का रहने वाला हरजिंदर सिंह 2018 में मैक्सिको के रास्ते अवैध रूप से अमेरिका में दाखिल हुआ था। हरजिंदर सिंह ने कैलिफोर्निया और वाशिंगटन से कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त कर लिया था। परिवहन विभाग द्वारा ली गई परीक्षा में वह अंग्रेजी भाषा और सड़क संकेतों के टेस्ट में पूरी तरह से फेल हो गया था। जबकि 12 में से केवल 2 सवालों के सही जवाब दिए और 4 में से केवल एक संकेत को पहचाना। इस लापरवाही के बाद, हरजिंदर को कैलिफोर्निया में गिरफ्तार किया गया है और अब हरजिंदर को वाहन हत्या के तीन आरोपों में निर्वासन का सामना करना पड़ रहा है।ट्रंप प्रशासन का यह फैसला अमेरिका के लिए कई मुश्किलें खड़ी कर सकता है। बात दें कि अमेरिका में पहले से ही ट्रक ड्राइवरों की भारी कमी है, और इस फैसले से यह समस्या और भी बढ़ सकती है। ड्राइवरों की कमी के कारण माल ढुलाई में देरी हो सकती है। ट्रांसपोर्टेशन लागत बढ़ने से सीधे तौर पर महंगाई पर असर पड़ सकता है। इस वीजा रोक से अमेरिका में काम करने वाले मौजूदा विदेशी ड्राइवरों की स्थिति पर तुरंत असर नहीं पड़ेगा, लेकिन नए ड्राइवरों के आने या मौजूदा ड्राइवरों के वीजा नवीनीकरण पर रोक लग सकती है।फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं है कि यह रोक कितने समय तक लागू रहेगी। यह घटना एक व्यक्ति की गलती का एक बड़ा उदाहरण है, जिसकी वजह से पूरे समुदाय को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।परिवहन सचिव सीन डफी ने गंभीर लापरवाही बताकर कहा, 'ढीली प्रवास नीतियों और नियमों की अनदेखी ने ट्रकिंग उद्योग को जोखिम भरा बना दिया है। उन्होंने हादसे को रोका जा सकने वाली त्रासदी करार दिया। एक ट्रक ड्राइवर की गलती ने बड़े पैमाने पर भारतीय ट्रक ड्राइवरों के लिए मुसीबत बढ़ा दी है ।

पूर्व राजदूत निक्की हेली ने कहा, भारत से रिश्ते बिगाड़ना बड़ी गलती, ट्रम्प को चेताया

भरोसा टूटा तो 25 साल की मेहनत हो जाएगी खराब

वॉशिंगटन(ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने भारत से संबंधों को लेकर ट्रम्प प्रशासन को चेतावनी दी है। न्यूजवीक मैगजीन में लिखे अपने आर्टिकल में निक्की कहा कि अगर भारत के साथ 25 साल में बना भरोसा टूटता है, तो यह एक रणनीतिक गलती होगी। निक्की ने यह आर्टिकल ट्रम्प के भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ और उसके दोनों देशों के संबंध पर असर के बारे में लिखा है। उन्होंने ट्रम्प प्रशासन को सलाह दी है कि वह भारत को एक और लोकतांत्रिक साझेदार माने।निक्की ने आर्टिकल की शुरुआत रीगन और इंदिरा गांधी के बीच 43 साल पहले हुए एक मुलाकात से की है। उन्होंने लिखा- जुलाई 1982 में अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने व्हाइट हाउस में भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के लिए डिनर रखा था। उस समय उन्होंने कहा था कि भारत और अमेरिका दो आजाद देश हैं। कभी-कभी हमारे रास्ते अलग हो सकते हैं, लेकिन मंजिल एक ही है। लेकिन चार दशक बाद आज अमेरिका-भारत संबंध मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं।

भारत पर टैरिफ लगाया, चीन पर नहीं

निक्की ने अपने आर्टिकल में लिखा कि चीन पर रूस से तेल खरीदने के बावजूद कोई प्रतिबंध नहीं है, जबकि भारत पर अमेरिकी टैरिफ लगाए जा रहे हैं। हेली के मुताबिक यह दिखाता है कि अमेरिका- भारत रिश्तों पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। हेली ने कहा कि भारत ही वह देश है जो एशिया में चीन की बढ़ती ताकत को बैलेंस कर सकता है। पूर्व राजदूत ने यह भी कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही जापान को पीछे छोड़ देगा। भारत का यह उभार चीन की महत्वाकांक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक विवाद को अगर लंबे समय के लिए बढ़ाया गया, तो चीन इसका फायदा उठा लेगा। उन्होंने सुझाव दिया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सीधे पीएम मोदी से बात करें और रिश्तों को फिर से पटरी पर लाएं।वहीं अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जॉन बोल्टन, ने भारत पर अमेरिका के टैरिफ (आयात शुल्क) की आलोचना की है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन की नीतियों को असामान्य और भ्रमित बताया। बोल्टन ने कहा कि इस समय भारत और अमेरिका के संबंध बहुत खराब स्थिति में हैं। उन्होंने भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ पर सवाल उठाया। उन्होंने चेतावनी दी कि इन नीतियों के कारण भारत, रूस और चीन के करीब जा सकता है, जिससे अमेरिका को नुकसान होगा। बोल्टन ने कहा कि व्हाइट हाउस ने व्यापार और ऊर्जा प्रतिबंधों पर एक जैसा रुख नहीं अपनाया है। बोल्टन ने ट्रंप के टैरिफ वाले फैसले को उनके असामान्य राष्ट्रपतित्व का हिस्सा बताया।

ट्रम्प प्रशासन को भारत की जरूरत

ट्रम्प प्रशासन की विदेश नीति के दो बड़े मकसद हैं। पहला चीन को पीछे छोडऩा और ताकत के जरिए दुनिया में शांति कायम करना। इन दोनों मकसद को पाने के लिए भारत के साथ रिश्ते सुधारना बेहद जरूरी है। भारत को चीन जैसा विरोधी मानकर सजा देना सही नहीं है। भारत एक लोकतांत्रिक और अहम साझेदार है। अगर अमेरिका भारत के साथ ऐसे ही टकराव जारी रखता है, तो यह रिश्तों के लिए खतरनाक होगा। एशिया में चीन की बढ़ती ताकत को रोकने में भारत ही सबसे मजबूत देश है। अगर अमेरिका ने इस साझेदारी को कमजोर कर दिया तो यह एक बड़ी रणनीतिक भूल होगी। अभी के समय में भारत की अहमियत और भी बढ़ जाती है। अमेरिका अपनी सप्लाई चेन को चीन से हटाना चाहता है। कुछ चीजों का उत्पादन अमेरिका में तेजी से नहीं हो सकता, जैसे कपड़े, सस्ते मोबाइल और सोलर पैनल। इन मामलों में भारत चीन का सबसे बड़ा विकल्प है।

हमास बंधकों को रिहा और युद्धविराम पर भले सहमत हो फिर भी गाजा पर करेंगे कब्जा

येरुशेलम,(ईएमएस)। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि अगर हमास बंधकों को रिहा करने वाली शर्तों के साथ युद्धविराम समझौते पर सहमत होता है, तब भी उनकी सेना पूरे गाजा पट्टी पर कब्जा करेगी। नेतन्याहू की यह टिप्पणी तब आई जब गाजा पर कब्जा करने के लिए इजराइली सुरक्षा बल आगे बढ़ रहे हैं और उनके इस कदम की अंतरराष्ट्रीय जगत में कड़ी आलोचना हो रही है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू ने कहा कि हमास को खदेड़ने का उनका लक्ष्य अपरिवर्तित है। उन्होंने कहा कि हम ऐसा वैसे भी करेंगे। ऐसा कभी नहीं था कि हम हमास को वहां छोड़ देंगे। नेतन्याहू ने कहा कि हम हर हाल में गाजा पर कब्जा करेंगे। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस समर्थन का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि हमास गाजा में नहीं रह सकता। नेतन्याहू ने कहा कि मुझे लगता है कि ट्रंप ने सही कहा है, उनका कहना है कि हमास को गाजा से जाना ही होगा। यह शुट्ज़स्टाफ़ेल को जर्मनी में ही छोड़ देने जैसा है। बता दें 1925 में हिटलर ने शुट्ज़स्टाफ़ेल की स्थापना की थी, जिसे एसएस के नाम से भी जाना जाता है। एसएस को शुरू में हिटलर के निजी अंगरक्षकों के रूप में बनाया गया था, बाद में इसने बड़ा रूप ले लिया और नाजियों पर कब्जा कर लिया था।नेतन्याहू ने तर्क दिया कि अगर हमास शेष बंधकों को रिहा करने, निरस्त्रीकरण करने और गाज़ा का विसैन्यीकरण करने पर सहमत हो जाए, तो युद्ध आज ही खत्म हो सकता है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय आलोचना को यहूदी-विरोधी सुनामी कहकर खारिज कर दिया। बता दें इजरायली रक्षा बलों ने घनी आबादी वाले फ़िलिस्तीनी क्षेत्र के उत्तरी भाग में स्थित गाज़ा शहर पर कब्ज़ा करने की अपनी रणनीति के तहत युद्ध का अगला चरण शुरू कर दिया है। नेतन्याहू ने इसे हमास का गढ़ बताया है। इसके साथ ही इजराइली सेना के जवान गाजा पट्टी में अंदर घुस गए। दूसरी तरफ संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने नेतन्याहू से तुरंत अपने सैनिकों को गाजा से बुलाने और युद्धविराम का आह्वान किया है।उन्होंने कहा है कि इजराइली सेना के आक्रमण से गाजा पट्टी में भूख से तड़प रहे लोगों का बड़े पैमाने पर विनाश हो जाएगा। अक्टूबर 2023 से अब तक गाजा में फ़िलिस्तीनियों की आधिकारिक मौत के आंकड़े इस सप्ताह बढ़कर 62,000 को पार कर गए हैं।

दक्षिण अमेरिका में आया 7.5 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी

चिली,(ईएमएस)। दक्षिण अमेरिका में शुक्रवार सुबह ड्रेक पैसेज में 7.5 तीव्रता का एक जबरदस्त भूकंप आया, जिसके बाद चिली स्थित नौसेना जल सर्वेक्षण और समुद्र विज्ञान सेवा ने चिली के अंटार्कटिक क्षेत्र के लिए सुनामी की चेतावनी जारी कर दी। पहले इस भूकंप की तीव्रता 8.0 बताई गई थी, लेकिन बाद में संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इसे घटाकर 7.5 बताया। सर्वेक्षण में बताया गया कि भूकंप 11 किमी की गहराई पर आया था।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक झटका ड्रेक पैसेज में महसूस किया गया, जो दक्षिण अमेरिका के सुदूर दक्षिणी छोर और अंटार्कटिका के बीच स्थित समुद्री इलाका है।राहत की बात यह है कि अब तक किसी भी तरह के नुकसान या जनहानि की खबर नहीं है।

वहीं सुनामी की चेतावनी भी जारी कर दी गई है। भूकंप का झटका भारतीय समय के मुताबिक सुबह 7 बजकर 46 मिनट पर दर्ज किया गया। वैज्ञानिकों के मुताबिक इतनी बड़ी तीव्रता का भूकंप समुद्र में सुनामी जैसी आपदाओं को जन्म दे सकता है।

12 हजार फीट की ऊंचाई पर विमान की विंग फ्लैप टूटी, यात्रियों में मचा हड़कंप

विमान की पायलट ने कराई सुरक्षित लैंडिंग, डेल्टा एयरलाइंस सर्विस से हटाया

आखिर क्या होती है विंग फ्लैप और कैसे करती हैं ये काम

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के ऑरलैंडो से ऑस्टिन जा रही डेल्टा एयरलाइंस की फ्लाइट 1893 में उस समय हड़कंप मच गया, जब वह 12 हजार फीट की ऊंचाई पर प्लेन के बाएं विंग का विंड फ्लैप टूटकर लटक गया। बता दें बोइंग 737 के इस प्लेन लैंडिंग के लिए ऑस्टिन-बर्गस्ट्रॉम इंटरनेशनल एयरपोर्ट की तरफ बढ़ रहा था। तभी विंडो सीट पर बैठी एक लेडी पैसेंजर की नजर विंग के विंड फ्लैप पर पड़ी। यह विंड फ्लैप तकरीबन टूट चुका था और हवा में उड़ सकता था।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिला यात्री शनीला अरीफ ने तुरंत इस बारे में फ्लाइट क्रू मेंबर को बताया और फिर अपनी विंडो सीट से इस डरावने मंजर को कैमरे में कैद कर लिया। वहीं, जब इस बारे में प्लेन के दूसरे यात्रियों को पता चला तो पूरी फ्लाइट में अफरा तफरी मच गई। गनीमत रही कि पायलट ने विमान को ऑस्टिन-बर्गस्ट्रॉम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड करा दिया, जिसके बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली। लैंडिंग के बाद जब विमान की जांच हुई तो पाया गया कि बाएं विंग का विंड फ्लैप पूरी तरह से अलग हो चुकी थी। डेल्टा एयरलाइंस ने इस प्लेन को सर्विस से हटा लिया है और मेंटेनेंस के लिए भेज दिया है।एक निजी एयरलाइंस के सीनियर कमांडर के मुताबिक विंग्स के पीछे के हिस्से पर लगे विंड फ्लैप्स टेकऑफ के दौरान लिफ्ट और लैंडिंग में ड्रैग को कंट्रोल करने का काम करते हैं। जब फ्लैप्स नीचे की ओर झुके होते हैं, तो वे विंग्स की लिफ्ट को बढ़ाते हैं और प्लेन कम गति में भी आसानी से उड़ान भर जाता है। लैंडिंग में ये विंड फ्लैप प्लेन के ड्रैग को बढ़ाते हैं, जिससे विमान की स्पीड को आसानी से कंट्रोल किया जाता है। टेकऑफ और लैंडिंग के दौरान इन फ्लैप्स को अलग-अलग एंगल पर अरजेस्ट किया जाता है। हर एंगल पर यह फ्लैप अगल-अलग भूमिका अदा करते हैं।उन्होंने बताया कि जब विमान टेकऑफ के लिए रनवे पर दौड़ता है, तब विंग फ्लैप्स को थोड़ा नीचे की ओर झुका दिया जाता है। इससे प्लेन के विंग्स की लिफ्ट बढ़ती है और कम दूरी में ही हवा में लिफ्ट करने की पॉवर भी मिलती है। ये विंड फ्लैप खासकर छोटे रनवे वाले एयरपोर्ट पर बेहद मददगार साबित होते हैं। बोइंग 737 जैसे यात्री विमान में फ्लैप्स को टेकऑफ के लिए 5 से 15 डिग्री के कोण पर सेट किया जाता है। इससे विमान बेहद तेजी से हवा में उठता है। बिना फ्लैप्स के विमान को उड़ान भरने के लिए बहुत ज्यादा स्पीड और लंबे रनवे की जरूरत पड़ती है।अब बड़ा सवाल यह है कि अगर विंड टूट जाएं, तो क्या होगा? इस सवाल पर सीनियर कमांडर का कहना है कि विंग फ्लैप्स का टूटना या काम न करना फ्लाइट सेफ्टी के लिहाज से गंभीर स्थिति हो सकती है. लेकिन इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि खराबी कितनी गंभीर है और विमान किस स्थिति में है। हालांकि, पायलटों को ऐसी स्थिति से निपटने की ट्रेनिंग दी जाती है और वे बिना फ्लैप्स के भी टेकऑफ को मैनेज कर सकते हैं, लेकिन यह प्रॉसेस सामान्य से ज्यादा मुश्किल और जोखिम भरा होता है। लैंडिंग के दौरान फ्लैप्स का खराब होना ज्यादा गंभीर हो सकता है. चूंकि, लैंडिंग के दौरान, प्लेन की स्पीड काफी अधिक होती है और इन विंड फ्लैप्स की मदद से स्पीड को कंट्रोल किया जाता है, लिहाजा फ्लैप के बिना लैंडिंग करने पर विमान को रोकने के लिए बड़े रनवे की जरूरत होगी। अगर रनवे छोटा हो या गीला हो, तो यह हादसे की वजह बन सकता है। बता दें बोइंग का 737 मैक्स प्लेन पहले भी विवादों में रह चुका है। 2018 में इंडोनेशिया और 2019 में इथियोपिया में हुए दो हादसों में 346 लोगों की जान चली गई थी।

शुभमन की वापसी से सैमसन को नहीं मिलेगा पारी की शुरुआत का अवसर : रहाणे

मुम्बई (ईएमएस)। बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने कहा हे कि शुभमन गिल के एशिया कप के लिए चयन से साफ हो गया है कि अब संजू सैमसन को पारी की शुरुआत का अवसर नहीं मिलेगा। रहाणे के अनुसार शुभमन पिछली बार टीम में नहीं थे इसलिए अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने पारी की शुरुआत की थी प इस बार वह उपकप्तान के तौर पर वापसी कर रहे हैं। जिससे तय है कि सैमसन पारी की शुरुआत के लिए पहली पसंद नहीं रहेंगे।

शुभमन के टीम में होने से वह अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करते दिख सकते हैं। ऐसे में सैमसन को किसी और नंबर पर उतरना पड़ेगा। रहाणे ने कहा, "शुभमन टीम में वापस आ गए हैं, मुझे लगता है कि वह अभिषेक के साथ शुरुआत करेंगे। मैं हालांकि सैमसन को टीम में देखना चाहूंगा क्योंकि उन्होंने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह बहुत आत्मविश्वासी व्यक्ति, बहुत अच्छे टीम मैन हैं. मुझे लगता है कि यह बहुत अहम बात है।

उन्होंने आगे कहा, "सैमसन एक महान टीम मैन हैं पर यह टीम प्रबंधन के लिए एक बहुत अच्छी समस्या है। मेरी राय में सैमसन बाहर बैठेंगे, हालांकि जैसा मैंने कहा, मैं उन्हें खेलते हुए और अंतिम ग्यारह में देखना चाहूंगा पर वर्तमान हालातों को देखते हुए शुभमन और अभिषेक को ही अवसर मिलेगा।"

रहाणे ने कहा है कि वह तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह को एक साथ खेलते देखने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंनें कहा कि "मैं वास्तव में इस एशिया कप में जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह को एक साथ गेंदबाजी करते देखने के लिए उत्साहित हूं। हम बुमराह के बारे में ज्यादा बात नहीं करना चाहते। हम सभी जानते हैं कि वह कितने खतरनाक हैं। वहीं बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप बहुत आत्मविश्वासी खिलाड़ी हैं, वह गेंद को दोनों तरफ स्विंग कर सकते हैं। वह सीधे और वाइड यॉर्कर भी डाल सकते हैं।" रहाणे ने कहा, "11वां खिलाड़ी विकेट पर निर्भर करेगा क्योंकि हम दुबई में खेल रहे हैं और वहां के हालातों के अनुसार तय होगा कि स्पिर वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा में से किसे अवसर मिलेगा।,"

रहाणे की पसंदीदा अंतिम ग्यारह : शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पांड्या, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती/

भारतीय टीम एशिया कप में नहीं खेले तो भी हमें परेशानी नहीं : अकरम

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने कहा है कि भले ही एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला न हो पाये पर खेल चलते रहने चाहिये। अकरम ने कहा कि एशिया कप का कार्यक्रम घोषित हो गया है और इस पर भारतीय प्रशंसकों की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हो रही है पर हम शांत हैं। हम खेलें या न खेलें, हमें कोई दिक्कत नहीं होगी। खेल जारी रहना चाहिए। इस बार एशिया कप में भारत और पाकिस्तान को ग्रुप ए में यूएई और ओमान के साथ रखा गया है। दोनों टीमों के बीच 14 सितंब को दुबई में मैच खेला जाएगा। वहीं इस मैच का काफी विरोध भी हो रहा है और प्रशंसक इसे रद्द करने की मांग कर रहे हैं। पाक के साथ मैच खेलने को लेकर टीम इंडिया को भारी विरोध का सामना करना पड़ा रहा है क्योंकि क्रिकेट प्रशंसकों का कहना है कि पहलगाम हमले को देखते हुए पाक के साथ सभी सभी प्रकार के खेल संबंध तोड़ देने चाहिये। उनका कहना है कि जिस प्रकार इंडिया चैंपियंस टीम ने लंदन में हुए वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान चैंपियंस के साथ खेलने से इनकार कर दिया था। वैसा ही कुछ एशिया कप में भी होना चाहिये।

एशिया कप में हालांकि भारतीय टीम के खेलने पर फैसला क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार करेगा। बीसीसीआई ने एशिया कप के लिए पहले ही सहमति दे दी है इसलिए वह अब मैच के बहिष्कार की बात कहेगा इसकी संभावना काफी कम है। अकरम ने कहा कि भारत में प्रशंसकों के बहिष्कार की अपील से पाकिस्तान परेशान नहीं है और चाहे भारतीय टीम उनके साथ एशिया कप में खेले या नहीं, उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अकरम ने कहा कि एशिया कप का कार्यक्रम घोषित हो गया है और इस पर भारतीय प्रशंसकों की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हो रही है पर हम शांत हैं। हम खेलें या न खेलें, हमें कोई दिक्कत नहीं होगी। खेल जारी रहना चाहिए। अकरम ने हालांकि कहा कि, वह भारत और पाकिस्तान के बीच एक टेस्ट सीरीज देखना चाहते हैं। गौरतब है कि दोनों टीमों ने एक दशक से ज्यादा समय से कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है। दोनों टीमों के बीच अंतिम बार टेस्ट सीरीज 2007-08 में हुई थी। उसके बाद मुम्बई आतंकी हमले को देखते हुए बीसीसीसी ने पाक से खेलने से इंकार कर दिया था।

अंपायर के तौर पर काम कर रहे न्यूजीलैंड के स्टिर्राट रहे थे पॉर्न स्टार

क्राइस्टचर्च (ईएमएस)। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड मैच में अंपायर के तौर पर उतरे गार्थ स्टिर्राट एक समय पॉर्न इंडस्ट्री में काम करते थे। न्यूजीलैंड के स्टिर्राट को क्रिकेट ने बेहतर जिंदगी जीने का अवसर दिया है। अब वह अंपायर के तौर पर अपनी नई पहचान बना रहे हैं। वेलिंगटन न्यूजीलैंड में जन्मे स्टिर्राट ने शुरुआत में बी ग्रेड की अश्लील फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया था। वहीं साल 2019 में स्टिर्राट को 51 की उम्र में नेल्सन में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच हुए टी20 इंटरनेशनल में चौथे अंपायर की भूमिका निभाने का अवसर मिला। उन्होंने न्यूजीलैंड में घरेलू मैचों में मुख्य अंपायर के रूप में काम किया है। इसके अलावा महिलाओं के अंतरराष्ट्रीय मैचों में भी जिम्मेदारी संभाली है। स्टिर्राट ने इंग्लैंड की हार के लिए चौथे अधिकारी के रूप में चुने जाने पर अपनी खुशी व्यक्त की थी। उन्होंने लिखा था, "नेल्सन में टी20 में चौथे अंपायर के रूप में शामिल होने पर गर्व महसूस हुआ। "एक रिपोर्ट के अनुसार स्टिर्राट ने मैगजीन पोर्न शूट्स में

भी हिस्सा लिया था। उस समय वह प्रोफेशनल गोल्फर्स एसोसिएशन के साथ थे। पार्नेल को साल 2003 में एक एडल्ट मूवी में दिखाया गया। स्टिर्राट ने कहा था, "मेरी जीवन में घटी बहुत पुरानी घटना पर मुझे कुछ नहीं कहना है। मैं इसे फिर से याद नहीं करना चाहता।" साल 2010 में न्यूजीलैंड होटल काउंसिल की चेयरवुमन जेनी लैंगली ने कहा था, "मैंने गार्थ से बात की है और उन्होंने मुझे बताया कि वह छह साल पहले कुछ ऐसी फिल्मों में शामिल थे, जब वह सिंगल थे और ऑकलैंड में रह रहे थे।"मैंने बोर्ड के सदस्यों से भी बात की है जो जिन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी इसलिए उन्होंने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया।" स्टिर्राट ने पहले अपने देश में क्रिकेट खेला था और बाद में अंपायरिंग में कदम रखा। वह पहले न्यूजीलैंड प्रोफेशनल गोल्फर्स एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी थे लेकिन 2008 में इस्तीफा दे दिया। उन्होंने न्यूजीलैंड होटल काउंसिल के प्रमुख के रूप में भी पद संभाला था लेकिन पुराने रिकार्ड के कारण उन्हें इस्तीफा देना पड़ा।

आईसीसी ने महिला विश्वकप के लिए मैच स्थल में किया एक बदलाव बेंगलुरु के मैच मुम्बई में होंगे

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगले महीने होने वाले महिला एकदिवसीय विश्व कप के लिए एक बदलाव किया है। आईसीसी ने कहा है कि अब बेंगलुरु में होने वाले मैच मुम्बई में होंगे। आईसीसी ने पांच स्थानों में से एक के रूप में बेंगलुरु को सूची से हटा दिया है। विश्वकप टूर्नामेंट 30 सितंबर से शुरू होगा जिसमें अब नवी मुंबई स्थित डीवाई पाटिल स्टेडियम में तीन लीग मैच, एक सेमीफाइनल खेला जाएगा। पाकिस्तान के बाहर होने पर फाइनल सहित पांच मैच यहां आयोजित किए जाएंगे। आईसीसी के अनुसार बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के उपलब्धि नहीं होने के कारण मैच स्थल को मुम्बई कर दिया गया है। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा, ' अप्रत्याशित हालातों के कारण हमें कार्यक्रम में से हल्का बदलाव करना पड़ा है। हमें खुशी है कि हमारे पास 5 विश्वस्तरीय स्थान हैं, जहां महिला क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ मैच देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा, 'मंच तैयार है और मुझे विश्वास है कि यह टूर्नामेंट कल्पनाओं को साकार करते हुए प्रशंसकों की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा।

आठ टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए अन्य मैच स्थलों में गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और कोलंबो शामिल हैं। आईसीसी ने हालांकि बेंगलुरु को हटाने के स्पष्ट कारणों के बारे में नहीं बताया है पर पूरी संभावना है कि यह परिवर्तन कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ द्वारा मेजबानी के लिए आवश्यक मंजूरी हासिल करने में असफल होने के कारण किया गया। गौरतब है कि इस साल की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल जीत की खुशी में हुए जश्न के दौरान मची भगदड़ की जांच के बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम को बड़ी प्रतियोगिताओं की मेज़बानी के लिए अयोग्य करार दिया गया था।

स्लोवेनिया में यूईएफए कांफ्रेंस लीग फुटबॉल में भाग लेते हुए एनके ओलंमपिझा व एफसी नोह के खिलाड़ी।

दक्षिण अफ्रीक के ब्रीट्जके ने लगातार चार अर्धशतक लगाकर सिद्धू का रिकार्ड तोड़ा

सिडनी (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ब्रीट्जके ने ऑस्ट्रेलिया खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में 78 गेंदो में 88 रनों की पारी खेलने के साथ ही एक अहम रिकारुड अपने नाम किया है। अब ब्रीट्जके एकदिवसीय में लगातार चार बार पचास से ज्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए है। इसी के साथ ही उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू का 48 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ब्रीट्जके ने इससे पहले आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ त्रिकोणीय

सीरीज में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने पहले एकदिवसीय मैच में भी 150 रन बनाए थे। ब्रीट्जके एक बहुमुखी बल्लेबाज है। उन्होंने अपने पहले एकदिवसीय मैच में सलामी बल्लेबाज के रूप में खेला। फिर अगले मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की और अब चौथे नंबर पर भी सफलता हासिल की है।

अपनी पहली चार एकदिवसीय पारियो में ब्रीट्जके ने 150, 83, 57 और 88 रनों की पारी खेली है। शुरुआत में ही विपरीत हालातों में भी विरोधियो पर हावी होने की उनकी क्षमता ने उन्हें एक बेहतर बल्लेबाज के रुप में पहचान दी है। गौरततब है कि सिद्धू ने 1987 में अपने एकदिवसीय करियर की शुरुआत में लगातार सबसे ज्यादा 50 से अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। हालांकि उनके चार अर्धशतक पांच मैचो में ही बने थे। वहीं ब्रीट्जके ने चार पारियो में यह उपलब्धि हासिल करके उन्हें पीछे छोड़ दिया है।

पाकिस्तान से एशिया कप खेलने के लिए तैयार होने से हैरान हैं मनोज तिवारी

कुछ महीनों बाद ही सब कुछ भुला दिया गया

कोलकाता (ईएमएस)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर कड़ी आपत्ति जतायी है। तिवारी ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान से किस प्रकार मैच खेलने के लिए खेल मंत्रालय तैयार है समझ नहीं आता। एशिया कप में भारत-पाक मुकाबल 14 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा। इस मैच को लेकर कई लोगों ने विरोध जताया है पर खेल मंत्रालय का कहना है कि बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट होने के कारण वह इसमें भारतीय टीम को भाग लेने से रोक नहीं सकता है। वहीं प्रशंसकों का मानना है कि जिस प्रकार से रिटायर्ड भारतीय खिलाड़ियों ने हाल ही में विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्लयूसीएल) में पाकिस्तान के खिलाफ अपने मैच खेलने से इंकार कर दिया था वैसा ही कुछ इस बार टीम को करना चाहिये। मनोज तिवारी ने कहा, मुझे थोड़ा आश्चर्य हो रहा है कि यह मैच होने जा रहा है... पहलगाम हमले के बाद जिसमें कई निर्दोष नागरिक मारे गए थे, और उसके बाद हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद बहुत सी बातें चल रही थीं कि इस बार हम करारा जवाब देंगे। इसके बावजूद कुछ महीनों बाद सब कुछ भुला दिया गया मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि यह मैच हो रहा है, मानव जीवन का मूल्य कैसे शून्य हो सकता है। वे पाकिस्तान के साथ खेलकर क्या हासिल करना चाहते हैं? मानव जीवन का मूल्य खेल से बढ़कर होना चाहिए मेरे मैच देखने का तो सवाल ही नहीं उठता। एशिया कप 2025 के लिए मंगलवार को भारतीय टीम की घोषणा की गई जिसमें कप्तान सूर्यकुमार टीम की कमान संभालेंगे और शुभमन गिल उप-कप्तान होंगे।

मुम्बई की कप्तानी छोड़ रहे रहाणे

मुम्बई (ईएमएस)। अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने मुंबई क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ने की घोषणा की है। रहाणे ने सोशल मीडिया में एक लंबा पोस्ट साझा करते हुए ये बात कही है। रहाणे के अनुसार वह नई पीढ़ी के लिए कप्तानी छोड़ रहे हैं। साथ ही कहा कि अब किसी नये नेतृत्व को विकसित किये जाने की जरुरत है। 37 साल के रहाणे के अनुसार अब कप्तानी में बदलाव का समय आ गया है। इसलिए किसी और को अब कप्तानी की जिम्मेदारी दी जाए। रहाणे ने अपनी कप्तानी में मुश्ताक अली ट्रॉफी के आखिरी सत्र में मुंबई टीम को खिताब जिताया था। इस बल्लेबाज ने कहा कि मुंबई टीम की कप्तानी करना और उसके साथ चैंपियनशिप जीतना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात रही है। नए घरेलू सत्र से पहले मुझे लगता है कि अब किसी नए खिलाड़ी को तैयार करने का सही समय है, इसलिए मैंने कप्तानी की भूमिका में आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। रहाणे ने लिखा, मैं अब एक खिलाड़ी के तौर पर उतरते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करुंगा। मेरा लक्ष्य मुंबई के साथ अपनी जर्नी को जारी रखना और टीम को और ज्यादा ट्रॉफी जिताने में सहायता करना है। रहाण की कप्तानी में मुंबई ने घरेलू क्रिकेट में काफी उपलब्धियां हासिल की, जिसमें मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतना भी शामिल रहा है। उस टूर्नामेंट में उन्होंने सबसे ज्यादा रन बनाये थे। थे। उनकी कप्तानी में टीम को रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंची थी पर विदर्भ के हाथों हार कर बाहर हो गयी थी।

भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाली सीरीज खेलना चाहते हैं रोहित

संन्यास की अटकलें लगा रहे लोगों को झटका

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले दोनो ही की ए टीमों के बीच होने वाले मुकाबले खेलना चाहते हैं। वहीं इस बात की चर्चाएं हैं कि इस सीरीज के बाद रोहित और विराट कोहली को संन्यास लेना पड़ेगा पर अब जिस प्रकार से रोहित ने भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाली सीरीज खेलकर अभ्यास करने का फैसला किया है। उससे लगता नहीं है कि अभी उनका खेल को अलविदा कहने का इरादा है। ऐसे में उनके संन्यास की अटकले लगा रहे लोगों को करारा झटका जरुर लगा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एकदिवसीय प्रारुप के भारतीय टीम के कप्तान रोहित

भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाले

तीन अनौपचारिक एकदिवसीय मैचों में खेलने के इच्छुक हैं। ये तीन मैच 30 सितंबर से 5 अक्टूबर के बीच कानपुर में खेले जाएँगे। ये मुकाबले भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे से ठीक पहले होंगे। भारतीय टीम को इस दौरे में 3 एकदिवसीय और 5 टी20 मैच खेलने हैं। रोहित ने अंतिम बार इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में खेला था। उसके बाद से ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

रोहित ने अभ्यास भी शुरु कर दिया है। वह मैच फिटनेस के लिए ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ खेलना चाहते हैं जिससे सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर सकें और ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए कमज़ोर न पड़ें। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार चयनकर्ता 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए रोहित से आगे देख रहे हैं। वहीं इसमें आगे कहा गया था कि रोहित को एकदिवसीय टीम में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए दिसंबर 2025 में शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के लिए कहा जाएगा।

रिंकू ने तेजी से शतक लगाकर मेरठ माविरक्स को जीत दिलायी

लखनऊ (ईएमएस)। बल्लेबाज रिंकू सिंह ने यहां जारी यूपी टी20 लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में तेजी से अर्धशतक लगाकर अपना पुराना फार्म हासिल कर लिया है। इस टूर्नामेंट में मेरठ माविरक्स की कप्तानी कर रहे रिंकू ने गोरखपुर लायंस के खिलाफ मुकाबले में शतक लगाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। रिंकू ने अपनी इस पारी में जमकर चौके और छक्के लगाये। उन्होंने 48 गेंदों पर 8 छक्के और 7 चौके के साथ ही नाबाद 108 रन बनाए। रिंकू जब बल्लेबाजी के लिए उतरे थे जब उनकी टीम ने 38 रनों पर ही 4 विकेट खो दिये थे। इसके बाद रिंकू ने आक्रामक रुख अपनाते हुए आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। रिंकू ने इसी के साथ ही एशिया कप के लिए भी अपने चयन को भी सही साबित किया है। इस मैच में मेरठ मावरिक्स की टीम को जीत किए 168 रनों का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए रिंकू की टीम ने 8 ओवर में 38 रनों पर ही चार विकेट खो दिये। उसके शीर्ष क्रम के चार बल्लेबाज 15 रन भी नहीं बना पाये। इसके बाद रिंकू ने युवराज सिंह के साथ मिलकर पांचवे विकेट के लिए 65 गेंदों पर ही 130 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। युवराज सिंह ने भी 22 गेंदों पर नाबाद 22 रन बनाकर रिंकू का अच्छा साथ निभाया। रिंकू ने मेरठ माविरक्स की पारी के 19वें ओवर की शुरुआती 3 गेंदों पर छक्के लगाकर मैच पलट दिया। इससे पहले उन्होंने 18वें ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाया था।

श्रेयस को एकदिवसीय कप्तान बनाने की कोई बात नहीं हुई : सैकिया

तीनों ही प्रारुपों में एक ही कप्तान बनेगा

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि उसका इरादा भविष्य में एक ही खिलाड़ी को टीम की कप्तानी देना है। ऐसे में इस प्रकार की रिपोर्ट गलत है जिसमें कहा गया है कि आने वाले समय में एकदिवसीय प्रारुप की कप्तानी श्रेयस अय्यर को सौंपी जाएगी। शुभमन अभी टेस्ट कप्तान और टी20 में उप्तान बनाये गये हैं और भविष्य में उनके ही तीनों प्रारुपों की कमान संभालने की उम्मीद है। वहीं इससे पहले कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि बोर्ड अय्यर को एकदिवसीय कप्तान के तौर पर रोहित शर्मा की जगह पर रखना चाहता है। इसमें कहा गया था कि शुभमन को भविष्य में सूर्यकुमार यादव के बाद टी20 की भी कप्तानी सौंपी जाएगी और अय्यर एकदिवसीय की जिम्मेदारी संभालेंगे पर बीसीसीआई ने उन रिपोर्ट्स को गलत बताया है। बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं हुई है। साथ ही कहा कि आगे चलकर तीनों ही प्रारुपों की कमान एक ही खिलाड़ी को मिल सकती है।

रोहित अभी 38 साल के हैं और उनका कैरियर समाप्त होने की ओर है। उन्होंने टी20 और टेस्ट क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले लिया है। ऐसे में उनकी नजर 2027 के एकदिवसीय विश्वकप पर है। इस प्रारुप में वह अभी भी विश्व के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में हैं। हालांकि, बढ़ती उम्र की वजह से वह अगले विश्व कप तक खेल पाएंगे इसकी संभावना बेहद कम है। ऐसे में श्रेयस एकदिवसीय में रोहित के उत्तराधिकारी के लिए दावेदार तो हैं प वह बोर्ड की पहली पसंद नहीं हैं। उनकी जगह पर वर्तमान टेस्ट कप्तान शुभमन गिल एकदिवसीय कप्तानी के लिए पहली पसंद हैं। शुभमन का एकदिवसीय में 59 का औसत है और पहले से ही टीम के उपकप्तान हैं। उनकी उम्र भी अभी 25 साल ही है और उनके सामने लंबा समय है। ऐसे में उनके भविष्य में एकदिवसीय कप्तान बनने की सबसे ज्यादा उम्मीद हैं।

अब भारतीय क्रिकेटरों के लिए ब्रोंको टेस्ट लाये कंडीशनिंग कोच रूक्स

मुम्बई (ईएमएस)। पिछले कुछ समय में अन्य खेलों की तरह ही क्रिकेट में भी फिटनेस को काफी महत्व दिया जा रहा है। फिटनेस का शीर्ष स्तर का बनाये रखने के लिए खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जाता है और उसकी जांच के लिए यो-यो सहित कई प्रकार के टेस्ट होते हैं। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब तक यो यो टेस्ट को ही फिटनेस मानक के रूप में इस्तेमाल करती थी पर अब टीम इंडिया के हेल्थ और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच एड्रियन ले रूक्स एक नया ब्रोंको टेस्ट लेकर आए हैं। उनका कहना है कि ब्रोंको टेस्ट भारतीय क्रिकेटरों को और भी मजबूत और फिट बनायेगा। ब्रोंको टेस्ट मुख्य रुप से रग्बी खेल से जुड़ा हुआ है। इससे खिलाड़ियों के फिटनेस स्तर और सहनशक्ति को बढ़ाया जाता है। ब्रोंको टेस्ट में

खिलाड़ी को लगातार दौड़ना होता है। पहले 20 मीटर, फिर 40 मीटर और फिर 60 मीटर की दौड़ लगानी होती है। तीनों दौड़ को मिलाकर एक सेट बनाया गया है। टेस्ट के दौरान खिलाड़ियों को ऐसे पांच सेट पूरे करने होते हैं और कुल 1200 मीटर की दौड़ लगानी होती है। सभी पांच सेट 6 मिनट के अंदर पूरे करने होते हैं। कम समय में लगातार दौड़ ही इस टेस्ट को बेहद कठिन बनाता है। यह टेस्ट विशेष रुप से पर तेज गेंदबाजों के लिए लाया गया है। कोचिंग स्टाफ का मानना है कि खिलाड़ी मैदान से ज्यादा समय जिम में बिता रहे हैं जबकि मैदान पर दौड़ना ज्यादा जरुरी है। इस टेस्ट से यह तय होगा कि तेज गेंदबाज लंबे स्पेल तक बिना थकान के कर पायेंगे। गौरतब है कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दौरे पर भारतीय तेज गेंदबाजों, खासकर जसप्रीत बुमराह, को लंबे स्पेल करने में परेशानी हुई थी। इंग्लैंड दौरे पर केवल मोहम्मद सिराज ही सभी पांच टेस्ट खेल पाये थे। ऐसे में टेस्ट मैचों में गेंदबाजों की निरंतरता और उनकी ऊर्जा बनाए रखने के लिए ब्रोंको टेस्ट लाया गया है।एक रिपोर्ट के अनुसार कुछ भारतीय खिलाड़ियों ने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ब्रोंको टेस्ट दिया भी है। बीसीसीआई पहले से ही यो-यो टेस्ट और 2 किलोमीटर टाइम ट्रायल जैसी फिटनेस परीक्षाएं लेती रही है। अब ब्रोंको टेस्ट को भी इन मानकों में शामिल किया गया है। दोनों टेस्ट प्रणालियों को मिलाकर खिलाड़ियों का फिटनेस स्तर देखा जाएगा। कंडीशनिंग कोच रूक्स जून में भारतीय टीम से स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच के रूप में जुड़े थे।

अश्विन ने बताया संन्यास का कारण

चेन्नई (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के दौरान अचानक ही संन्यास लेने वाले दिग्गज स्पिनर आर आश्विन ने अब उनके इस फैसले का कारण बताया है। : अश्विन ने अपने प्रशंसकों से कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे में बेंच पर ही बैठे-बैठे थक गये गये थे। ऐसे में उनके पास संन्यास लेने के अलावा कोई और रास्ता नहीं था। अश्विन के संन्यास से उनके प्रशंसक भी सकते में आ गये थे, कई लोगों ने इसके लिए कोच गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन को जिम्मेदार बताया था। अश्विन ने संन्यास से पहले राहुल द्रविड़ से मजाक में कहा मुझे लगता है कि यह बस समय की बात थी, और मैं अपनी जिंदगी में कहां खड़ा था, है ना? मुझे लगता है कि मैं काफी बूढ़ा हो गया था, यह तो मानना ही पड़ेगा।इसके बाद उन्होंने असली वजहों को बतया और कहा कि विदेशी दौर पर लगातार बैंच पर बैठने की निराशा से वह थक गये थे। अश्विन ने कहा, टूर पर जाना और ज्यादा समय तक बाहर बैठना, आखिरकार मुझ पर हावी हो गया, इससे मेरे मन में खेल से दूर जाने के विचार आने लगे।

रियो डि जिनेरो में जिम्नास्टिक मुकाबले में भाग लेती हुई ब्राजील की बारबार डोमिंगोज।

दहीबाड़ी वाशरी के मजदूरों ने अपनी मांग को लेकर जनता श्रमिक संघ के बैनर तले अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे

चिरकुंडा,(धनबाद), दहीबाड़ी वासरी सी.वी एरिया बीसीसीएल एसीबी इंडिया लिमिटेड के मजदूर जनता श्रमिक संघ यूनियन के बैनर तले आज दूसरे दिन मजदूर धरना पर बैठे । कॉल रिसीविंग गेट को भी जाम कर दिया गया।

वही जनता श्रमिक संघ के मजदूर असंगठित प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय अध्यक्ष, भोला चौहान ने बताया कि बीसीसीएल एरिया दहीबाड़ी वासरी की ओर से कुछ मजदूरों को एचपीसी की सुविधा कुछ नहीं मिलता है। वही लगभग 135 मजदूरों को एचपीसीए की सुविधा दी जा रही है केवल 14 से 15 मजदूरों को ही इससे वंचित रखा गया है। उन्होंने कहा की जिस मजदूर का जितना पेमेंट मिलता था, इनके पेमेंट में भारी कटौती की गई । यह वासरी जब बन रहा था। इसके बुनियाद में ईट रखने वाले मजदूर को एच.पी.सी के सुविधा से वंचित रखा गया। मजदूर नेता का कहना है इस दहीबाड़ी वासरी को अपने पॉल्यूशन पर कंट्रोल नहीं है। जिसके कारण कई मजदूरों को टीवी जैसी जानलेवा बीमारी हो गई है। एक मजदूर की जान भी जा चुकी है। वासरी में मजदूर की सेफ्टी की भी कोई व्यवस्था नहीं है । जिसके करण भविष्य में अप्रिय घटना से इनकार नहीं किया जा सकता, वही शौचालय की भी दशा अत्यंत दयनीय है। इसी के साथ मजदूरों ने कई मांगों को लेकर मजदूरों ने जनता श्रमिक संघ के बैनर तले 21,8,2025 से अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे हैं।

इन मजदूरों की अनिश्चितकालीन धरना से दहीबाड़ी वासरी के प्रबंधक अपने मजदूरों से बात ना करके अपनी सुरक्षा में झारखंड पुलिस बल और साथी ही सीआईएफ कंपनी को दहीबाड़ी वासरी अपनी सुरक्षा के लिए, बुलाकर तैनात कर दिये है।

आगे उन्होंने कहा की कंपनी के तरफ से जो सुविधा इस मजदूर को मिलना चाहिए, सभी सुविधाओं से यह मजदूर वंचित है। मौके पर सफीर खान,भूपेंद्र सिंह,ओम प्रकाश सिंह,टी एन पांडे अरुण सिंह, विजय प्रताप सिंह रंजीत पासवान धीरज सिंह, राजीव दीक्षित, रविंदर यादव, अजीत सोनी रणधीर सिंह, संदीप सिंह पिंटू पासवान सोनू मोहन अमरदीप पवन राहुल मणिकांत इत्यादि उपस्थित थे।प्रशासन के मध्यस्थ के बाद दो चरण में वार्ता की गई । जिसमें बीसीसीएल के एजीएम सुभाशीष घोष एपीएम शायक गोस्वामी, एसीबी संजय सिन्हा व राजीव सिंह, मंतोष बल की उपस्थिति में प्रशासन के तरफ से चिरकुंडा पुलिस एवं मजिस्ट्रेट श्रीकांत मंडल की उपस्थिति में वार्ता हुई ।परंतु बीसीसीएल एवं एक प्रबंधन एक दूसरे पर दायित्व का निर्माण का आरोप लगाते रहे। अंततह वार्ता विफल हो गई । इसलिए जनता श्रमिक संघ के सदस्यों ने निर्णय लिया क्रमवार आंदोलन के तीसरे दिन वास्तविक के पीएलसी सिस्टम को बाधित करने का कार्य किया जाएगा।

लोयाबाद में बिजली संकट गहराया, लगातार बारिश और फॉल्ट से अंधेरे में डूबा शहर

घरों में इन्वर्टर और बैटरी जवाब दे चुके हैं, मोबाइल हुआ डिस्चार्ज,

घनी आबादी वाला क्षेत्र बिजली कटौती से परेशान

लोयाबाद।लोयाबाद क्षेत्र में गुरुवार शाम से हुई तेज बारिश के साथ ही लोयाबाद और आसपास का इलाका अंधेरे में डूब गया। शुक्रवार तक भी बिजली बहाल नहीं हो सकी। धनी आबादी वाला क्षेत्र बिजली कटौती से परेशान हो चुके है। घरों में इन्वर्टर और बैटरी जवाब दे चुके हैं, मोबाइल डिस्चार्ज हो गए हैं।।जानकारी के अनुसार, डिवीसी की 33 हजार वोल्ट हाईटेंशन लाइन में लोयाबाद के पास 15 नंबर पोल पर फॉल्ट हुआ। गुरुवार शाम से ही डिवीसी कर्मी मरम्मति का हवाला देते रहे, लेकिन बिजली रातभर बहाल नहीं हुई। जेबीवीएनएल अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि यह समस्या डिवीसी से जुड़ी है, इसलिए वे कुछ नहीं कर सकते।डिवीसी की ओर से बताया गया कि बारिश के कारण फॉल्ट खोजने और मरम्मति करने में दिक्कत हो रही है। फॉल्ट मिलते ही बारिश शुरू हो जाने से काम बाधित हो गया। मरम्मति का कार्य मौसम पर निर्भर है।इधर, डिवीसी ने बीसीसीएल फीडर की सप्लाई चालू की, लेकिन बासदेवपुर में 6600 वोल्ट लाइन में फॉल्ट हो गया, जिसके चलते बीसीसीएल क्षेत्र की बिजली भी बहाल नहीं हो सकी। बताया जाता है कि बाँसजोड़ा स्थित सिजुआ आरएस से बासदेवपुर को सप्लाई मिलती है। लाइन चार्ज करते ही ट्रिप हो रही है। तकनीशियनों ने कई बार प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली।दो महीने से लगातार फॉल्ट की समस्या।जेबीवीएनएल उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि पिछले दो महीने से बिजली की यह समस्या लगातार बनी हुई है। कभी तार टूटकर गिर जाते हैं, तो कभी जम्पर उड़ जाता है। अधिकांश फॉल्ट डिवीसी की ओर से ही सामने आ रहे हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि डिवीसी अब भी वर्षों पुराने तार और इंसुलेटर के भरोसे लाइन सप्लाई कर रही है। वहीं, भूधसान क्षेत्र से पोल गुजरने के कारण मरम्मति कार्य में अतिरिक्त कठिनाई आती है।लोगों का कहना है कि बार-बार फॉल्ट और लंबी कटौती से हजारों परिवार परेशान हैं। शुक्रवार देर रात तक बिजली बहाल होने की उम्मीद जताई गई है,लेकिन बारिश थमने पर ही मरम्मति कार्य शुरू हो पाएगा।

पंचेत सोलर प्रोजेक्ट के विरोध में प्रेस वार्ता कर अध्यक्ष, मोहम्मद मुख्तार अंसारी ने कहा अपना हक अधिकार लेकर रहेंगे

चिरकुंडा, (धनबाद), मोहम्मद मुख्तार अंसारी अध्यक्ष ने कहा अधिकार लेने के लिए कुछ भी करेंगे, मरेंगे या जेल जाएंगे, लेकिन अपना हक, अधिकार लेकर रहेंगे । उक्त बातें दामोदर वेली वस्तु हरा संग्राम समिति के बैनर तले प्रेस वार्ता कर समिति के अध्यक्ष मोहम्मद मुख्तार अंसारी ने कहा, की यहां की विस्थापितों के जमीन पर डीवीसी एवं एनटीपीसी पंचायतों में सोलर प्रोजेक्ट लगाया जा रहा है। विस्थापितों को उनके हक अधिकार नहीं मिलने के विरोध में, प्रेस वार्ता किया गया। अध्यक्ष ने बताया कि पिछले एक साल से डीवीसी और एनटीपीसी के द्वारा सोलर प्लांट लगाया जा रहे हैं। हमलोग सोलर प्लांट का विरोध कर रहे हैं। प्रोजेक्ट गैर कानूनी तरीके से डीवीसी के द्वारा पुलिस प्रशासन का भय दिखा कर, डराना चाह रही है। जबरन हमारी जमीनों पर कब्जा किया जा रहा है। इस जमीन पर अब तक ना तो मुआवजा मिला, नाही नियोजन मिला, पुनर्वास की बात हो रही है। पूरी जमीन को डीवीसी जबरन कब्जा कर रही है। आगे उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर हमारी मांग पूरी नहीं होती है तो इसका पूर्ण तरीका से विरोध, आंदोलन किया जाएगा। हम अपनी लड़ाई से पीछे नहीं हटेंगे,साथ ही अपनी मांग से भी पीछे नहीं हटेंगे।अपनी हक अधिकार लेकर रहेंगे।

डिगवाडीह धनबाद में गणेश पूजन उत्सव धूमधाम से मनाई जाएगी

झरिया, (धनबाद), कोयलांचल की सबसे बेहतरीन गणेश पूजा महोत्सव का आयोजन डिगवाडीह गणेश पूजा मैदान में 15 दिवसीय 37 वार्षिक उत्सव का शुभारंभ 27 अगस्त से किया जायेगा। ज्ञात हो की इस अवसर पर भव्य मेला का आयोजन किया जाता रहा हैं। गणेश पूजा मैदान में एक बैठक का आयोजन जोड़ापोखर थाना प्रभारी उदय गुप्ता के नेतृत्व में किया गया । मौके पर अनेक गण्यमान्य लोग मौजूद थे ।

विजेता तथा उपविजेता प्रतिभागी व टीमों को बीडीओ ने किया ट्राफी तथा मेडल देकर सम्मानित

दुमकाःराज्य के सरकारी स्कूलों में खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने हेतु रामगढ़ प्रखंड में खेलो झारखंड प्रतियोगिता 2025 के तहत आयोजित प्रखंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता का शुक्रवार को सफल समापन हो गया। शुक्रवार को अंडर 17 तथा 19 के बालक व बालिका वर्ग का फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया।शुक्रवार के खेल में अंडर 19 बालिका वर्ग मे विजेता रामगढ़ उच्च विद्यालय तथा उपविजेता ठाडीहाट कुसियाम रहा। अंडर 17 बालिका वर्ग मे विजेता कड़बिंधा व उपविजेता नोनीहाट रहा। वहीं बालक वर्ग मे अंडर 17 मे विजेता महुबना तथा उपविजेता रामगढ़ रहा। अंडर 19 बालक वर्ग मे विजेता नोनीहाट व उपविजेता नोनीहाट रहा। बताते चले कि प्रखंड स्तरीय खेलों झारखंड प्रतियोगिता तीन दिवसीय था, जिसमें क्रमशः प्रथम दिवस पर एथलेटिक्स के विभिन्न स्पर्धाएं, द्वितीय दिवस पर कबड्डी, खोखो तथा वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित हुई।समापन समारोह के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी कर्मेंद्र कुमार सिन्हा मौजूद रहे। विजेता तथा उपविजेता प्रतिभागी व टीमों को बीडीओ के द्वारा ट्राफी तथा मेडल प्रदान की गई। समापन समारोह के दौरान प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी आनंद शंकर मुर्मू के द्वारा बताया गया कि प्रखंड स्तरीय खेलों झारखंड प्रतियोगिता का सफल समापन शुक्रवार को हो गया। आगे कहां की सभी टीमों ने काफी मेहनत की और प्रतिस्पर्धाओं पर अपना कब्जा जमाया। बीपीओ ने बताया कि प्रखंड स्तरीय विजेताओं को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्रदान होगा। मंच को संबोधित करते हुए बीपीओ ने मुख्य अतिथि के रूप में आए हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी कमलेंद्र सिन्हा का हार्दिक स्वागत किया।विजेता तथा उपविजेता प्रतिभागियों व टीमों को बीडीओ ने भविष्य की अग्रिम शुभकामनाएं दी है। मौके पर नजीसूल हक प्रखंड साधन सेवी रामगढ़, आनंद एंथोनी बेसरा, सुनील कुमार मुर्मू,स्टीफन मुर्मू,प्रेम हेंब्रम, हीरालाल राय, इंस्ट्रक्टर आनंद कुमार, नवनीत कुमार व अन्य शारीरिक शिक्षा शिक्षक मौजूद थे।

जिला प्रशासन व ईसीआर की बैठक संपन्न

रेलवे से जुड़ी संरचनात्मक व प्रबंधन योजनाओं पर किया विचार-विमर्श

धनबाद, मंडल रेल प्रबंधक, डीआरएम कार्यालय में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन तथा मंडल रेल प्रबंधक, अखिलेश मिश्र एवं मंडल के अन्य अधिकारियों के बीच आज संध्या एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में नगर एवं रेलवे से जुड़ी संरचनात्मक व प्रबंधन योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही आधारभूत ढाँचे, यात्री सुविधाओं व जनहित योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए आपसी सामंजस्य एवं समन्वय के साथ कार्य करने का निर्णय लिया गया।बैठक में नगर आयुक्त, रवि राज शर्मा, अनुमंडल पदाधिकारी, राजेश कुमार, वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक सह वरीय जनसंपर्क अधिकारी मोहम्मद इकबाल तथा जिला प्रशासन व मंडल के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

पिंटू कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलकर चुनाव लड़ने का दिया आवेदन

धनबाद, पटना, शुक्रवार को जदयू पार्टी के धनबाद जिलाध्यक्ष सह नवादा के वारसलीगंज निवासी पिंटु कुमार सिंह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास में उनसे मिले और बिहार से चुनाव लड़ने का आवेदन दिया। साथ ही उनका बहुत ही खूबसूरत पेंट किया हुआ चित्र उनको उपहार स्वरूप भेंट किया । इस अवसर पर पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष, संजय झा, बिहार से जदयू के राज्यसभा सांसद खीरु महतो, राज्य के एम.एल.सी सह पार्टी के कोषाध्यक्ष, लालन सर्राफ मौजूद थे। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मौजूद नेताओं के समक्ष समुचित विचार करने का आश्वासन दिया।

नदी पर बने पुल का पिलर धंसने से आवागमन पूरी तरह बंद

दुमकाःमसलिया प्रखंड क्षेत्र के सीमावर्ती रागड़ापाड़ा और बनगाडी के बीच शीला नदी पर बने पुल का एक पिलर बीते 16 जुलाई को धंस गया था। इसके बाद प्रशासन ने पुल की गुणवत्ता की जांच कर चार पहिया वाहनों के आवागमन पर रोक लगा दी थी। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण पिलर और ज्यादा धंस गया, जिससे पुल पर खतरा और बढ़ गया।इस मामले की जानकारी मिलते ही विभागीय अधिकारियों ने जेसीबी मशीन से मिट्टी डलवाकर पुल पर पूरी तरह से यातायात बंद करवा दिया। यह पुल जामताड़ा जिले के फतेहपुर से दुमका जिले के बास्कीडीह होते हुए देवघर जिले के चितरा मोड़ को जोड़ता है। पुल बंद होने से दुमका और जामताड़ा जिले के फतेहपुर व मसलिया प्रखंड के दर्जनों गांवों के लोगों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बासदेवपुर कोलियरी एक बार फिर डीजल चोर अज्ञात अपराधियों के आतंक से दहल उठा

लाठी-डंडों से लैस आधा दर्जन से अधिक अपराधियों मचाया तांडव, पत्थरबाजी कर शॉवेल मशीन का शीशा तोड़कर किया क्षतिग्रस्त,पहुँचाया नुकसान

प्रबंधन ने की लिखित शिकायत,जताई चिंता

लोयाबाद। बासदेवपुर कोलियरी एक बार फिर अज्ञात अपराधियों के आतंक से दहल उठा। बीते देर रात करीब 11 बजे आधा दर्जन से अधिक अज्ञात डीजल चोर अपराधियों ने माइंस में घुसकर तैनात सुरक्षा गार्डों पर हमला कर दिया।अपराधियों ने लाठी-डंडों से लैस सुरक्षा प्रहरी राजेश पासी एवं द्वारिका प्रसाद भुईयां को दौड़ा-दौड़ाकर बेरहमी से पीटा। दोनों गार्ड उस समय माइंस परिसर में खड़ी शॉवेल मशीन की सुरक्षा में तैनात थे।हमले में द्वारिका प्रसाद भुईयां के घुटने में गंभीर चोट आई,जबकि राजेश पासी की कमर व हाथ जख्मी हो गए।गार्डों का कहना है कि अपराधियों की संख्या आधा दर्जन के करीब था,सभी लाठी डंडे से लैस होकर सीधे हमला करने पहुंचे और जान बचाकर भागने के दौरान भी बेरहमी से पीटा।घायल अवस्था में दोनों गार्ड सीआईएसएफ के पास जाकर मदद की गुहार लगाए,लेकिन गार्डो के अनुसार सीआईएसएफ ने कोई सहायता नही की ।इसके बाद सिजुआ क्षेत्र की क्यूआरटी टीम मौके पर पहुंची।और दोनों कर्मियों को सुरक्षा प्रदान किया।वासदेवपुर कोलियरी प्रबंधन ने जानकारी दी कि घटना से पहले गुरुवार को शाम 4 बजे भी अपराधियों ने माइंस में उपद्रव किया था।शॉवेल मशीन पर पत्थरबाजी की गई, जिसमें मशीन का शीशा टूट गया। यह स्पष्ट संकेत था कि अपराधियों की नीयत पहले से डीजल चोरी करने की थी। सुरक्षा गार्डों और मजदूरों ने बताया कि बासदेवपुर कोलियरी में अपराधियों का आतंक रोज का किस्सा बन चुका है।कभी माइंस, कभी कोल डंप,कभी पार्ट्स गोदाम हर जगह अपराधी सक्रिय रहते हैं। डीजल चोरी,बैटरी चोरी,कीमती पार्ट्स की लूटपाट और सुरक्षा गार्डों पर हमले अब आम हो गए हैं।गार्डों ने बताया कि अपराधियों के पास हमेशा हथियार रहते हैं और वे भय के माहौल में अपनी ड्यूटी करने को मजबूर हैं।सुरक्षा नाम मात्र की है।घटना के बाद बासदेवपुर कोलियरी प्रबंधन ने केंदुआडीह पुलिस से लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। एफआईआर में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि अपराधियों का मकसद डीजल चोरी था। वासदेवपुर कोलियरी प्रबंधक संतोष चौधरी ने कहा अपराधियों ने नाक में दम कर दिया है।ऐसी परिस्थिति में हम उत्पादन कार्य कैसे सुचारू रूप से कर पाएंगे।हर दिन की घटनाओं से मजदूर और गार्ड भयभीत हैं।अगर शीघ्र ही सख्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई,तो कोयला उत्पादन गंभीर संकट में पड़ जाएगा।

कार्यालय नगर निगम, गिरिडीह
ई-मेलः giridihmunicipalcorporation@gmail.com

अल्प कालीन निविदा आमंत्रण सूचना

आगामी दुर्गापूजा, दिपावली एवं छठ पर्व, 2025 को ध्यान में रखते हुए गिरिडीह नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न पूजा पण्डालों के आस–पास एवं उसके पहुंच पथ की साफ–सफाई तथा छठ घाट बनाने का कार्य किया जाना है। (दुर्गा पूजा पण्डाल एवं छठ घाटों की सूची संलग्न)

उक्त हेतु इच्छुक व्यक्ति/फर्म/संवेदक अपना कोटेशन दिनांक 06/09/2025 को 11:00 पूर्वा० बजे तक अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि एवं समय के उपरांत प्राप्त निविदा को स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्राप्त निविदा को दिनांक 06/09/2025 को अपराह्न 03:00 बजे गिरिडीह नगर निगम कार्यालय में खोला जाएगा। कार्य की विवरणी :–

निविदा सं0	कार्य का नाम	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य
1	2	4	5
	आगामी दुर्गा पूजा, दिपावली एवं छठ पर्व, 2025 को ध्यान में रखते हुए गिरिडीह नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न पूजा पण्डालों के आस–पास एवं उसके पहुंच पथ की साफ–सफाई तथा छठ घाट बनाने का कार्य दिनांक 08.09.2025 से 29.10.2025 तक	निविदित दर का 02%	5000.00

नियम व शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट व udhd.jharkhand.gov.in पर देखी जा सकती है।

प्रशासक,
नगर निगम, गिरिडीह।

PR.NO.360168 Urban Development(25-26):D

कार्यालय नगर पंचायत, जामताड़ा
Email Id- Jamtaranagarpanchayat@gmail.com

नोटिस

बजरिये इस नोटिस द्वारा सूचित किया जाता है कि उपायुक्त, जामताड़ा के आदेश ज्ञापांक– 213 (ii) /गो0, दिनांक– 21.08.2025 द्वारा जे0बी0सी0 हाई स्कूल से सुभाष चौक तक फल, सब्जी, मछली के अस्थायी दुकानों को पुराना हटिया एवं रास मेला हटिया में तथा चाट, गुपचुप एवं चाऊमीन के ठेले को गाँधी मैदान के कोने में आवंटित स्थान में स्थानांतरित किया जाना है।

उक्त निदेश के आलोक में सूचित किया जाता है कि 48 घंटों के अन्दर अपना–अपना दुकान/ठेला को आवंटित स्थान पर स्थानांतरण करते हुए अतिक्रमण मुक्त करना सुनिश्चित करेंगे।

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर पंचायत,जामताड़ा

PR 360206 Urban Development and Housing(25-26)D

कार्यालय : असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, धनबाद
फोन नम्बर- 9431711098 email-cs.dhanbad@gmail.com

अति अल्पकालीन निविदा

आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत धनबाद जिले के सभी सरकारी सूचीबद्ध अस्पतालों धनबाद में आयुष्मान किट का क्रय किया जाना है। उक्त के दर निर्धारण हेतु इच्छुक व्यक्ति/एजेन्सी या सप्लायर से मुहरबंद निविदा दिनांक 30.08.2025 के अपराह्न 5:00 बजे तक जिला आयुष्मान कार्यालय, सदर अस्पताल धनबाद, पिन– 826001 के पते पर निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से अथवा सीधे कार्यालय में निविदा आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदा दिनांक 01.09.2025 को अपराह्न 4:00 बजे निविदा निस्तारण समिति के समक्ष खोला जायेगा। निविदा खोलने के समय निविदादाता स्वयं अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि का रहना अनिवार्य है। आयुष्मान किट हेतु विवरणी (Specification) एवं निविदा के नियम एवं शर्ते www.dhanbad.nic.in के वेबसाईट से डाउनलोड की जा सकती है।

असैनिक शल्य चिकित्सक सह,
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, धनबाद

PR 360164 Health Med Edu and Family Welfare (25-26)_D

कार्यालय :- असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, धनबाद
फोन नम्बर–9431711098 email-cs.dhanbad@gmail.com

आयुष्मान मित्र से संबंधित आवश्यक सूचना

कार्यकारी निदेशक, झारखण्ड स्टेट आरोग्य सोसाईटी, झारखण्ड, राँची के ज्ञापांक 87 दिनांक 17.02.2022 के आलोक में धनबाद जिला अंतर्गत सदर अस्पताल, धनबाद तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बाघमारा, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, निरसा, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, टुंडी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, गोविंदपुर, शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, केंदुआडीह, धनबाद एवं शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिंदरी आयुष्मान मित्र की आवश्यकता है। इच्छुक अभ्यार्थी निम्नांकित शर्तों के अधीन वॉक इन इंटरव्यू हेतु वांछित अभिलेखों के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

क्र०	विवरणी	आवश्यक शर्त
1.	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता	किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से इंटरमीडिएट एवं एक वर्ष का कम्प्युटर में डिप्लोमा होना अनिवार्य है।
2.	उम्र सीमा	न्यूनतम आयु 20 वर्ष अधिकतम 35 वर्ष
3.	आवश्यकता	8 (आठ)
4.	परिलब्धि	120/रू० प्रति केस भुगतान किया जायेगा । उपरोक्त परिलब्धि के अतिरिक्त किसी प्रकार का अन्य राशि देय नहीं होगा ।

नोट :–
1. Walk in interview सिविल सर्जन, धनबाद के कार्यालय सभागार में होगा।
2. Walk in interview की तिथि एवं समय दिनांक 29.08.2025 समय पूर्वाह्न 12 बजे।
3. स्थानीय आवेदकों को प्राथमिकता दिया जायेगा।
4. आयुष्मान मित्र पूर्ण रूप से अस्थाई होंगे एवं वेतन का भुगतान केस की अंतिम मंजूरी मिलने के आधार पर किया जायेगा।
5. कार्य संतोषजनक नहीं पाए जाने पर आयुष्मान मित्र को अधोहस्ताक्षरी स्तर से कार्यमुक्त कर दिया जायेगा।
6. अभ्यार्थी अपने साथ बायोडाटा, एक पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ, सभी शैक्षणिक एवं प्रशैक्षिणिक प्रमाण पत्र की मूल एवं छायाप्रति लेकर आयेंगे।
7. यदि किसी स्तर पर प्रस्तुत दस्तावेंजो में कोई विसंगति पायी जाती है तो आवेदक की उम्मीदवारी श्रद्द की जा सकती है और इसके लिए विधि के अनुरूप कार्रवाई की जायेगी।
8. आवश्यकता पड़ने पर जिला चयन समिति को चयन रद्द/स्थगित करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। ऐसे रद्द/स्थगन के मामले में कोई दावा स्वीकार नहीं होगा।

असैनिक शल्य चिकित्सक सह,
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी धनबाद

PR 360167 (Health Med Edu and Family Welfare)25-26*D

बड्स गार्डन स्कूल में दस दिवसीय एनसीसी कैंप का किया गया आयोजन

धनबाद, राजगंज स्थित, बड्स गार्डेन स्कूल, दलूडीह, राजगंज में दस दिवसीय एनसीसी कैंप का आयोजन 18 अगस्त से 27 अगस्त 2025 तक 5 झारखंड बटालियन एनसीसी यूनिट, धनबाद द्वारा आयोजित किया गया। इस शिविर में मुख्य रूप से धनबाद, दुमका, पाकुड़, देवघर, गिरिडीह ,साहिबगंज, जामताड़ा जिले के अलावे राजगंज, बड्स गार्डेन स्कूल आदि के लगभग 550 कैडेट ने हिस्सा लिया हैं, जिसमें लगभग 450 गर्ल्स कैडेट शामिल है।कैंप का आयोजन में कमांडिंग ऑफिसर, कर्नल, कुमार रंजय सिंह के नेतृत्व में हो रहा है, जबकि मुख्य सहयोगी के रूप में स्कूल के प्राचार्य, प्रमोद चौरसिया है। कैंप के आयोजन में प्रशिक्षण देने में सूबेदार राजेंद्र प्रसाद सैनी , सूबेदार ,भवानी सिंह ,सूबेदार ,जगदीप सिंह, सूबेदार, नरेंद्र जी, नायक सूबेदार , श्याम सिंह , कंपनी हवलदार मस्त बहादुर , नजीर असिस्टेंट , नरेंद्र , हवलदार साम सिंह, हवलदार, जोध सिंह, हवलदार फिलिप्स मरांडी, सी टी ओ,मोहम्मद अली हुसैन, जीसीआई, प्रियंका सिंह आदि महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही प्रतिदिन व्यायाम, खेलकूद, योग,शूटिंग,सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रशिक्षण ,अभ्यास आयोजन किया जा रहा है।शुक्रवार को एनसीसी द्वारा वन विभाग के सहयोग से स्कूल परिसर में एक पेड़ मां के नाम योजना के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम भी चलाया गया एवं शनिवार को विद्यालय में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन भी किया गया है, जिसमें कैंप में सम्मिलित बच्चे रक्तदान भी करेंगे।विद्यालय में आयोजित इस कैंप में कल अग्निशमन विभाग द्वारा आपातकालीन आग बुझाने हेतु विशेष प्रशिक्षण दिए गए।

कैंप में शामिल कैडैटस् को प्रतिदिन फायरिंग की अभ्यास भी विद्यालय परिसर में ही कराई जाती है, साथ ही विशेष कक्षाओं का आयोजन कर बच्चों को आपदा प्रबंधन से जुड़ी प्रमुख बातें एवं देश सेवा से जुड़ी बातों को सिखाया जा रहा है। ज्ञात हो की बड्स गार्डेन स्कूल , राजगंज में एनसीसी प्रशिक्षण पूर्व से ही दिए जा रहे थे, जबकि फिलहाल विद्यालय में लगभग 30 बॉयज कैडेट एवं 80 गर्ल्स कैडेट एनसीसी में शामिल है।इस शिविर के आयोजन होने से विद्यालय के बच्चों में भी उत्साह का माहौल है ,एवं विद्यालय में अध्यनरत अन्य बच्चे भी इस प्रशिक्षण को देखकर देश वह समाज के प्रति राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत-प्रोत हो रहे हैं।

विद्यालय में ही लगभग 5:30 सौ कैडैट्स और 50 प्रशिक्षकों के आवासीय व्यवस्था की गई है, जिसे संपन्न कराने हेतु विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य जैसे उपेन तिवारी , दीपक महतो , प्रदीप कुमार, संजय तिवारी, जितेंद्र रवानी , स्वेता जोन, दिलीप कुमार ,देवान सोरेन आदि काफी उत्साह से लगे हुए हैं।कार्यक्रम के समापन में सभी उत्कृष्ट कैडैट्स को शूटिंग , सांस्कृतिक कार्यक्रम ,प्रशिक्षण और अनुशासन के लिए विशेष पुरस्कार से पुरस्कृत भी करेंगे।शनिवार को बड्स गार्डेन स्कूल के 2023 बैच के कैडैट्स को कमांडिंग ऑफिसर, कर्नल कुमार रंजीत द्वारा प्रमाण पत्र देकर विशेष रूप से सम्मानित भी किया जाएगा।

दीपावली में पटाखा दुकान के लिए हर अंचल में चिह्नित किए जाएंगे एक-एक ग्राउंड

धनबाद,दीपावली में पटाखा दुकान लगाने के लिए हर अंचल में एक-एक ग्राउंड चिन्हित किए जाएंगे। वहीं जो दुकानदार बिना लाइसेंस के पटाखा बेचते पाए जाएंगे उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह निर्देश उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने आज विस्फोटक पदार्थ अधिनियम से संबंधित बैठक में दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने पटाखा बिक्री के लंबित आवेदनों की समीक्षा की। साथ ही दीपावली के अवसर पर पटाखा विक्रेताओं को अस्थाई लाइसेंस देने पर चर्चा की। बैठक के दौरान उपायुक्त ने मैगजीन हाउस की अंचलवार समीक्षा की। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को मैगजीन हाउस का निरीक्षण कर प्लॉट सख्या की जांच तथा विशेष रूप से पत्थर एवं अन्य खदान में फायर सेफ्टी नियमों की जांच करने का निर्देश दिया।बैठक के दौरान उपायुक्त ने आर्म्स लाइसेंस, जिले में लाइसेंसी हथियार की संख्या, नए आवेदन, रद्द हुए आवेदन इत्यादि की समीक्षा की। इसके बाद उपायुक्त ने जिला टेलीकॉम समिति के साथ बैठक कर जिले में स्थित मोबाइल टावरों की समीक्षा की। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को सरकारी जमीन पर स्थापित टावर की जांच कर किराया निर्धारित करने, नियमों का उल्लंघन करने वालों को चिन्हित करने तथा बिना अनुमति सरकारी भूमि पर लगे टावरों को हटाने का निर्देश दिया।

बैठक में एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्रीमती हेमा प्रसाद, सामान्य शाखा के प्रभारी, दीपक कुमार दुबे, यूआईडी मैनेजर, अमित कुमार के अलावा सभी अंचल के अंचल अधिकारी व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

जिले में बाइक चोरी गैंग का हुआ पर्दाफाश तीन अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

धनबाद, धनबाद नगर पुलिस अधीक्षक ने आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि बाइक चोरी मामले में तीन अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि इनके पास से पांच मोटरसाइकिल को बरामद की गई हैं 1 जिनमें से दो को बेचने के लिए तैयार थे, और तीन छुपा कर रखे गए थे। पुलिस ने बताया कि ये बाइकें धनबाद और आसपास के क्षेत्रों से चोरी की गई थीं और इन्हें बेचने के लिए चेचिस नंबर और इंजन नंबर भी बदल दिए जाते थे। गिरफ्तार अभियुक्तों में दो तीसरा थाना क्षेत्र और एक बलियापुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस ने फुटबॉल मैदान काशी टांड़ से तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इस पूरे मामले का सरगना सोनू सिन्हा है, जो पहले से ही आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। सोनू सिन्हा का मोटरसाइकिल चोरी और अन्य आपराधिक मामलों में शामिल होने का अपराधिक इतिहास रहा है। इस मामले में पुलिस आगे काफी गहनता से जांच में जुटी हुई हैं 1

धनबाद जिले में एग्रीमेंट के आधार पर फ्लैट की खरीद, बिक्री की गहनता से की जाएगी जांच

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने आज विभिन्न विभागों के राजस्व संग्रहण की समीक्षा की 1 निबंधन विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त को बताया गया की कई मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में फ्लैट की खरीद बिक्री निबंधित एग्रीमेंट पर हो रही है। जबकि उसकी रजिस्ट्री होनी चाहिए। उपायुक्त ने एग्रीमेंट पर फ्लैट की खरीद - बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए सभी मल्टी स्टोरी बिल्डिंग की गहनता से जांच करने तथा निबंधन विभाग को 4 साल 11 माह पुराने एग्रीमेंट, जिसकी वैधता समाप्त हो चुकी है, की जांच कर उसे रद्द करने का निर्देश दिया।

साथ ही वैसे बिल्डिंग जिनका नक्शा स्वीकृत है और निर्माण की अवधि पूरी हो गई है, उनको फ्लैट की रजिस्ट्री कराने के लिए नोटिस देने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि फ्लैट या अन्य संपत्ति की रजिस्ट्री नहीं होने से राज्य सरकार को राजस्व की भारी हानि होती है। वहीं कृषि बाजार की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने बाजार प्रांगण में स्थित दुकान एवं गोदाम की संख्या तथा उससे हर महीने मिलने वाले किराया के संबंध में पूछताछ की। उपायुक्त ने कृषि बाजार के पणन सचिव को नई दुकानों व गोदाम के निर्माण एवं रेंट रिवीजन का प्रस्ताव देने का निर्देश दिया।

नीलमपत्र की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने बड़े बकायेदारों के विरुद्ध बॉडी वारंट निर्गत करने एवं 10 सबसे अधिक बकाया रखने वालों की सूची देने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने जीएसटी, परिवहन, नगर निगम, खनन, स्वच्छता प्रमंडल, उत्पाद, वाणिज्य कर, वन सहित अन्य विभागों के राजस्व संग्रहण की समीक्षा की। जिन विभागों ने लक्ष्य से कम राजस्व की वसूली हासिल की उन्हें प्रगति लाने तथा शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने का निर्देश दिया। साथ ही जिन विभागों ने लक्ष्य से अधिक राजस्व की वसूली की उनकी सराहना की। बैठक में उपायुक्त, आदित्य रंजन, अपर समाहर्ता, विनोद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, राजेश कुमार, कृषि बाजार के पणन सचिव, बिपुल कुमार सिंह, पीएचईडी 1 के कार्यपालक अभियंता, रंजीत कुमार, आईटी मैनेजर, रूपेश कुमार मिश्रा के अलावा अन्य विभागों के पदाधिकारी मौजूद थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्थापना समिति और अनुकंपा समिति की आयोजित की गई बैठक

अनुकंपा समिति में 10 आवेदकों के प्रस्ताव को समिति द्वारा दी गई स्वीकृति

कार्यालय अधीक्षक में 5, प्रधान लिपिक में 9 तथा उच्च वर्गीय लिपिक में एक को दी गई प्रोन्नति

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में जिला स्थापना समिति एवं अनुकंपा समिति की बैठक कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित की गयी।

जिला अनुकंपा समिति की बैठक में समिति के सदस्यों के समक्ष विभिन्न विभागों से जुड़े कुल 23 मामलों को प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा प्राप्त सभी आवेदनों की एक-एक कर आवश्यक दस्तावेजों व इनमें संलग्न आयु प्रमाण पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र समेत अन्य आवश्यक कागजातों की गहन जांच की गयी। इसमें से 10 आवेदकों के दस्तावेज सही पाये गये, उन्हें स्वीकार कर लिया गया, जबकि जिनके दस्तावेजों में कमी पायी गयी, उन्हें आवश्यक सुधार के साथ अगली बैठक में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।

जिला स्थापना समिति की बैठक में जिले के विभिन्न कार्यालयों में लंबे समय से कार्यरत लिपिक संवर्ग के कर्मियों के पदस्थापन और स्थानांतरण को लेकर चर्चा की गयी। इस दौरान 3 कर्मी को सेवा संपुष्टि की स्वकृति दी गई, वहीं कार्यालय अधीक्षक में 5, हेड क्लर्क में 9 तथा उच्च वर्गीय लिपिक में एक को प्रोन्नति दी गई।

उक्त बैठक में उपायुक्त, आदित्य रंजन, अपर समाहर्ता, विनोद कुमार, एडीएम लॉ एंड आर्डर श्रीमती हेमा प्रसाद, एडीएम सप्लाई, जियाउल अंसारी, स्थापना उप समाहर्ता, दिलीप महतो, अनुमंडल पदाधिकारी, राजेश कुमार समेत अन्य विभाग के पदाधिकारी तथा कर्मी मौजूद थे ।

उपायुक्त की अध्यक्षता में की गई जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति के साथ बैठक की। बैठक में उपायुक्त ने सबसे पहले सुदूर क्षेत्रों में आधार पंजीकरण व अद्यतन केंद्रो की आवश्यकता का आकलन करते हुए आधार पंजीकरण केंद्र की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा की जिला के सभी पीएचसी तथा सीएचसी, जिनका अपना भवन हो, में आधार केंद्र सुविधाएं सुनिश्चित करें।इसके अलावा उन्होंने शून्य से पांच वर्ष के बच्चों के आधार पंजीकरण में तेजी लाने की बात कही। बीआरसी की सभी मशीन अनिवार्य रूप से 5 और 15 साल के बच्चों का मैंडेटरी बायोमीट्रिक अपडेट तथा मोबाइल नंबर से जोड़ने की बात कही। साथ हीं उपायुक्त ने जिला अंतर्गत 2 आधार सेंटर जहां अलग अलग जिला से भी लोग कार्य करवाने आते हैं, वहां सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए ।उपायुक्त, आदित्य रंजन ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को 18 वर्ष से अधिक आयु आधार निर्माण के प्राप्त लंबित आवेदनों को शीघ्र निष्पादन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने जिला समाज कल्याण विभाग को इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के प्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित करते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत बच्चों का आधार पंजीकरण कराने का निर्देश दिया। कहा कि जिनका आधार बने हुए दस वर्ष हो गये हैं और उन्होंने कभी भी अपडेट नहीं कराया है, उनका अनिवार्य रूप से अपना आइडी कार्ड और एड्रेस प्रूफ, डॉक्यूमेंट अपडेट अवश्य करवा लें। जिला शिक्षा पदाधिकारी को जिला के सभी संकुल साधन केंद्र, बीआरसी को एक्टिवेट कर सुदृढ़ करने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त बैठक में डीएसपी हेडक्वार्टर 1, शंकर कामती, डीआईओ श्रीमती सुनीता तुलसियान, जिला परियोजना पदाधिकारी, यूआइडी, अमित कुमार सिंह, के अलावा जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

ई-रिक्शा निबंधन के लिए डीटीओ ऑफिस में 23 अगस्त से 30 अगस्त तक लगेगा विशेष कैम्प

धनबाद, ई-रिक्शा के निबंधन के लिए जिला परिवहन कार्यालय में 23 अगस्त से 30 अगस्त तक विशेष कैंप लगाया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए जिला परिवहन पदाधिकारी, दिवाकर सी द्विवेदी ने बताया कि 23.08. 2025 से 30.08.2025 तक जिला परिवहन कार्यालय में विशेष कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जहाँ आकर ई-रिक्शा वाहन स्वामी अपने ई-रिक्शा का निबंधन करा लें तथा ड्रेस कोड का पालन करें। 30.08.2025 के उपरांत सरकार के निर्देशों का उलंघन पाये जाने पर मोटर वाहन अधिनियम के सुसंगत धाराओं के तहत उनपर सख्त कार्रवाई की जायेगी।आगे उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा ई-रिक्शा, टोटो चालकों हेतु नीले रंग का ड्रेस कोड निर्धारित किया गया है। पूर्व में भी परिवहन विभाग द्वारा दैनिक समाचार पत्र एवं जागरूकता के माध्यम से ड्रेस कोड के पालन हेतु अनुरोध किया गया। परंतु प्रायः यह देखा जा रहा है कि ई-रिक्शा चालकों द्वारा ड्रेस कोड का पालन नहीं किया जा रहा है। साथ ही यह सूचना मिल रही है कि कई ई-रिक्शा वाहन चालकों द्वारा बिना निबंधन के वाहन का परिचालन किया जा रहा है। बिना निबंधन का परिचालन मोटर वाहन अधिनियम के उल्लंघन एवं राजस्व क्षति का मामला है।

जिला अनुकंपा समिति ने तीन आवेदकों के शैक्षणिक प्रमाण पत्र की जांच के दौरान पाई गड़बड़ी

धनबाद, अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति हेतु आवेदकों द्वारा जो शैक्षणिक दस्तावेज उपलब्ध कराए गए थे, उनकी जिला अनुकंपा समिति की बैठक के जांच के दौरान पता चला की तीन आवेदक द्वारा इंदिरा गांधी हाइयर सेकेंडरी एंड ओपन एजुकेशन अंतर्गत डॉo बी आर अंबेडकर वर्कर कॉलेज मोहलबनी, बी एन हाई स्कूल चिरकुंडा एवं ब्रह्मा इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी से प्राप्त शैक्षणिक प्रमाण पत्र जमा किए गए हैं। बैठक के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि वर्तमान में डॉo बी आर अंबेडकर वर्कर कॉलेज मोहलबनी, बी एन हाई स्कूल चिरकुंडा एवं ब्रह्मा इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी संचालित नही है। साथ ही इंदिरा गांधी हाइयर सेकेंडरी एंड ओपन एजुकेशन भी मान्यता प्राप्त संस्था नही है।

जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में सीबीएसई पूर्वी क्षेत्र स्केटिंग प्रतियोगिता का एसएसपी ने किया शुभारम्भ

धनबाद, जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, धनबाद में सीबीएसई पूर्वी क्षेत्र स्केटिंग प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में वरीय पुलिस अधीक्षक, प्रभात कुमार और विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर आयुक्त रविराज शर्मा उपस्थित थे।

अपने संबोधन में वरीय पुलिस अधीक्षक, प्रभात कुमार ने खेल भावना के महत्व पर प्रकाश डाला और उन प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना की 1 जो पहले से ही अपने स्कूलों और शहरों में चैंपियन रहे हैं। उन्होंने भारी बारिश के कारण उत्पन्न बाधाओं के बावजूद प्रतिस्पर्धा करने के उनके दृढ़ संकल्प की प्रशंसा की और इसे सच्ची लगन और दृढ़ता का प्रतीक बताया।

एसएसपी ने भारत के उज्ज्वल और मजबूत भविष्य के निर्माण के लिए आज के बच्चों को तैयार करने में वर्तमान पीढ़ी की ज़िम्मेदारी के बारे में भावुकता से बात की। उन्होंने कहा कि छात्रों को न केवल शैक्षणिक बल्कि खेल के क्षेत्र में भी नई ऊँचाइयों को छूते हुए कीर्तिमान स्थापित करना है।

स्केटिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉo राजर्षि भूषण ने स्कूल द्वारा एक बिल्कुल नया 200 मीटर स्केटिंग ट्रैक बनाने और दौड़ों का निष्पक्ष और पारदर्शी मूल्यांकन सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में आमतौर पर उपयोग की जाने वाली सुविधा, फोटो-फिनिश कैमरा लगाने के असाधारण प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान सभी सम्मानित अतिथियों को सम्मान और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में स्कूल स्मृति चिन्ह और शॉल भेंटकर सम्मानित किया गया।

भव्य उद्घाटन समारोह सभी स्केटर्स के शपथ ग्रहण समारोह और प्रतियोगिता के औपचारिक उद्घाटन के साथ संपन्न हुआ 1 जिसने जुनून, अनुशासन और खेल भावना के एक रोमांचक सफर की शुरुआत की।

समारोह में स्केटिंग पर एक शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जहाँ छात्रों ने विभिन्न राज्यों के जीवंत पारंपरिक और लोक नृत्य प्रस्तुत किए। कला और खेल के इस अनूठे मिश्रण ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर सीबीएसई खेलों के तकनीकी प्रतिनिधि श्री सुमित शर्मा, सीबीएसई खेलों के पर्यवेक्षक,प्रवीण प्रसाद, विद्यालय के प्रधानाचार्य, अध्यक्ष, मृत्युंजय कुमार, स्केटिंग संघ के अध्यक्ष डॉo राजर्षि भूषण, सीबीएसई संयोजक और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax NO. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ◗ समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।